रांची से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

# अलग पहचान

सत्य की उड़ान

रांची, सोमवार 1 जूलाई 2024, वर्ष 10, अंक 176 पृष्ठ 8, मूल्य 5/ रुपया

alagpahchan@gmail.com www.alagpahchan.com

## हाथों में बीयर नहीं आंखों में आंसू हैं, पैरों से रौंदा नहीं, छाती से लगा रखी है ट्रॉफी... वाह कप्तान वाह!

मिचेल मार्श ट्रॉफी पर पैर रखे हुए, जबकि रोहित छाती से ट्रॉफी लगाए हुए।

**नई दिल्ली** समय को यूं ही बलवान नहीं कहते हैं। 2023 वनडे विश्व कप का फाइनल था और पूरे भारत में गजब का जोश था। उत्साह था। भारत 10 मैच लगातार जीतकर पहुंचा था कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली गजब की फॉर्म में थे। ऑस्ट्रेलिया को लीग चरण में हरा चुके थे तो लग रहा था कि अब फाइनल में उसे हराना बाएं हाथ का खेल है, लेकिन खचाखच भरे ऐतिहासिक नरेंद्र मोदी स्टेडियम में रोहित सेना चूक गई। विश्व विजेता बनने का सपना टूटने के बाद खिलाड़ी सदमे में थे तो दूसरी ओर ऑस्ट्रेलियाई घमंड में चूर थे। कप्तान पैट कमिंस ने एक लाख को चुप कराने की बात कही तो मिचेल मार्श विनिंग ट्रॉफी पर पैर रखकर पोज देते नजर आए थे। फिर समय का चक्र घूमा। वक्त बदला। जज्बात बदल गए। अब भारत टी20 विश्व विजेता है तो दूसरी ओर ऑस्ट्रेलिया को अफगानिस्तान ने बुरी तरह से हरा दिया। यह वही ऑस्ट्रेलिया थी, जिसने भारत को आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के खिताबी मुकाबले में हराया था। यह वही ऑस्ट्रेलिया थी, जिसने 2021 में टी20 विश्व कप का खिताब जीता था। तब आरोन फिंच कप्तान थे, लेकिन इस बार कप्तान मिचेल मार्श थे। वही मार्श, जिसके हाथों में बीयर थी और पैरों तले वनडे विश्व कप की विनिंग ट्रॉफी। अब जब भारत चैंपियन बना है तो रोहित शर्मा ट्रॉफी को किसी बच्चे की तरह सीने से लगाए घूमते नजर आए। अर्जेंटीना जब फुटबॉल विश्व कप विजेता बनी थी तो महान लियोनेल मेसी रातभर ट्रॉफी से बच्चे की तरह चिपके सोते रहे थे। महान सचिन जब विश्व विजेता बने तो किसी बच्चे की तरह रो पड़े थे। यह प्यार था। यह वह स्नेह था, जो लंबे संघर्ष के बाद उपजा था। ऐतिहासिक जीत की झलक थी। उस ट्रॉफी के प्रति सम्मान था, जिसे दिखाने जताने का शायद इससे बेहतर कोई तरीका नहीं हो सकता था। अब रोहित हैं। उन्होंने मेसी के अंदाज में ट्रॉफी उठाई तो नोवाक जोकोविच की तरह घास खाकर उस पिच को सम्मान दिया, जो ऐतिहासिक जीत की गवाह बनी। रोहित शर्मा उस भक्त की तरह हैं, जो अपने भगवान के प्रति आसक्त होता है।

## चैम्पियन बनते ही भारतीय टीम पर पैसों की बरसात... BCCI ने किया 125 करोड़ रुपये देने का ऐलान

टी20 वर्ल्ड कप 2024 में भारतीय टीम ने इतिहास रचते हुए दूसरी बार खिताब अपने नाम कर लिया है. फाइनल में साउथ अफ्रीका के खिलाफ भारत ने 7 रनों से जीत दर्ज की. इस जीत के बाद अब भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने भारतीय टीम के लिए बड़ा ऐलान किया है. जय शाह ने बताया है कि अब भारतीय टीम को बतौर प्राइज मनी 125 करोड़ रुपये दिए जाएंगे. इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए जय शाह ने सभी खिलाड़ियों, कोचों और सहयोगी स्टाफ को भी बधाई. उन्होंने कहा कि भारतीय टीम ने इस पूरे टी20 वर्ल्ड कप सीजन में शानदार खेल दिखाया. साथ ही दृढ़ संकल्प और खेल भावना का भी प्रदर्शन किया है.

**जयशाहनेअपनीपोस्टमेंक्यालिखा?**

जय शाह ने पोस्ट में लिखा कहा, 'टी20 वर्ल्ड कप 2024 खिताब जीतने के बाद भारतीय टीम के लिए 125 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है. टीम ने पूरे टूर्नामेंट में असाधारण प्रतिभा, दृढ़ संकल्प और खेल भावना का प्रदर्शन किया है. इस शानदार उपलब्धि के लिए सभी खिलाड़ियों, कोच और सहयोगी स्टाफ को बधाई.'

## सीएम चम्पाई सोरेन एवं पूर्व सीएम हेमन्त सोरेन हूल दिवस के अवसर पर अमर वीर शहीदों को किया नमन, दी श्रद्धांजलि

**साहेबगंज** । 1855 में के दिन भोगनाडीह से अमर वीर शहीद सिदो कान्हू के नेतृत्व में आदिवासियों ने अन्याय, शोषण और ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ बिगुल फूंका था। आज पूरा देश अपने इन महानायकों को नमन कर रहा है। यह प्रेरणा दिवस है। हम सभी अपने अमर शहीद सिदो कान्हू, चांद-भैरव और फूलो -झानो के इतिहास, संघर्ष और बलिदान से प्रेरणा लेकर अपने समाज और राज्य को मजबूत बनाने का संकल्प लें। उनके आदर्शों के अनुरूप झारखंड को संवारना ही उनको सच्ची श्रद्धांजलि होगी। मुख्यमंत्री श्री चम्पाई सोरेन आज हूल दिवस के अवसर पर अमर वीर शहीद सिदो-कान्हू की पावन धरती पर आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड वीरों और शहीदों की धरती है। इस प्रदेश के कोने-कोने से अनेकों महानायक निकले हैं, जिन्होंने अन्याय -शोषण तथा गुलामी को स्वीकार नहीं किया। उन्होंने अपनी भाषा, संस्कृति, परंपरा, सभ्यता और जल, जंगल, जमीन बचाए रखने के लिए लम्बा संघर्ष किया। ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ उलगुलान कर अंग्रेजों की जड़े हिला दी। अपने संकल्प पर अडिग रहते हुए शहीद हो गए। इन पूर्वजों के बलिदान का परिणाम है कि आज आदिवासी-मूलवासी सुरक्षित हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले साढ़े चार वर्षों में झारखंड में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है । हमारी सरकार की नीतियों कार्यक्रमों और योजनाओं से राज्य विकास की राह पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। हमारी योजनाएं घर-घर तक पहुंच रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वारा अभियान के दौरान लाखों आवेदन हमें मिले इन आवेदनों के माध्यम से हमें जनता की विभिन्न समस्याओं की पूरी गहराई से जानकारी मिली। लोगों की समस्याओं के आधार पर ही हम योजनाओं को बना रहे हैं, ताकि इसका लाभ हर किसी को मिल सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड तभी आगे बढ़ेगा, जब यहां की आर्थिक सामाजिक और शैक्षणिक व्यवस्था मजबूत होगी। इसी सोच के साथ हमारी सरकार कार्य कर रही है। आदिवासियों मूलवासियों, गरीबों, मजदूरों, दलितों, पिछड़ो और अल्पसंख्यकों को सशक्त बना रहें हैं। अपनी इन व्यवस्थाओं को मजबूत कर ही हम राज्य को नई दिशा और दशा दे सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड में खनिज और प्राकृतिक संसाधनों की भरपूरता है। इस लिहाज से झारखंड काफी धनी है, लेकिन यहां के लोग आज भी गरीब हैं। यहां के खनिज संसाधनों से दूसरे राज्य आगे बढ़ रहे हैं लेकिन झारखंड पिछड़ा राज्य में ही गिना जाता है। अब इसमें बदलाव देखने को मिल रहा है। हमारी सरकार ने संकल्प लिया है कि झारखंड को विकसित राज्य बनाना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार सरकार की अनेकों योजनाएं हैं जिसका लाभ यहां के लोगों को मिल रहा है । चाहे शिक्षा का क्षेत्र हो या स्वास्थ्य, रोजगार, कृषि, सिंचाई, पशुपालन, उद्योग,खेल या और कोई सेक्टर हर किसी के लिए योजनाएं हैं आप इन योजनाओं से जुड़े और अपने को सशक्त बनाने के साथ राज्य के विकास में भागीदार बनें।

इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन ने राज्यवासियों को हूल दिवस की बधाई दी । कहा-हम वर्षों से हूल दिवस मनाते चले आ रहे हैं । आज इस अवसर पर संकल्प लेकर राज्य के विकास में जो भी चुनौतियां सामने आएगी उसका मुकाबला पूरी ताकत के साथ किया जाएगा। हमें अपने हक और अधिकार को हर हाल में लेना है और इसके खिलाफ साजिश रचनेवालों को जवाब देना है। हमें जल- जंगल और जमीन को हर हाल में बचाना है, क्योंकि इसी की खातिर हमारे पूर्वजों ने बलिदान दी थी। हम अपनी अस्मिता और पहचान को किसी कीमत पर मिटने नहीं देंगे। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले चार वर्षों में हमने झारखंड में बदलाव लाने का काम किया है। अब सरकार हेडक्वार्टर से नहीं बल्कि गांव से चलती है।

## प्रधानमंत्री मोदी ने टीम इंडिया को विश्व विजेता बनने पर दी बधाई

क्रिकेट जगत के हर महारथी और बॉल को खेला और शानदार विजय हासिल की।"

नई दिल्ली। टी-20 विश्वकप में दक्षिण अफ्रीका को हराकर विजेता बनी भारतीय टीम को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बधाई दी है। इस जीत पर खुशी जताते हुए प्रधानमंत्री ने सोशल प्लेटफॉर्म पर पोस्ट साझा किया- "टीम इंडिया को इस शानदार जीत के लिए देशवासियों की तरफ से बधाई। 140 करोड़ देशवासी आपके शानदार प्रदर्शन के लिए गर्व महसूस कर रहे हैं। आपने वर्ल्ड कप जीता लेकिन हिंदुस्तान के हर गांव, गली और मोहल्ले में आपने कोटि-कोटि देशवासियों का दिल जीत लिया। ये टूर्नामेंट एक विशेष कारण से भी याद रखा जाएगा। इतने सारे देश, इतनी सारी टीमें और भारतीय टीम एक भी मैच हारी नहीं, ये छोटी उपलब्धि नहीं है। आपने

## चिल्लाती रही लड़की, मारता रहा डंडे, कौन है TMC नेता ताजेमुल, जिसने बंगाल में दिखाया गुंडाराज

सोशल मीडिया पर बीच सड़क लड़की को बेरहमी से पीटने का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है. भाजपा के राष्ट्रीय सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग के प्रभारी और पश्चिम बंगाल के सह-प्रभारी अमित मालवीय ने दावा किया है कि लड़की को पीटने वाला गुंडा सीएम ममता के विधायक का खास गुर्गा ताजेमुल है।भाजपा सांसद संबित पात्रा ने भी इस अमानवीय हरकत का वीडियो एक्स पर पोस्ट कर ममता बनर्जी को घेरा है। गौर करने वाली बात यह है कि ताजेमुल बल्कि लंबे समय से इंसाफ के नाम पर ऐसी बर्बरता करता आ रहा है।

इस वीडियो को एक्स पर पोस्ट कर अमित मालवीय ने लिखा है। कि पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी के शासन का यह घिनौना चेहरा है. वीडियो में जो व्यक्ति एक महिला को बेरहमी से पीट रहा है, उसका नाम ताजेमुल (इलाके में जेसीबी के नाम से मशहूर) है. वह अपनी 'इंसाफ' सभा के जरिए त्वरित न्याय देने के लिए मशहूर है और चोपड़ा विधायक हमीदुर रहमान का करीबी सहयोगी है.

**सवालों के घेरे में ममता सरकार**

उन्होंने आगे लिखा कि भारत को टीएमसी द्वारा संचालित पश्चिम बंगाल में शरिया अदालतों की वास्तविकता से अवगत होना चाहिए। हर गांव में एक संदेशखाली है और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी महिलाओं के लिए अभिशाप हैं। बंगाल में कानून-व्यवस्था का नामोनिशान नहीं है. क्या ममता बनर्जी इस राक्षस के खिलाफ कार्रवाई करेंगी या शेख शाहजहां की तरह उसका बचाव करेंगी?

**बंगाल में तालिबानी सजा..**

अमित मालवीय ने घटनास्थल की डिटेल भी शेयर की.. मालवीय की पोस्ट के मुताबिक यह अमानवीय घटना लक्ष्मीकांतपुर, चोपड़ा, उत्तर दिनाजपुर, पश्चिम बंगाल की है. सीपीआई(एम) नेता मोहम्मद सलीम ने महिला को पीटने वाला वीडियो शेयर कर कहा कि वीडियो में दिख रहा मुख्य आरोपी एक स्थानीय टीएमसी गुंडा है, जो 'जेसीबी' उपनाम से फेमस है।

## प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में पेरिस ओलंपिक में जाने वाली भारतीय टीम को शुभकामनायें दी

**नई दिल्ली**। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में पेरिस ओलंपिक में जाने वाली भारतीय टीम को शुभकामनायें दी। तीन महीने के अंतरराल के बाद 'मन की बात' के 111वें एपिसोड में प्रधानमंत्री ने उम्मीद जताई कि भारतीय खिलाड़ी ओलंपिक में मेडल के साथ-साथ लोगों का दिल भी जीतेंगे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि टोक्यो ओलंपिक खेलों में अपने प्रदर्शन से खिलाड़ियों ने हर भारतीय का दिल जीत लिया। इसके बाद से ही खिलाड़ी पेरिस ओलंपिक की तैयारियां कर रहे हैं। पेरिस ओलंपिक में भारतीय दल इस बार अधिक खेलों में भाग ले रहा है। खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए उन्होंने लोगों से "चीयर4भारत" हैशटेग पर अपनी शुभकामनायें भेजने के लिए कहा।

प्रधानमंत्री मोदी ने तीन महीने के लोकसभा चुनाव के दौरान संविधान और देश की लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में अपनी अटूट आस्था दोहराने के लिए देशवासियों का आभार व्यक्त किया। साथ ही चुनाव आयोग की महत्वपूर्ण भूमिका की भी सराहना की।

उन्होंने 30 जून को आदिवासी समुदाय के त्योहार 'हुल दिवस' के बारे में बात की और कहा कि यह दिन वीर सिद्धु-कान्हू के अदम्य साहस से जुड़ा है। वीर सिद्धो कान्हू ने हजारों संथालियों को एकजुट कर 1855 में अंग्रेजों का मुकाबाला किया था।

प्रधानमंत्री ने इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस पर शुरू हुए विशेष अभियान 'एक पेड़ मां के नाम' में भागीदारी की अपील करते हुए कहा कि यह देखकर खुशी होती है कि लोग #प्लांट4मदर और एक_पेड़_मां_के_नाम के साथ अपनी तस्वीरें साझा करके दूसरों को प्रेरित कर रहे हैं।

कार्यक्रम में उन्होंने बताया कि केरल की कार्थुम्बी छतरियां क्यों खास है। केरल के अट्टापटी में तैयार किए जाने वाले यह खास छाते आदिवासी महिलायें तैयार करती हैं और समय के साथ उनकी मांग बढ़ रही है। इसके अलावा उन्होंने आंध्र प्रदेश की अराकू कॉफी के बारे बताया जिनकी पूरी दुनिया में बहुत मांग है। उन्होंने पुलवामा के मटर के बारे में बताया जिनकी पहली खेप को हाल ही में लंदन भेजा गया है। दुनियाभर में भारतीय भाषा, संस्कृति और योग को मिलते आदर व स्नेह का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने बताया कि कुवैत सरकार ने राष्ट्रीय रेडियो पर हिन्दी में एक खास कार्यक्रम शुरू किया है। इसके लिए उन्होंने स्थानीय सरकार को धन्यवाद दिया। उन्होंने बताया कि तुर्कमेनिस्तान में राष्ट्रीय कवि की जयंती पर 24 प्रसिद्ध कवियों की प्रतिमायें लगाई गई हैं। इसमें गुरुदेव रविन्द्रनाथ टेगौर की भी प्रतिमा है।

## अधिकारियों के द्वारा काम देने से पहले 10 प्रतिशत का कमीशन लिया जाता है और वे नजदीकी संवेदकों से सांठगांठ रखते हैं

**रांची।**

मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन को मूलवासी सदान मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद ने एक पत्र मेल के माध्यम से भेजा है, जिसमें उन्होंने लिखा है कि कार्यपालक अभियंता द्वारा लघु सिंचाई सिमडेगा चेक डैम बुलढ़ाणाला प्रखंड सिमडेगा के लिए निविदा निकाला गया था। उस निविदा में तीन संवेदकों ने निविदा भरा था। दूसरा जागेश्वर नाग और तीसरा संवेदक रवि प्रसाद ने टेंडर भरा था। एल वन रहे रवि प्रसाद को काम देने से मना कर दिया गया। यह बोलकर कि उनके पास काम करने का कोई एक्सपीरियंस नहीं है। बाद में उनसे काम अलॉटमेंट करने से पहले 10 प्रतिशत कमीशन की मांग की गयी। रवि प्रसाद के द्वारा कमीशन देने से मना करने पर मुख्य अभियंता और अधीक्षण अभियंता के द्वारा उनके चरित्र प्रमाण को फर्जी बताया गया। बाद में मुख्य अभियंता लघु सिंचाई रांची द्वारा उपायुक्त सिमडेगा से मेल के माध्यम से पूछा गया कि यह चरित्र प्रमाण पत्र सही है या नहीं। इसके बाद उपायुक्त सिमडेगा की ओर से मेल के माध्यम से बताया गया कि चरित्र प्रमाण पत्र उनके कार्यालय से ही निर्गत किया गया है और वह वैध है, लेकिन चरित्र प्रमाण पत्र में छह माह की जगह में दो माह दर्ज है, यह मानवीय भूल है। इसके बाद मुख्य अभियंता और अधीक्षण अभियंता ने इसी को आधार

बनाकर उन्हें काम देने से मना कर दिया और दूसरे नंबर पर लोएस्ट भारतीय कंधों प्राइवेट लिमिटेड को को कम देने की चर्चा है। रवि प्रसाद के पास उपायुक्त के द्वारा दूसरा प्रमाण पत्र भी निर्गत किया गया था, जो काम देने से पहले उस आचरण प्रमाण पत्र को जमा किया जा सकता था, लेकिन मामला कुछ और है। अधिकारियों के द्वारा काम देने से पहले 10 प्रतिशत का कमीशन लिया जाता है और वे काम अपने नजदीकी संवेदकों से सांठगांठ कर कमीशन लेते हैं। नये संवेदकों को विभाग में काम नहीं देना चाहते हैं। इस निविदा के बाद फिर लघु सिंचाई विभाग के द्वारा चार जगहों के लिए फिर से निविदा निकला है, लेकिन इसमें यह शर्त जोड़ दिया गया है कि निविदा में वही संवेदक शामिल होंगे, जिसके पास कार्य करने का एक्सपीरियंस है। आग्रह है कि दोबारा जो टेंडर निकला है। उसे रद्द करते हुए मामले की जांच करायी जाये।

## बिजली जाते ही फ़ोन ना करे, कृपया 10 मिनट तक इंतजार करे बारिश का मौसम में सावधानी वरतें

बिजली के खंभों को छुने से बचे। बिजली के खंभों से अपने मवेशियों को ना बांधे। यथासंभव बिजली लाइनों के नीचे कोई भी प्रोग्राम ना करे।नए भवनों से बिजली लाइनों की उचित दूरी बनाए रखें। खेत की मेड़ पर यदि बिजली खंभा लगा है तो उचित दूरी रख कर ही जुताई करे ।ब जिली खंभे पर यदि स्पार्किंग हो रही हैं तो तुरंत अपने फीडर इंचार्ज (लाइनमैन), जेईएन, संबंधित सब स्टेशन पर सूचना देवे । यदि बारिश में खंभे पर तेज स्पार्क हो रहा हो और आस पास पानी भरा हुआ है तो उस रास्ते से या पानी में जाने से बचे व दूसरों को भी सावधान करें । यदि बिजली के तार किसी पेड़ के निकट से गुजर रहे हो तो किसी भी स्थिति में उस पर चढ़ने से बचे। 9.. ट्रांसफार्मर, लाइनो पर डंडे से या किसी और चीज से कुंडी नहीं डाले, हेवी लाइनों पर रिसाव होने से व ग्राउंड होने से बड़ा हादसा हो सकता है। किसी भी बड़े वाहन की छत पर यात्रा न करे । यदि बारिश की वजह से कोई लाइन ढीली पड़ गई हो या सड़क के उपर से नीची हो तो तुरंत अपने फीडर इंचार्ज (लाइनमैन), जेईएन या फिर सब स्टेशन पर सूचना देवे ताकि समय पर सुधार हों सके । 12.. बिजली खंभों को चार दिवारी या बाउंट्रिवाल में अतिक्रमण ना करें, हादसा होने पर भारी नुकसान हो सकता है। घर में उपकरण अच्छी क्वालिटी के ही उपयोग करें घर के अंदर बिजली फिटिंग में अर्थिंग जरूर कराएं व अपने उपकरण को उससे जोड़े रखे।अपने सभी स्विच, एमसीबी, इएलसीबी उच्च कोटि की ही काम में लावे व लगावें ।बगैर जानकारी के किसी भी उपकरण को छुने या खोलने से बचे । यदि कोई व्यक्ति बिजली के गिरफ्त मे हो तो तुरंत उसे बचाने हेतु निम्न कार्य करे सबसे पहले अपने आपको किसी सुखी जगह पर होना सुनिश्चित करें।

## एक वृक्ष मां के नाम लगाए संजय कुमार जायसवाल

प्रदेश कार्य समिति सदस्य संजय कुमार ठजायसवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की मन की बात को अपने बूथ संख्या 26 पर सुना साथ में अपने माता जी के नाम पर एक वृक्ष भी लगाया एवं लोकसभा चुनाव में सभी मतदाताओं को आभार जाताया जो मोदी जी की गारंटी पर विश्वास किया प्रधानमंत्री मोदी ने कहे कि 30 जून का ये दिन बहुत महत्वपूर्ण है. इस दिन को हमारे आदिवासी भाई-बहन 'हूल दिवस' के तौर पर मनाते हैं. यह दिन वीर सिद्धो-कान्हू के अदस्य साहस से जुड़ा है, जिन्होंने विदेशी शासकों के अत्याचार का पुरजोर विरोध किया था. उन्होंने कहा कि वीर सिद्धो-कान्हू ने हजारों संथाली साथियों को एकजुट करके अंग्रेजों का जी-जान से मुकाबला किया, और जानते हैं ये कब हुआ था? ये हुआ था 1855 में, यानी ये 1857 में भारत के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम से भी दो साल पहले हुआ था, तब झारखंड के संथाल परगना में हमारे आदिवासी भाई-बहनों ने विदेशी शासकों के खिलाफ हथियार उठाया था. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहे 'इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस पर एक विशेष अभियान शुरू किया गया है, इस अभियान का नाम है - 'एक पेड़ मां के नाम'.. मैंने भी एक पेड़ अपनी मां के नाम लगाया है.. मैंने सभी देशवासियों से दुनिया के सभी देशों के लोगों से ये अपील की है कि अपनी मां के साथ मिलकर या उनके नाम पर एक पेड़ जरूर लगाएं और मुझे ये देखकर बहुत खुशी है कि मां की स्मृति में या उनके सम्मान में पेड़ लगाने का अभियान तेजी से आगे बढ़ रहा है..' आज की इस मां की बात में उपस्थित भाजपा प्रदेश के कश्मीर की सदस्य संजय कुमार जायसवाल मंडल के महामंत्री राजकुमार जायसवाल महानगर युवा मोर्चा के मंत्री शुभम जायसवाल तरुण जायसवाल ओम प्रकाश सुरेंद्र चौधरी मोहित गुप्ता कृष्ण राम चंदन कुमार अशोक चौधरी अविनाश राय करण पाल गोपाल वर्मा विवेक कुमार अंकित

# केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री सह सांसद संजय सेठ ने चुटिया मंडल के अंतर्गत कार्यकर्ताओं के साथ मन की बात सुनी

**रांची**। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री सह सांसद संजय सेठ ने चुटिया मंडल के अंतर्गत कार्यकर्ताओं के साथ मन की बात सुनी इस अवसर पर रक्षा राज्य मंत्री केंद्र सरकार संजय सेठ ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात सुनकर हम सभी कार्यकर्ताओं को प्रेरणा मिलती है प्रधानमंत्री ने हुल दिवस पर शहीद हुए वीर सपूतों को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की साथ ही प्रधानमंत्री ने स्वदेशी को बढ़ावा देने की अपील देशवासियों से की है हम सबों को स्वदेशी वस्तुओं को अपने जीवन में उतरने की आवश्यकता है साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी मां के नाम एक पौधा लगाने का अभियान शुरू किया है पूरे देश में 20 करोड़ पेड़ लगाने का लक्ष्य रखा गया है हम सबों को अपनी मां के नाम एक पेड़ अवश्य लगनी चाहिए। इस कार्यक्रम में राज्य रक्षा मंत्री के साथ पदम श्री मुकुल नायक ने भी मन की बात सुनी।

## निःशुल्क हेल्थ चेकअप कैंप का आयोजन

**रांचीः** शैलबी डिवाइन सुपरस्पेस्लिटी हॉस्पिटल के सहयोग से लायंस क्लब ऑफ रांची ग्लोबल के द्वारा आज मोराहबादी स्थित बापू वाटिका के समीप निःशुल्क मेडिकल चेक-अप कैंप का आयोजन किया गया। कैंप में ब्लड प्रेशर, शुगर सहित अन्य की जांच की गई। लायंस क्लब ऑफ रांची ग्लोबल के प्रेसिडेंट लायंस शैलेश अग्रवाल ने कहा कि शिविर लगाने का मुख्य उद्देश्य लोगों को उनके स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना है। क्लब का मुख्य उद्देश्य मानवता की सेवा करना है, जिसे जरूरतमंद लोगों के बीच फ्री मेडिकल कैंप लगाकर सार्थक किया जा रहा है। आनेवाले दिनों में क्लब की गतिविधियों को रफ्तार दी जाएगी। मौके पर क्लब की तरफ से अस्पताल के डॉक्टरों की टीम तथा अतिथियों को सम्मानित किया गया। क्लब के सचिव लायन अमित शर्मा ने बताया कि स्वास्थ्य जांच शिविर में 150 से ज्यादा लोगों की जांच की गई। जांच के क्रम में बीमारी से पीड़ित लोगों को विशेषज्ञ डॉक्टर द्वारा उचित सलाह और आवश्यक उपचार की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के संयोजक पीयूष कुमार अर्थक प्रयास से सफलतापूर्ण सम्पन्न हुई। कैंप को सफल बनाने में क्लब के उपाध्यक्ष संतोष अग्रवाल,सोनल अग्रवाल कोषाध्यक्ष मनोज मिश्रा लीडरशिप चेयरपर्सन मोनिका गोयनका और अल्तमश आलम व अन्य सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा।

## झारखंड स्क्वैश रैकेट एसोसिएशन के नए अध्यक्ष बने दीपक कुमार अग्रवाल

**रांचीः** झारखंड स्क्वैश रैकेट एसोसिएशन की विशेष वार्षिक आम बैठक रविवार को स्थानीय होटल में हुई। इस बैठक में झारखंड स्क्वैश रैकेट एसोसिएशन वर्ष 2024-27 के लिए कार्यकारणी सदस्यों की घोषणा की गई। चुनाव पदाधिकारी झारखंड ओलंपिक एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष शिवेंदु दुबे ने नई टीम की घोषणा की। उन्होंने नई टीम को बधाई और शुभकामनाएं दी। स्क्वैश रैकेट एसोसिएशन के नए अध्यक्ष दीपक कुमार अग्रवाल (रांची) बनाए गए है। इसके अलावा संगठन के उपाध्यक्ष स्मिता आनंद(गोड्डा), सीडी सिंह (रामगढ़) और आशीष झा (देवघर), महासचिव वरुण कुमार (दुमका), कोषाध्यक्ष विपुल कुमार (सिमडेगा), संयुक्त सचिव सरोज कुमार यादव (जामताड़ा), आशीष बनर्जी (रांची), कार्यकारणी सदस्यों में एनएन मल्लिक (जमशेदपुर), अभिषेक कुमार पांडेय (धनबाद), मुकेश कुमार (गिरिडीह), अमित पाठक (हजारीबाग) को चुना गया है। बैठक में सीए सौरभ टेकरीवाल को ऑडिटर बनाया गया। बैठक में दो माह के अंदर अन्य जिलों में भी नई कमिटी बनाने का निर्णय लिया गया। साथ ही जिस जिले में स्क्वैश कोर्ट बने हुए है, वहां पर गतिविधियों को बढ़ाने एवं जहां नहीं बनी है वहाँ बनाने का भी निर्णय लिया गया। बैठक में सीईओ वरुण कुमार ने एसोसिएशन की गतिविधियों की जानकारी सदस्यों को दी। मौके पर नए अध्यक्ष ने कहा कि एसोसिएशन का काम कागज पर नही बल्कि धरातल पर दिखेगा। एसोसिशन को मिलजुल कर आगे बढ़ाएंगे। बैठक में एसोसिएशन के सचिव स्वर्गीय डॉ बीके मिश्रा के निधन पर एक मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। इसके अलावा रांची की आध्या बुधिया को इस्लामाबाद पाकिस्तान में एशियाई जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप गर्ल्स अंडर13 में गोल्ड मिलने पर बधाई दी गई। आध्या के रांची आने के बाद उन्हें सम्मानित करने का भी निर्णय लिया गया। इस बैठक में रांची, जमशेदपुर, देवघर, दुमका, साहेबगंज सहित लगभग 19 जिलो के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

## समाज और संस्कृति को बचाने के लिए प्रचार प्रसार की भूमिका अहमः विनोद बंसल

**रांचीः** विश्व हिंदू परिषद् झारखंड प्रांत की एक दिवसीय प्रशिक्षण होटल रेवल पैलेस, सदाबहार चौक, नामकुम में सम्पन्न हुआ। बैठक में विश्व हिंदू परिषद् के क्षेत्र,प्रांत और जिला के प्रमुख, सहप्रमुख,मंत्री शामिल हुए। बैठक की शुरुवात दीप प्रज्वलित और मंत्र के साथ हुआ। बैठक में विहिप के केन्द्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने कहा कि समाज और संस्कृति को बचाने के लिए प्रचार प्रसार की भूमिका अहम है। मन वचन और व्यवहार से कोई वचन ऐसा ना निकले जिससे कुप्रचार हो। श्री बंसल ने कहां की ईमानदारी और निष्ठा से प्रचार प्रसार का कार्य करना जरूरी इससे आपकी शाख और ख्याति बढ़ेगी। पटना क्षेत्रीय मंत्री वीरेंद्र विमल ने कहा कि समाज में सोशल मीडिया युद्ध चल रहा है और इससे कोई भी बचे हुए नहीं है। आज समाज में सोशल मिडिया की भुमिका अहम हैं। क्षेत्र सहमंत्री वीरेंद्र साहू ने कहा प्रचार प्रसार की भाषा अमर्यादित किसी के रूप में नहीं होनी चाहिए। बैठक में स्वागत भाषण देते हुए चंद्रकांत रायपत जी ने और धन्यवाद ज्ञापन प्रांत सहमंत्री मनोज पोद्दार ने दी। इस बैठक में मुख्य अथिति विहीप के केंद्रीय प्रवक्ता बिनोद बंसल,क्षेत्र मंत्री वीरेंद्र विमल,प्रांत अध्यक्ष चंद्रकांत रायपात ,प्रांत मंत्री मिथलेश्वर मिश्र,प्रांत संगठन मंत्री देवी सिंह,प्रांत सहमंत्री मनोज पोद्दार,प्रांत सहमंत्री रंगनाथ महतो ,क्षेत्रीय सह मंत्री बीरेंद्र साहू,महानगर अध्यक्ष कैलाश केसरी जी, प्रांत विशेष संपर्क सहप्रमुख प्रिंस आजमानी, प्रांत प्रचार प्रसार सह प्रमुख प्रकाश रंजन, प्रशिक्षण में मुख्य प्रशिक्षक सोशल मीडिया रितेश कश्यप, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रकाश रंजन, विनोद बंसल केंद्रीय प्रवक्ता ,प्रिंट मीडिया संजय कुमार ने दी। बैठक में प्रचार प्रसार प्रांत टोली से अमरनाथ ठाकुर, मनोज कुमार, उमाशंकर तिवारी, हरेराम ओझा, नारायण दास, प्रमोद ठाकुर एवं अन्य लोक उपस्थित रहे। मंच संचालन विभाग प्रमुख अमर प्रसाद ने की।

## रोटरी सहेली सेंटर की शिक्षित महिलाओं को प्रमाण पत्र

**रांचीः** रोटरी साहेली सेंटर की महिलाओं को प्रमाणपत्र वितरित किए गए। यह प्रमाणपत्र 25 सफल छात्राओं को दिया गया जिन्होंने सिलाई और ब्यूटीशियन कोर्स सफलतापूर्वक पूरा किया है। इस प्रमाणपत्र की अपनी एक अलग पहचान और महत्व है, जो इन महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने में मदद करेगा। यह उन्हें एक अच्छी नौकरी दिलाने या अपने सीखे हुए कौशल के साथ अपना छोटा व्यवसाय शुरू करने में सहायक होगा।रोटरी क्लब ने वर्ष 2023-24 में कुल 200 महिलाओं एवम् लड़कियों को अपने सहेली सेंटर के माध्यम से सिलाई और ब्यूटीशियन कि तकनीकी शिक्षा दी है। सहेली सेंटर का सफल संचालन रोटरी क्लब के अध्यक्ष डॉ. विनय ढानढनियां, सचिव ललित त्रिपाठी, सहेली सेंटर चेयरमैन रश्मि अग्रवाल, भावना तनेजा, कांता मोदी, कविता प्रसाद, स्वेता अग्रवाल, शालिनी और अमित अग्रवाल के सामूहिक प्रयासों से यह संभव हो सका है।

## ट्रांसपोर्ट नगर में मोटर पार्ट्स के दुकानों एवं गेराज खोलने के लिए जमीन देने की मांग

**रांचीः** झारखण्ड चैम्बर ऑफ कॉमर्स के मोटर पार्ट्स उप समिति की बैठक अध्यक्ष किशोर मंत्री की अध्यक्षता में चैम्बर भवन में संपन हुई। बैठक में ट्रांसपोर्ट नगर में जिस स्थान पर वाहनों के रख-रखाव एवं मरम्मत की बड़े स्तर पर जरुरत पडती है, उस स्थान पर मोटर पार्ट्स के दुकानों एवं गेराज की समुचित जगह की व्यवस्था दी जाय। चैम्बर अध्यक्ष किशोर मंत्री ने कहा कि गाड़ियों के मॉडल्स का आधुनिकीकरण हो रहा है, हर तीन महीने में वाहनों एवं उनके कलपुर्जों की कीमतें बढ़ रही है। सरकार से यह मांग की गई कि इसमें स्थिरता लाना अतिआवश्यक है। यह कहा गया कि वाणिज्यिक वाहनों की कीमतों को घटाया जाए । सदस्यों ने यह भी कहा कि सरकार एवं ऑटोमोबाइल व्यवसायियों में एक तालमेल बने जिससे इससे जुडी समस्याओं को व्यवसायी सीधा सरकार से रख सकें। उप समिति चेयरमैन सुशील चौधरी ने कहा कि वाहनों से सम्बंधित व्यवसायी की कुल रकम का लगभग 15 प्रतिशत कीमत उन वाहनों का है जिसका उपयोग आम जनता के लिए किया जाता है। ऐसे में इसमें उपयोग होने वाले कलपुर्जो के बड़े हिस्से पर जीएसटी की दर 28 प्रतिशत रखी गई है। जीएसटी कौंसिल से यह निवेदन किया गया कि सभी मोटर पार्ट्स एवं उसके सामान पर जीएसटी की एक दर रखी जाय जिसकी दर 12 प्रतिशत तथा उससे कम हो। इसके लिए संभवतः एचएसएन मोड की व्यवस्था की जाय| इन सभी मांगों पर सम्बंधित विभाग से पत्राचार करने की सहमती बनायीं गयी। बैठक में चैम्बर के अध्यक्ष किशोर मंत्री, उपाध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा, महासचिव परेश गट्टानी, उप समिति चेयरमैन सुशील चौधरी, विनोद सोमानी, सदस्य मनोज कुमार बागडिया, नन्द लाल बिश्वास, संतोष पाल उपस्थित थे।

## पावर हाउस चुटिया और केतारी बागान में जल्द बनेगा फ्लाईओवर

**रांचीः** केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री भारत सरकार सह रांची के सांसद संजय सेठ ने रविवार रांची रेल मंडल के अंतर्गत चल रहे रेल परियोजनाओं का निरीक्षण किया। रेलवे के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की अमृत काल के निमित्त रांची रेलवे स्टेशन का 3.30 करोड़ एवं हटिया रेलवे स्टेशन का 2.79 करोड़ की लागत से जिर्णोद्धार होना है। साथ ही पिस्का स्टेशन ,बालसीरिंग, नामकुम, टाटीसिल्वे, गंगाघाट, सिललली, एवं मुरी स्टेशन, का जिर्णोधार का काम लगभग 6 महीना में पूर्ण होने की उम्मीद है। वहीं अब धुर्वा, डोरंडा, हिनू, क्षेत्र के लोगों को अब मेंनरोड जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। नेपाल हाउस के पास निर्मित ब्रिज के पास से 25 करोड़ की लागत से फ्लाईओवर का निर्माण किया जा रहा है, जो सीधे भारत पेट्रोलियम के पास उतर जाएगा। वही नामकुम और बांसुली आरओबी का टेंडर कर दिया गया है, जिसका जल्द ही शिलान्यास किया जाएगा। वही पहाड़ी बाबा को जल चढ़ाने के लिए नामकुम स्थित स्वर्ण रेखा घाट से भक्त जल उठाते हैं।समीक्षा बैठक में अधिकारियों ने बताया नगरी, नया सराय ,हटिया पुलिस मुख्यालय के पास निर्माण आरओबी के कार्य प्रगति पर हैं । सिरम टोली फ्लाईओवर निर्माण में आ रही समस्याओं और उसके समाधान पर चर्चा हुई सिललली में बासारूली, के समीप बनने वाली अंडरपास एवं ईलू रेल लाइन की प्रगति पर भी चर्चा हुई रेलवे जंक्शन मुरी से विसरिया गांव तक सड़क निर्माण की दिशा में अब तक हुई कार्रवाई पर चर्चा कर इसमें तेजी लाने का निर्देश दिया सेवर टोली के समीप अंडरपास निर्माण के दौरान रास्ता बंद होने से आदिवासी परिवार को हो रही समस्याओं पर चर्चा कर इसका समाधान करने को कहा साथ ही सभी स्टेशन पर चल रहे कार्य को तेज गति से क अभिलंब पूर्ण करने की बात कही। मुरी स्टेशन पर एक्सीलेटर लगकर तैयार हो गए हैं।

## सीएमपीडीआइ में स्वच्छता पखवाड़ा

रांची। सीएमपीडीआइ के कांफ्रेस हाल में रविवार को स्वच्छता पखवाड़ा का समापन हुआ। इस मौके पर अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक मनोज कुमार, निदेशक अजय कुमार, सतीश झा, मुख्य सतर्कता अधिकारी सुमित कुमार सिन्हा ने स्वच्छता योद्धाओं को सम्मानित किया और पौधरोपण करके एक पखवाड़े तक चलने वाले स्वच्छता पखवाड़ा का समापन किया सीएमपीडीआइ मुख्यालय और क्षेत्रीय संस्थान-3 के महाप्रबंधक और विभागाध्यक्षगण और वरीय अधिकारी उपस्थित थे। इस मौके पर श्री कुमार ने स्वच्छता पर जोर दिया और कहा कि स्वच्छ भारत के महात्मा गांधीजी के सपने को साकार करने के लिए हमारे दैनिक जीवन और आसपास के समुदायों में स्वच्छता को अपनाना आवश्यक है और नागरिकों का अच्छा स्वास्थ्य और जीव कल्याण ही स्वच्छता का अंतिम लाभ है। श्री झा ने कहा कि स्वच्छता के संबंध में जानकारी का प्रचार-प्रसार और जागरूकता पैदा करना प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है, इसे निभाने के लिए हम लोगों को सतत प्रयास करना चाहिए।

रांची।हूल दिवस के अवसर पर क्रांति स्थल, पंचकठिया, बरहेट, साहिबगंज में पारंपरिक विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर अमर वीर शहीद सिदो -कान्हू को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए मुख् यमंत्री चम्पाई सोरेन एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन।

**साहेबगंज**। हुल दिवस के अवसर पर साहिबगंज जिला के बरहेट स्थित भोगनाडीह के सिदो कान्हू पार्क में अमर वीर शहीद सिदो-कान्हू एवं चांद- भैरव की प्रतिमा पर माल्यार्पण और वीरांगना फूलो- झानो की प्रतिमा का अनावरण कर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन, पूर्व मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन एवं विधायक कल्पना सोरेन।

## बढ़ते भारत-बदलते भारत की गाथा है मन की बातः बाबूलाल

रांची। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम मन की बात के 111वें संस्करण का प्रसारण रविवार को हुआ। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी सहित पार्टी के सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने मन की बात को अपने-अपने बूथ क्षेत्रों में सुना। प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने संताल परगना प्रवास के दौरान शिकारीपाड़ा के पलमा में कार्यकर्ताओं के साथ मन की बात कार्यक्रम को सुना। मरांडी ने कहा कि प्रधानमंत्री का यह संबोधन कार्यक्रम आम जनता से जुड़ाव का अनूठा कार्यक्रम है। विश्व के किसी राजनेता के द्वारा प्रति माह जनता से ऐसा प्रत्यक्ष संवाद नहीं होता। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा। मन की बात कार्यक्रम बढ़ते भारत, बदलते भारत की गाथा है। मरांडी ने कहा कि देश सकारात्मक बदलाव की ओर बढ़ रहा। भारत का सांस्कृतिक गौरव बढ़ रहा है। दुनिया का भारत के प्रति दृष्टिकोण में सकारात्मक बदलाव आये हैं। उन्होंने हूल क्रांति और उसके महानायक सिदो-कान्हू से भारत की जनता को परिचित कराने के लिए आभार प्रकट किया। गोंदा मंडल स्थित रॉक गार्डन बूथ पर मन की बात कार्यक्रम में शामिल हुए नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने कहा कि मन की बात कार्यक्रम भारत के सामर्थ्य और संस्कृति का संवाद है। उन्होंने कहा कि आज के 111वें संस्करण में विकसित भारत की सोच है। शहीदों की गाथाएं हैं। जनता का परिश्रम है। सांस्कृतिक विरासत है। क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नागेंद्र त्रिपाठी, प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, प्रदेश महामंत्री आदित्य साहू, डॉ प्रदीप वर्मा, मनोज कुमार सिंह सहित हजारों कार्यकर्ताओं ने अपने-अपने बूथों पर मन की बात कार्यक्रम को सुना।

## हेमंत सोरेन से मुलाकात कर शुभकामना दी

रांची 30जून24 सीपीआई के राष्ट्रीय महासचिव कॉमरेड डी राजा, पी के पांडेय,महेंद्र पाठक अजय सिंह, केडी सिंह कलम रशीदी पुष्कर महतो ने झारखंड के पूर्व मुख्य मंत्री श्री हेमन्त सोरेन के बेल पर जेल से 5 महीने के बाद बाहर आने पर मिलकर हेमंत सोरेन से मुलाकात कर शुभकामना दी और कहा की संविधान और सच्चाई की जीत हुई है,भाजपा के मंसूबों पर चोट हुई है।हेमंत सोरेन के बाहर आने से इंडिया ब्लॉक मजबूत हुआ है और आने वाले विधानसभा चुनाव में भाजपा को हराने के लिए एकजुट होकर चुनाव लडने का संकल्प ले।

## संजय सेठ ने की रांची रेल मंडल में चल रही रेल परियोजनाओं की समीक्षा

रांची। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने रविवार को रांची रेल मंडल में चल रही रेल परियोजनाओं की समीक्षा की। इस दौरान प्रमुख रूप से उनके साथ हटिया विधायक नवीन जयसवाल, मंडल रेल प्रबंधक जसमीत सिंह बिंद्रा सहित अन्य भी मौजूद रहे। मंत्री ने रेल अधिकारियों से रांची, हटिया, नामकुम, टाटीसिल्वे, गंगाघाट, मुरी, सिल्ली और पिस्का स्टेशन के उन्नयन कार्य की जानकारी ली। इस दौरान रांची रेलवे स्टेशन पर चल रहे उन्नयन कार्य का अवलोकन किया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। समीक्षा बैठक में नगड़ी, नयासराय और नामकुम अंडरपास पर चर्चा हुई। केतारी बगान ओवर ब्रिज निर्माण को लेकर हुई कार्रवाई, सिरमटोली फ्लाइ ओवर निर्माण में आ रही समस्या और उसके समाधान पर भी बातचीत हुई। सिल्ली में बांसारूली के समीप बनने वाले अंडर पास पर चर्चा और इलू रेल लाइन के प्रस्ताव पर हुई गति प्रगति की जानकारी मंत्री ने ली। रेलवे जंक्शन मुरी से बिसरिया गांव तक सड़क निर्माण की दिशा में अब तक हुई कार्रवाई पर चर्चा की गयी। इसमें तेजी लाने का निर्देश मंत्री ने दिया। कडरू, सिरमटोली के समीप अंडरपास निर्माण के दौरान रास्ता बंद होने से आदिवासी परिवारों को हो रही समस्या पर चर्चा करते इसका समाधान करने को डीआरएम रांची रेल मंडल को कहा गया।

## रांची हिंदपीढ़ी थाना क्षेत्र में एक महिला की छत से गिरने से मौत

रांची हिंदपीढ़ी थाना क्षेत्र में एक महिला की छत से गिरने से मौत हो गई। बताया जा रहा है कि बड़ी मस्जिद लेन की रहने वाली एक युवती की छत्त से गिरने से मौत हो गई है। मृतका का नाम सना है। घटना रविवार अहले सुबह की है। बताया जा रहा है कि लड़की का उसके प्रेमी से फोन पर झगड़ा हो रहा था। लड़ाई इतनी बढ़ गई कि प्रेमिका ने छत से कूद कर खुदकुशी कर ली। सना के जानलेवा कदम उठाने के बाद मौके पर सबसे पहले उसका प्रेमी जावेद ही पहुंचा। वो गंभीर रूप से घायल सना को लेकर पास के अस्पताल पहुंचा, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजन पहुंचे अस्पताल, प्रेमी हिरासत में सना की मौत की सूचना पर उसके परिजन भी भागे भागे अस्पताल पहुचे. सना की मौत से घर मे मातम का माहौल है। वहीं दूसरी तरफ हिंदपीढ़ी पुलिस ने उसके प्रेमी जावेद को हिरासत में ले लिया है।

## अन्याय और दास्ता से मुक्ति की विजय गाथा है हूल दिवसः चन्द्रदेव महतो

बिरसा समिति सिन्दरी के तत्वावधान मे आयोजित " हूल यानी विद्रोह दिवस " पर सिध्दो, कान्हू, चांद, भैरव को याद किया गया। अंग्रजो के छक्का छुडाने वाले नायको का खास दिन है हूल दिवस। सर्वप्रथम सिध्दो कान्हू के चित्र पर मलयार्पण कर क्रान्तिकारी अभिनन्दन किया गया ।"अमर शहीदो हम तुम्हे नही भूलेगे" बिरसा समिति के महासचिव चन्द्रदेव महतो ने अपने संदेश मे कहा कि " अन्याय और अत्याचार से मुक्ति का रास्ता है विद्रोह दिवस, क्रान्ति के नायको का पवित्र स्मरण आज भी हम सवको अपने अधिकार के प्रति सचेत रहने का मार्गदर्शन कराता है। वर्तमान केन्द्रीय सरकार भ्रष्टाचार, बेरोजगारी,शिक्षा और स्वास्थ्य के प्रति उदासीन रवैय्या विद्रोह के लिए ललकारता है। हमसभी को इसे चैलेंज के रूप मे स्वीकार करना चाहिए ।" अमर शहीदो को नमन करनेवालो मे निम्नलिखित ने योगदान दिएः- चन्द्रदेव महतो अम्बुज मंडल, राजीव मुखर्जी, सुरेश प्रसाद, महालाल हासदा, गौतम प्रसाद, फुलचन्द मरांडी, सुरेन्द्र हेम्ब्रम, गोविन्द टुडू, प्रताप वाउरी, दिपू होरो, राहुल वाउरी राहुल महतो मिहिर मंडल, अजीत मंडल, अजय महतो, राजकुमार महतो अंकुर सेन,मधु सरकार,राजेन्द्र सिंह, नयन दत्ता, संजय विश्वास ,पुरन सिंहके साथ सैकडो ने उपस्थिती दर्ज किया।

## हूल विद्रोह इतिहास की सबसे बड़ी क्रांतिः सुदेश महतो

रांची। अंग्रेजी सरकार की गलत नीतियों और महाजनी प्रथा के विरोध में हुए हूल विद्रोह ने देश में आजादी की लड़ाई का शंखनाद किया था। हूल विद्रोह इतिहास की सबसे बड़ी क्रांति है, भुलाया नहीं जा सकता। संताल हूल के दौरान वीर शहीद सिदो-कान्हू के नेतृत्व में हजारों क्रांतिकारियों ने अपनी शहादत दी। इतिहास के पन्नों में उन सभी वीर शहीदों को उचित स्थान दिलाने के लिए हम सभी को आगे आने होगा। हमारा उद्देश्य इन वीरों की गाथा को राज्य ही नहीं देश के हर एक व्यक्ति तक पहुंचाना है। उक्त बातें आजसू अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो ने जोन्हा में हूल दिवस के अवसर पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में कहीं। उन्होंने कहा कि यह वक्त सभी झारखंडियों को एकजुट कर एक नयी सामाजिक और राजनीतिक चेतना जागृत करने की है। वीर शहीदों के स्वशासन के सपनों को साकार कर समृद्ध और खुशहाल झारखंड की परिकल्पना को पूरा करने के लिए हमें मिलकर एक नयी हूल क्रांति की नींव रखनी होगी। राज्यभर में आजसू पार्टी ने मनाया हूल दिवस अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ विद्रोह के प्रतीक हूल दिवस पर सभी जिला और प्रखंड में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं द्वारा अमर शहीद सिदो-कान्हू, चांद-भैरव, फूलो-झानो और अन्य क्रांतिकारी सपूतों को श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। मौके पर संताल विद्रोह के महानायकों की संघर्ष गाथा को याद कर उनके बलिदानों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया। पार्टी पदाधिकारियों ने सिदो-कान्हू को किया नमन रांची स्थित सिदो-कान्हू पार्क में हूल दिवस के मौके पर पार्टी पदाधिकारियों द्वारा अमर वीर शहीद सिदो कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। इस दौरान पार्टी के केंद्रीय मुख्य प्रवक्ता डॉ देवशरण भगत ने कहा कि झारखंड के वीरों ने कभी भी बाहरी दखल, जुल्म और अत्याचार को बर्दाश्त नहीं किया। अपने हक और अधिकारों के लिए संघर्ष करना हर झारखंडी की पहचान है। सिदो-कान्हू, चांद-भैरव, फूलो-झानो समेत झारखंड के वीर बलिदानियों की संघर्ष गाथा हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत हैं। युवाओं को इस संघर्ष गाथा को आत्मसात करने की आवश्यकता है। इस मौके पर केंद्रीय मुख्य प्रवक्ता डॉ देवशरण भगत, महासचिव सुधीर यादव, भरत काशी, पारसनाथ उरांव, जलनाथ चौधरी, सत्येंद्र सिंह, बनमाली मंडल, रमेश गुप्ता, वीरेंद्र प्रसाद, टीके मुखर्जी, दयाशंकर झा, डॉ पार्थ पारितोश, हरिश कुमार, ओम वर्मा, चेतन, राहुल तिवारी, अजीत सिंह उपस्थित थे।

## रथ यात्रा को लेकर तैयारी जोरों पर, मुख्य अथिति होंगें सांसद एवं विधायक

**रामगढ़** आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष द्वितीया 07 जुलाई को कैथा में होने वाले रथयात्रा महोत्सव की तैयारी जोर-शोर से चल रही है। कैथा रथयात्रा महोत्सव को लेकर आयोजन समिति सदस्यों ने गिरिडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी से मुलाकात कर उन्हें रथयात्रा के पावन अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि व रामगढ़ विधायक सुनिता चौधरी को बतौर विशिष्ट अतिथि आमंत्रित किया। वहीं गिरिडीह सांसद ने सहर्ष आमंत्रण स्वीकार करते हुए आयोजन समिति को रथयात्रा महोत्सव की तैयारी में जुटने और स्वच्छता और पवित्रता के साथ आयोजन संपन्न करने की बात कही। गौरतलब हो कि प्रतिवर्ष रामगढ़ नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड नं 26 कैथा रथयात्रा महोत्सव का आयोजन होता है जहां हजारों की तादाद में सैलानी और श्रद्धालु पहुंचते और भगवान जगन्नाथ बहन सुभद्रा और भाई बलभद्र का पूजा अर्चना कर मनोवांछित फल पाते हैं। रथयात्रा को लेकर पूरे रामगढ़ जिले में उत्साह का माहौल है। क्षेत्रवासी रथ मेला को लेकर तैयारी में जुटे हैं। आमंत्रण देने में आयोजन समिति के अध्यक्ष सह वार्ड पार्षद देवधारी महतो, सचिव राजेश कुमार महतो, मुख्य पुजारी बीएन चटर्जी, संजय महतो, छोटेलाल महतो, अजय आस्था आदि लोग उपस्थित थे।

## 15वी राष्ट्रीय ओपन ताइक्वांडो प्रतियोगिता जो कि 12 से 14 जून उज्जैन मध्य प्रदेश में आयोजित हुई

15वी राष्ट्रीय ओपन ताइक्वांडो प्रतियोगिता जो कि 12 से 14 जून उज्जैन मध्य प्रदेश में आयोजित हुई इस प्रतियोगिता में देश के सभी राज्यों से खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया धनबाद से इस प्रतियोगिता में द राइट ट्रेक ताइक्वांडो अकैडमी से 5 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया जिनमें 2 स्वर्ण पदक तथा 2 काश्य पदक प्राप्त हुआ स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ी प्राची सिन्हा तथा आराध्या पांडे काशय पदक विजेता खिलाड़ी रजत मंडल तथा श्रुति शर्मा वही पर अकैडमी के खिलाड़ी अयान देय ने उम्मदा प्रदर्शन करते हुए राज्य तथा जिला का नाम रोशन किया है इसके लिए कोच विशाल पंडित रोटी बैंक के अध्यक्ष श्री रवि शेखर एफसीआइ के जीएम श्री देवदास अधिकारी भारतीय ताइक्वांडो संघ के महासचिव श्री प्रभात शर्मा भारतीय ताइक्वांडो संघ के उपाध्यक्ष तथा झारखंड ताइक्वांडो संघ के महासचिव श्री संजय शर्मा धनबाद जिला ताइक्वांडो संघ के अध्यक्ष श्री लक्ष्मीकांत सिन्हा, महासचिव श्री कमलेश पांडे, सचिव श्री सुमीर शर्मा भारतीय ताइक्वांडो संघ से अश्विनी शर्मा, झारखंड ताइक्वांडो संघ के रेफरी चीफ श्री अमर बावरी तथा श्री विजय शंकर विश्वकर्मा अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी यमुना कुमार पासवान रेफरी ज्योति कुमारी,रोनित सिंह,सुमित शर्मा, उदय कुमार पंडित सभी बच्चों को बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की बाकी खिलाड़ियों के नामप्राची सिन्हा, आराध्या पांडे ,दिया मंडल ,आरुषि ,श्रुति शर्मा ,पुष्पा महतो ,रजत मंडल ,अयान दें, हार्दिक पीयूष गिरी, अंशुमन गोराई, श्रेष्ठा।

## आजसू पार्टी ने खरखरी बाजार स्थित सांसद आवासीय कार्यालय में "हूल दिवस" मनाया

**धनबाद** :खरखरी बाजार स्थित सांसद आवासीय कार्यालय में आजसू पार्टी के प्रखण्ड सचिव प्रेम कुमार तिवारी के नेतृत्व में "हूल दिवस" मनाया गया। इस मौके पर आजसू पार्टी के सभी क्रांतिकारी साथियों ने "हूल क्रांति" के महानायक सिद्धों-कानू, चांद-भैरव और फूलो-झानू सहित सभी वीर योद्धाओं को श्रद्धा सुमन अर्पित कर सादर नमन किया। तिवारी ने अपने संबोधन में कहा कि जिस दिन झारखंड के आदिवासियों ने अंग्रेजों के खिलाफ हथियार उठाया था, यानी विद्रोह किया था। उस दिन को 'हूल क्रांति दिवस' के रूप में मनाया जाता है। इस युद्ध में करीब 20 हजार आदिवासियों ने अपनी प्राण की आहुति दी थी। आदिवासियों ने 1855 में ही विद्रोह का झंडा बुलंद कर दिया था। 30 जून, 1855 को सिद्धू और कान्हू के नेतृत्व में, मौजूदा साहेबगंज जिले के भगनाडीह गांव से विद्रोह शुरू हुआ था। इस मौके पर सिद्धू ने नारा दिया था, 'करो या मरो, अंग्रेजों हमारी माटी छोड़ो'। तिवारी ने कहा कि मौजूदा संथाल परगना का इलाका बंगाल प्रेसिडेंसी के अधीन पहाड़ियों एवं जंगलों से घिरा क्षेत्र था। इस इलाके में रहने वाले पहाड़िया, संथाल और अन्य निवासी खेती-बाड़ी करके जीवन-यापन करते थे और जमीन का किसी को राजस्व नहीं देते थे। ईस्ट इंडिया कंपनी ने राजस्व बढ़ाने के मकसद से जमींदार की फौज तैयार की । जो पहाड़िया, संथाल और अन्य निवासियों से जबरन लगान वसूलने लगे। लगान देने के लिए उनलोगों को साहूकारों से कर्ज लेना पड़ता और साहूकार के भी अत्याचार का सामना करना पड़ता था। इससे लोगों में असंतोष की भावना मजबूत होती गई। सिद्धू, कान्हू, चांद और भैरव चारों भाइयों ने लोगों के असंतोष को आंदोलन में बदल दिया। 30 जून 1855 को 400 गांवों के करीब 50 हजार आदिवासी भगनाडीह गांव पहुंचे और आंदोलन की शुरुआत हुई। इसी सभा में यह घोषणा कर दी गई कि वे अब मालगुजारी नहीं देंगे। इसके बाद अंग्रेजों ने सिद्धू, कान्हू, चांद तथा भैरव-इन चारों भाइयों को गिरफ्तार करने का आदेश दिया। जिस दरोगा को चारों भाइयों को गिरफ्तार करने के लिए वहां भेजा गया था, संथालियों ने उसकी गर्दन काट कर हत्या कर दी। इस दौरान सरकारी अधिकारियों में भी इस आंदोलन को लेकर भय पैदा हो गया था। आंदोलन को दबाने के लिए अंग्रेजों ने इस इलाके में सेना भेज दी। जमकर आदिवासियों की गिरफ्तारियां की गईं और विद्रोहियों पर गोलियां बरसने लगीं। आंदोलनकारियों को नियंत्रित करने के लिए मार्शल लॉ लगा दिया गया। आंदोलनकारियों की गिरफ्तारी के लिए अंग्रेज सरकार ने पुरस्कारों की भी घोषणा की थी। बहराइच में अंग्रेजों और आंदोलनकारियों की लड़ाई में चांद और भैरव शहीद हो गए। प्रसिद्ध अंग्रेज इतिहासकार हंटर ने अपनी पुस्तक 'एनल्स ऑफ रूलर बंगाल' में लिखा है, 'संथालों को आत्मसमर्पण की जानकारी नहीं थी, जिस कारण डुगडुगी बजती रही और लोग लड़ते रहे।' जब तक एक भी आंदोलनकारी जिंदा रहा, वह लड़ता रहा। इस युद्ध में करीब 20 हजार आदिवासियों ने अपनी जान दी थी। सिद्धू और कान्हू के करीबी साथियों को पैसे का लालच देकर दोनों को भी गिरफ्तार कर लिया गया और फिर 26 जुलाई को दोनों भाइयों को भगनाडीह गांव में खुलेआम एक पेड़ पर टांगकर फांसी की सजा दे दी गई। इस तरह सिद्धू, कान्हू, चांद और भैरव, ये चारों भाई सदा के लिए भारतीय इतिहास में अपना अमिट स्थान बना गए। इस मौके पर विकाश सरकार, गोल्डन तिवारी, विक्रम कुमार, प्राण बाऊरी, जयराम कुमार, बीरु सिंह, मनोज पाण्डेय, शेख संटू, किशोर कुमार, चंदन सिंह, शेख मोबिन, जितन नापीत, ओम पाण्डेय, मुकेश महतो, अनीश कुमार, प्रमोद महतो, पंकज रवानी, प्रशांत भुइंया इत्यादी शामील थे ।

## सिदो-कान्हू के योगदान को हम कभी भुला नहीं सकते हैंः मगन

**रजरप्पा** भुचुँगडीह स्थित जाहेरथान-आँगनबाड़ी केंद्र में हुल क्रांति दिवस मनाई गईं. कार्यक्रम की शुरुआत वीर शहीद सिदो-कान्हू, चांद-भैरव एवं फूलों झानों की चित्र पर फूल माला चढ़ाकर श्रद्धांजलि दी। उनके बताए रास्ते पर चलने का संकल्प लिया। इस दौरान आतु मांझी हडाम के मगन मरांडी ने कहा कि सिदो-कान्हू के योगदान को हम कभी भुला नहीं सकते हैं। उनके संघर्ष की गाथा को जिस दिन हम भुला देंगे, झारखंड का विकास नहीं हो पाएगा। अपनी जमीन, संस्कृति और देश को अंग्रेजी हुकूमत के अत्याचार से बचाने के लिए संथाल के महानायक सिदो-कान्हू के नेतृत्व में विद्रोह का आगाज हुआ था। झारखंडी समुदाय विद्रोह के लिए ही जाना जाता है। 1855 से ही हम आदिवासी अपने हक के लिए कंधे से कंधा मिलाकर लड़ते आ रहे हैं। मौके पर ग्राम प्रधान कृष्ण राम किस्कू, मनसु किस्कू, शिवलाल हांसदा, महेश किस्कू, रोहित टूडू, किशुन किस्कू, महाबीर किस्कू, विशुन किस्कू, दहाराम टूडू, नीता किस्कू, विराजी किस्कू,, मालती किस्कू, सुनीता टूडू, सुरजमुनी टूडू, लखीमुनी किस्कू आदि महिला पुरुष मौजूद थे.

सूचना - चान्हो : मुहर्रम की तैयारी को लेकर आगामी 6 जुलाई को सोनचिपी में एक आवश्यक बैठक रखी गई है।बैठक में सभी 84 मौजा के मोजावर और अखाड़ाधारियों से उपस्थित रहने की अपील की गई है।यह जानकारी सरफुल हक ने दी है।

हूल दिवस के अवसर पर क्रांति स्थल, पंचकठिया, बरहेट, साहिबगंज में पारंपरिक विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर अमर वीर शहीद सिदो -कान्हू को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन।

## 400 गांव के लोग इकत्रित होकर चार भाई सिदो कान्हो चांद भैरव ने ब्रिटिश साम्राज्य को ब्रिटिश हुममत को दात खट्टे कर दिया था

आज हमारे मानव समाज के ऐतिहासिक दिन है 30 जुन1855 को करीब 400 गाव के लोग इकत्रित्र होकर चार भाई सिदो कान्हो चांद भैरव ने शक्तिशाली ब्रिटिश साम्राज्य के खिलाफ तीर कमान टांगी तलवार मांदर ढोल नगाडा के साथ हुल का शंखनाद कर ब्रिटिश हुममत को दात खट्टे कर दिया गया था उक्त सभा में अविभाजित बिहार के भागलपुर बीरभूम मानभूम हजारीबाघ इत्यादि स्थानो से हजारों संख्या मे संथालो शिरकत की उक्त बातें झामुमो वरीय नेता देबू महतो ने बताया कि उस समय इतनी बडी सभा करना काफी मुश्किल कार्य था मौजूदा संथाल परगना का क्षेत्र बंगाल प्रेसिडेसी के अधीन पहाडियाँ एंव जंगल से घिरा हुआ था यहा के निवासीयो की खेती-बाडी कर जीविका यापन थे तथा यहा के लोगों ने कभी किसी जमींदार को राजस्व नही दिया करते थे क्षेत्र के लोगो पर ईस्ट इंडिया कंम्पनी की निगाह लगी हुई थी उनलोगो से लगान वसूली एवं राजस्व बढाने की योजनाएं बनाकर जमींदार फौज तैयार की और पहाडियाँ, संथाल तथा नागरिको से लगान वसूली करने लगा इससे लोगो मे असंतोष की भावना मजबूत होती गई चारो भाईयो ने क्षेत्र में लोगो की असंतोष और आक्रोश को आन्दोलन में बदलने में सफल रहे आंदोलन की तीखा आक्रमन देख अंग्रेज सरकार ने चारो भाईयो को गिरफ्तारी के लिए आम जनता की सहयोग के लिए पुरस्कार की भी घोषणा की गई थी बहराइच मेंअंग्रेजो ओर आन्दोलनकारी लडाई में चांद भैरव शहीद हो गए श्री महतो ने बताया बाद में सिदो कान्हो ने आन्दोलन को अपने हाथो मे जल जंगल जमीन की आंदोलन कई सालो तक लगातार चलाता रहा जिस दरोगा ने इनकी गिरफ्तारी की आदेश दिये थे उन्हें आन्दोलन कर रहे संथालो ने गोपनीय ढंग से पकड़ कर हत्या कर दी यह खबर जंगल में आग की तरह फैला भय इतना कि अंग्रेज़ सरकार के कोई अधिकारी या पुलिसकर्मी या क्षेत्र में आना जाना नहीं करते तथा अंततः सिदो कान्हू को क्रुर अंग्रेज सरकार ने 26 जुलाई को भोगनाडिह गावं में खुले आम एक पेड में टांग कर फांसी दे दी गई इस तरह चारो भाईयो ने भारतीय इतिहास में अपना अमिट स्थान बना गए इतने बडी स्वत्रंत्रा संग्राम को भारतीय इतिहास में पर्याप्त स्थान न मिलना चिंताजनक बिषय है।

## पार्टी एवं आम लोगों से अपील की अधिक से अधिक सहयोग करें

**तिसरा**। जिंदगी और मौत से जूझ रहे तिसरा क्षेत्र के पत्रकार दीपक कुमार दुबे से मिलने शनिवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष एवं केंद्रीय सदस्य मुकेश सिंह , संजय सिंह निर्मल रजवार, मुखिया प्रतिनिधि, मनोज सिंह अपने समथको के साथ उनके आवास पहुंचे एवं अपने स्तर से आर्थिक सहायता की। मुकेश सिंह नाम कहां के इस मामले को लेकर सोमवार को धनबाद उपायुक्त से बात करेंगे मुख्यमंत्री तक मामला को ले जाएंगे। उन्होंने पार्टी एवं आम लोगों से अपील की अधिक से अधिक सहयोग करें ताकि उनका जान बचाई जा सके। नेताओं ने कहा कि इस विकट परिस्थिति में सभी लोगों को मिलकर प्रयास करना होगा यदि सभी लोग मिलकर प्रयास करेंगे तो असंभव काम नहीं है। बताते हैं कि चांद कुइया कल लोनी के रहने वाले पत्रकार विगत तीन वर्षों बीमारी से ग्रसित हाल हि मैं हैदराबाद अस्पताल गए थे तो वह डॉक्टर ने लीवर बदलने की बात कही गए जिसमें लगभग 40 लाग रुपया खर्च बताया गया पत्रकार की आर्थिक स्थिति सही नहीं है जिससे कि वे अपना इलाज करा सकते इसलिए समाज के हर वर्ग के लोग , समाजसेवी बुद्धिजीवी, से अपील की गया कि उनकी मदद की जाए ताकि उनकी जान बचाया जा सके। उनके साथ समीर रवानी, सुनील सिंह, चंदन सिंह, संजू सिंह, भाजपा के दशरथ महतो अशोक महतो, गुप्तेश्वर साव झारखंड निषाद विकास समिति के रितेश निषाद, किशन निषाद भी आए।

## अपने आसपास सफाई अभियान चलाना चाहिए, ताकि हम अपने आप को स्वच्छ और स्वस्थ रख सकेंः आशीष झा

**रजरप्पा** स्वच्छता पखवाड़ा के तहत समाज में जागरूकता फैलाने हेतु एक सफाई अभियान का आयोजन सीसीएल रजरप्पा द्वारा पोस्ट ऑफिस, रजरप्पा प्रोजेक्ट परिसर में किया गया. इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से क्षेत्र के मीडिया बंधुओं का श्रमदान रहा. यहां लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। मौके पर सीसीएल रजरप्पा नोडल पदाधिकारी सीएसआर के आशीष झा ने लोगों को बताया कि अपने आसपास सफाई अभियान चलाना चाहिए, ताकि हम अपने आप को स्वच्छ और स्वस्थ रख सकें। उन्होंने लोगों से आह्वान किया है कि वे सफाई के महत्व को समझें और उसे अपने जीवन में एक आदत की तरह अपनाएं। मौके पर पत्रकार नंदकिशोर अग्रवाल, सुरेंद्र कुमार, मनोहर लहेरी, तारकेश्वर महतो, शिबु तिवारी, प्रिंस वर्मा, कृष्णा करमाली, मनोज कुमार, शंकर पोद्दार, विजय चंद्रा सहित विकास कुमार, महावीर साव आदि शामिल थे.

## हुल दिवस के उपलक्ष में सिद्धू कानू सेवादल महापुरुषों की यादों में महा बाइक रैली का आयोजन

आज दिनांक 30/6/2024 दिन रविवार को हुल दिवस के उपलक्ष में सिद्धू कानू सेवादल Rmk4 अकानाघुटू के सदस्य एवं आसपास के गांव के आदिवासी युवाओं के द्वारा महापुरुषों की यादों में 30 जून को महा बाइक रैली का आयोजन किया गया था बाइक रैली का प्रारंभ Rmk4 दुर्गा मंदिर सिंदरी से हुआ रैली सिद्धू कानू खेल मैदान RMK4 सिंदरी, बिरसा समिति सिंदरी मार्केट से होते हुए जाहेर थान एल टाइप सिंदरी होकर पुनः जय हिंद मोढ़ होते हुए Rmk4 दुर्गा मंदिर सिंदरी मैं पहुंच कर रैली की समाप्ति हुई इस रैली में निम्न लोग उपस्थित हुए- नुनु लाल टुडू ,लोगेन हेंब्रम, रॉबिन सोरेन, सोमलाल हेंब्रम ,महावीर ,सोहन ,गणेश, दीपक हेंब्रम ,धनंजय हेंब्रम ,राजेंद्र टुडू गोपाल हंसदा, संजय ,शशि ,विशाल मुर्मू ऋतिक हेंब्रम, सुनील बेसरा, दीपक ,रविंद्र टुडू ,शंकर मुर्मू ,अग्नू टुडू, नरेश सोरेन, राहुल, अंशु, दीपू, रोहन , रोहित, पीयूष, विनीत, तथा सैकड़ो लोग शामिल थे|

## आज लोक सेवा समिति द्वारा समिति में आयोजित बैठक में नशा को रोकने के लिए लिया शपथ

आज लोक सेवा समिति द्वारा समिति में आयोजित बैठक में में नशा मुक्त समाज के निर्माण पर परिचर्चा हुयी जिसकी अध्यक्षता मोहम्मद नौशाद ने किया और कहा कि बिहार, गुजरात आदि राज्यों की तरह झारखंड में भी सभी तरह की नशा को पूर्ण बंदी करे और प्रशासन समाज सेवी के सहयोग से नशा रोकने की पर बल दिया और समिति हमेशा इसके लिए प्रयासरत है कि राज्य में नशा, शराब पूर्ण प्रतिबंद हो. प्रो. खालिक अहमद ने नशा मुक्ति हमेशा परिवार, समाज, राज्यों एवं देश को धीरे धीरे खोखला बना देता है नई पीढ़ी को बचाने के लिए परिवार और समाज के प्रबुद्ध व्यक्ति पर जिम्मेदारी हो गई है... ! डॉक्टर माधुरी नाथ ने अपने विचार प्रकट करते हुए कहा कि जब तक नशीली चीजों का उत्पादन बंद नहीं होंगे और स्कुल कॉलेज के आसपास के सभी को यथा शीघ्र बंद कराए ! हर थाना क्षेत्र के थाना को ज़िम्मेदार तय करना होंगे.... पंकज कुमार ने कहा कि सरकारी स्तर पर ईमानदारी से नशा मुक्त राज्य बनाने के लिए पूरी तरह नशा को प्रतिबंध करना चाहिए एक तरफ रेवन्यू के लिए अधिकृत करना और दूसरी तरफ नशा मुक्त समाज बनाने का सपना सम्भव नहीं हो सकता ! परिचर्चा में मोहम्मद मकसूद आलम, नुसरत, सना, वकील अहमद मोहम्मद मीर, Mosarrat, डॉक्टर लालन कुमार, आदि ने विचार रखे. आज एक संकल्प भी लिया गया की नशा मुक्त के लिए समाज को जागरूक और शिक्षित करेंगे.

## पर्यावरण संरक्षण के लिए एक-एक पेड़ जरुरीः -कमलेश राम

रांचीः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर संपूर्ण देश में चल रहे एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत रविवार को ठाकुरगाँव के खिजुर टोला बूथ नंबर 131 में भाजपा नेता कमलेश राम के नेतृत्व में पौधारोपण किया गया। वहीं पौधे के बड़े होने तक संरक्षण की व्यवस्था की गई। पौधरोपण हूल क्रांति के महानायकों सिदो-कान्हू, चांद-भैरव व फुल- झानो को समर्पित किया गया।कमलेश राम ने कहा कि पर्यावरण के संरक्षण और संवर्धन के लिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने क्षेत्र में अधिक से अधिक पेड़ लगानी चाहिए. धरती पर पेड़ पौधे होंगे तो हर साल बढ़ते तापमान, पर्यावरण प्रदूषण, ओजोन परत जैसे गंभीर मुद्दे का आसानी से हल हो सकेगा।उन्होंने कहा कि मां प्रकृति निःस्वार्थ प्रेम का प्रतीक हैं, इसलिए प्रकृति मां के प्रति हमारी भी जिम्मेदारी बनती है।आधुनिक विकास जरूरी है, लेकिन हरियाली को नुकसान न पहुंचे यह आवश्यक है।हम सभी मिलकर फलदार, छायादार और ऐसे औषधीय पौधे लगाएं जिसका लाभ आने वाली पीढ़ियों को मिले।

# बढ़ती उमस कर न दे पस्त

**मौसम अपने साथ उमस भरा माहौल भी लेकर आता है। घुटन और नमी से भरा यह मौसम कई बार असहनीय ही नहीं, हमारे स्वास्थ्य और खासकर त्वचा के लिए खतरनाक साबित होता है। उमस को अपनी सेहत पर हावी होने से कैसे रोके**

वातावरण में मौजूद नमी का असर शरीर से निकलने वाले पसीने पर आसानी से देखा जा सकता है। पसीने के बारे में विशेषज्ञों का मानना है कि यह प्राकृतिक तौर पर शरीर की रक्षा करने का काम करता है। शरीर को नुकसान पहुंचाने वाले अतिरिक्त अल्कोहल, कोलेस्ट्रॉल और नमक को शरीर से बाहर निकालकर यह शरीर में संतुलन बनाए रखता है और विभिन्न संक्रामक रोगों से हमें बचाता है। गर्मी के मौसम में पसीना भाप बनकर उड़ जाता है और शरीर को ठंडा रखता है। लेकिन उमस वाले मौसम में यह पसीना सूख नहीं पाता है और शरीर को चिपचिपाहट से भर देता है।

## उमस का असर

उमस वाले मौसम में वातावरण में बीमारियां फैलाने वाले बैक्टीरिया, वायरस और फंगस सक्रिय हो जाते हैं, जिनसे किसी भी उम्र का व्यक्ति शिकार हो सकता है। इस मौसम में त्वचा संबंधी रोग ज्यादा पनपते हैं। वातावरण की नमी हमारी त्वचा के पोर बंद कर देती है, जिससे त्वचा सांस नहीं ले पाती। त्वचा के भीतर समुचित मात्रा में ऑक्सीजन नहीं पहुंच पाता और त्वचा बेजान-सी हो जाती है। अगर साफ-सफाई का ध्यान नहीं रखा जाए तो त्वचा फंगल इंफेक्शन, रैशेज, मुंहासे और फोड़े-फुंसियों की चपेट में आ जाती है। शरीर के ऐसे हिस्से जहां पसीने ज्यादा आते हैं, वहां रैशेज पड़ जाते हैं और खुजली होने लगती है। चेहरे पर मवाद से भरे मुंहासे उभर आते हैं, जिनसे कई बार चेहरे पर निशान भी पड़ जाते है। तापमान में नमी का असर हमारे बालों पर भी पड़ता है। नियमित सफाई के अभाव में बाल चिपचिपे और बेजान हो जाते हैं। डैंड्रफ हो जाते हैं, जिससे बाल ज्यादा गिरने लगते हैं।

इसके अलावा कम पानी पीने और खानपान की गलत आदतों से आप डीहाइड्रेशन की शिकार भी हो सकती हैं। उमस के इस मौसम में पसीना बहुत आता है, जिससे शरीर में पानी की कमी हो जाती है। उमस वाले मौसम में खाना जल्दी खराब हो जाता है और ऐसा खाना खाने से पाचन तंत्र कमजोर हो जाता है। नमी भरे मौसम से नींद आना, मांसपेशियों में ऐंठन, चक्कर, उल्टी और सिर दर्द जैसी समस्याओं का भी सामना करना पड़ सकता है।

## सूती और हल्के कपड़े पहनें

इस मौसम में सिंथेटिक, मोटे और टाइट फिटिंग के कपड़ों के बजाय हल्के रंगों वाले पतले और सूती कपड़े पहनें। टाइट फिटिंग और ज्यादा कसीदाकारी वाले कपड़े पहनने से बचें। ऐसा करने से आपको गर्मी और उमस से परेशानी भी कम होगी और ज्यादा पसीना आने के बावजूद आपको कम परेशानी होगी।

## खान-पान का रखें ध्यान

खानपान के मामले में एहतियात बरत कर ही आप उमस भरे वातावरण में सेहतमंद रह सकती हैं।

डीहाइड्रेशन से बचने के लिए भरपूर मात्रा में पानी पिएं और उबला पानी पीने की कोशिश करें। पानी में एक चम्मच शहद मिलाकर पीने से विषाक्त पदार्थ आसानी से शरीर से बाहर निकल जाएंगे। मूली के रस में काली मिर्च पाउडर और एक चुटकी सेंधा नमक मिलाकर पीना भी इस मौसम में फायदेमंद है। खाने के मामले में सतर्कता बरतें। घर का बना और कम चिकनाई वाला खाना ही खाएं। खाने में अदरक, अजवायन का प्रयोग करें। तुलसी और अदरक की चाय पिएं। शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होगी और उमस से लड़ने में शरीर को मदद मिलेगी।

## निजी साफ-सफाई का रखें

नमी भरे वातावरण में होने वाली चिपचिपाहट से बचने के लिए अपनी साफ-सफाई का खास ध्यान रखें। ठंडे पानी से दिन में दो बार नहाएं। साफ-सुथरे कपड़े पहनें। वातावरण में मौजूद बैक्टीरिया, वायरस, फंगस और धूल के कणों पर काबू पाने के लिए एंटीबैक्टीरियल या ग्लिसरीन युक्त साबुन से स्नान करें। बालों में हर दूसरे दिन शैंपू करें ताकि नमी से उन्हें नुकसान न हो। त्वचा को संक्रमण से बचाने के लिए उसे सूखा रखें और एंटी-बैक्टीरियल पाउडर का इस्तेमाल सकती हैं।

# आदत बदलें सेहत सुधारें

कभी-कभी छोटी-छोटी बातें फायदेमंद साबित हो जाती हैं। सेहत के मामले में भी ऐसा ही है। भले ही आप जिम नहीं जा पा रहीं या नियमित रूप से व्यायाम नहीं कर पा रही हैं, पर अपनी आदतों में हल्का-सा बदलाव लाकर भी अपनी सेहत को सुधार सकती हैं। सेहतमंद रहने के लिए सबसे ज्यादा जरूरी क्या है? सही खानपान! हां, लेकिन यह काफी नहीं है। इसके साथ और भी कई चीजें हैं जो स्वस्थ जीवन के लिए जरूरी हैं। खानपान की सही आदतों के साथ उन आदतों पर गौर करना बेहद जरूरी हो जाता है, जिनसे हमारी सेहत जुड़ी हुई है। विभिन्न आहारविदों का मानना है कि हम भले ही स्वास्थ्य के प्रति कितने भी सजग और सचेत हों, लेकिन हम अपनी रोजमर्रा की आदतों में खानपान के साथ-साथ कई ऐसी गलतियां करते हैं जिनका हमारे स्वास्थ्य पर नकारात्मक असर पड़ता है। आइये देखें कि उन्हें कैसे सुधार सकते हैं -

## पिज्जा में सॉस ज्यादा, चीज कम

पिज्जा का मजा तो तभी आता है जब उसमें खूब सारी चीज हो। खाने में लजीज लगने वाला चीज हमारे सेहत के लिए ठीक नहीं है, क्योंकि यह पूरी तरह से सैचुरेटेड फैट होता है। खाने में ज्यादा चीज दिल का दौरा, ओवेरियन डिस्ऑर्डर, कैंसर और डायबिटीज जैसी बीमारियों का कारण बन सकता है। इसलिए जब अगली बार पिज्जा ऑर्डर करें तो उसमें चीज की मात्रा कम और टोमैटो सॉस की मात्रा ज्यादा करने को कहें। टमाटर में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो शरीर में किसी भी तरह के ट्यूमर को विकसित होने से रोकते हैं।

## खाने के साथ जूस हो

-ई लोग खाने के साथ कोल्ड ड्रिंक या एनर्जी ड्रिंक्स लेते हैं। कोल्ड ड्रिंक और एनर्जी ड्रिंक्स सेहत के लिए ठीक नहीं होते। इनमें कार्बोहाइड्रेट की मात्रा काफी ज्यादा होती है। इनका एक और नुकसान यह भी है कि ये खाने के पौष्टिक तत्वों को शरीर द्वारा अवशोषित करने नहीं देते। खाने के पौष्टिक तत्वों का पूरा लाभ उठाने के लिए कोल्ड ड्रिंक की जगह जूस लें। खासकर संतरे का जूस आयरन के अवशोषण को बढ़ा देता है।

## तकिए को जांच लें

सालों साल एक ही तकिया। इन्हें बदलने के बारे में तो हम सोचते भी नहीं। लेकिन क्या आपको पता है कि गलत तकिया गर्दन, कंधों और यहां तक कि पीठ व कमर के दर्द का सबब बन सकता है? इसके अलावा इससे आलस, नींद अधूरी रहने का अहसास, थकान भी हो सकती है। इसलिए एक समय के बाद अपने तकियों को बदल डालें। लेकिन तकिये के बदलने का समय आ गया है यह कैसे पता चलेगा? तकिए को बीच से मोड़ें और फिर उसे छोड़ दें। अगर तकिया खुद दोबारा खुल जाता है तो वह अब भी इस्तेमाल लायक है, पर यदि तकिया खुलता नहीं है, तो उसे बदल डालें।

## कुछ चीजों को बदलना जरूरी है

बीमारी से उठने के बाद हम कुछ चीजें करना भूल जाते हैं। मसलन, दांत साफ करने वाले ब्रश को बदलना। अगर बीमारी सर्दी या बुखार से संबंधित है तो ब्रश बदलना और भी जरूरी हो जाता है क्योंकि बीमारी के दौरान इस्तेमाल किए जाने की वजह से वे संक्रमित हो जाते हैं। ऐसे में यदि आप उन्हीं ब्रश और टंग क्लीनर को स्वस्थ होने के बाद भी इस्तेमाल करेंगी तो बीमार होने का खतरा बना रहेगा। ठीक इसी तरह आंखों के साथ भी होता है। यदि आपको आंखों में इंफेक्शन हो जाए और उस दौरान यदि आपने स्टिक काजल इस्तेमाल किया है तो उसे दोबारा इस्तेमाल न करें। सबसे आखिर में लेकिन सबसे ज्यादा जरूरी बात यह कि घर में जितनी खराब हो चुकी या एक्सपायर हो चुकी दवाएं हैं उन्हें फेंक दें।

## कंधों पर ज्यादा बोझ ठीक नहीं

कंधों पर ज्यादा बोझ सेहत के लिए ठीक नहीं। अमेरिकी शोधकर्ताओं के एक हालिया रिपोर्ट की मानें तो बैग का भार 1.3 किलोग्राम से ज्यादा नहीं होना चाहिए। इससे ज्यादा भारी बैग आपके शारीरिक ढांचे को यानी पोस्चर को बिगाड़ सकता है।

# मधुमेह के रोगियों को नेत्र रोगों का खतरा

मधुमेह से पीड़ित रोगियों के लिए जहां अपने गुर्दों और पैरों की देखभाल बहुत जरूरी होती है, वहीं उन्हें खान-पान संबंधी ढेर सारे परहेज भी करने पड़ते हैं। अब वैज्ञानिकों ने मधुमेह के संबंध में यह तथ्य भी उजागर किया है कि मधुमेह के रोगियों को नेत्र संबंधी रोगों का खतरा भी अपेक्षाकृत अधिक होता है, इसलिए उन्हें अपने गुर्दों के साथ-साथ अपनी आंखों की भी विशेष देखभाल करनी चाहिए।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि मधुमेह से पीड़ित रोगियों में 'डायबिटिक रेटीनोपेथी' नामक बीमारी होने की संभावना बहुत ज्यादा होती है। इस बीमारी में रोगी व्यक्ति को न सिर्फ मोतिया बिंद की शिकायत हो सकती है बल्कि धीरे-धीरे उसकी आंखों की रोशनी भी कम होती जाती है और एक समय ऐसा भी आ सकता है जब उसकी आंखों की रोशनी पूरी तरह से समाप्त हो जाए यानी व्यक्ति नेत्रहीन हो जाए।

मधुमेह के रोगियों को नेत्र संबंधी इस तरह खतरों के मद्देनजर विशेषज्ञ यही सलाह देते हैं कि मधुमेह के रोगियों को समय-समय पर किसी अच्छे नेत्र विशेषज्ञ से अपनी आंखों का चैकअप कराते रहना चाहिए और कभी भी आंखों में किसी भी तरह की समस्या का एहसास हो तो अपने डाक्टर से डिस्कस करके तुरंत उसका इलाज कराना चाहिए।

## कई रोगों की एक दवा हैं

# कढ़ी पत्ता

कढ़ी पत्ते का प्रयोग हर घर की रसोई में किया जाता है । यें हमारे भोजन को स्वादिष्ट बनाने के साथ-साथ हमारी सेहत को भी तंदरूस्त रखने में मदद करता है। कढ़ी पत्ते का प्रयोग करने से पेट संबंधी रोगों से छुटकारा पाया जा सकता है। इसमें कैल्शियम, आयरन, फास्फोरस और विटामिन्स की भरपूर मात्रा पाई जाती है।यें हमारे मोटापे को कम करने में भी मदद करता है।कढ़ी पत्ते में इतने औषधीय गुण पाएं जाते है जो हमारे स्वास्थ्य को निरोग रखने में मदद करते है।

- कढ़ी पत्ते का सेवन करने से कई बीमारियों से भी छुटकारा पाया जा सकते है।मुंह में छाले होने पर और सिरदर्द से भी राहत दिलवाने में मदद करता है।
- कढ़ी पत्ता का सेवन करने से बालों की समस्या से छुटकारा पाया जा सकता है। कढ़ी पत्ते के सेवन से बाल जल्दी सफेद नहीं होते ।
- कढ़ी पत्ता का सेवन करने से पेट संबंधी रोगों से छुटकारा पाया जा सकता है ।भोजन में कढ़ी पत्ते का प्रयोग करने से पाचन क्रिया भी तंदरूस्त रहती है।
- कढ़ी पत्ता मोटोपे से भी निजात दिलवाने में मदद करता है। हर रोज कढ़ी पत्तियों को चबाकर खाने से मोटापा कम हो जाता है।
- कढ़ी पत्ते में नींबू की कुछ बूंदे मिलाकर और उसमें थोड़ी सी चीनी मिलाकर लेने ले उल्टी से राहत मिलती है।
- कढ़ी पत्ते का सेवन करना डायबीटिज के रोगियों के लिए भी फायदेमंद होता है।
- कढ़ी पत्ते का सेवन करना किडनी के रोगियों के लिए भी फायदेमंद होता है ।
- कढ़ी पत्ते का सेवन करना आंखों की रोशनी के लिए लाभकारी होता है।

# मुस्कान बन जाएगी आपकी पहचान

आपकी खूबसूरती को बयां करने मे आपके मोती जैसे दांतों की अहम भूमिका होती है। जितनी सुंदर आप हैं, यदि उतनी ही अच्छी आपकी मुस्कान है तो लोगों से रूबरू होने का आपका अंदाज ही निराला होगा। आजकल दांतों की सुंदरता को बरकरार रखना पहले के मुकाबले कहीं ज्यादा आसान हो गया है। कैसे अपने दांतों की खूबसूरती बढ़ाकर खूबसूरत मुस्कान पाएं।

स्पिलिंट से दे सही आकार - अगर आपके दांत टेढ़े-मेढ़े हैं तो आपकी मुस्कराहट प्रभावशाली नहीं हो सकती। दांतों को सही शेप देने के लिए पहले के दौर में वायरिंग की मदद ली जाती थी। आजकल वायरिंग की जगह ले ली है, अदृश्य रहने वाली स्पिलिंट्स ने। ये प्लास्टिक के वायर ही होते हैं, जो आपके दांतों पर लगाये जाते हैं ताकि आपके दांतों को सही आकार मिले। ये पारदर्शी होते हैं इसलिए अदृश्य रहते हैं और इलाज के दौरान भी आपकी मुस्कराहट उतनी ही मोहक बनी रहती है।

वाइटनिंग कराने से नहीं कोई नुकसान - कोल्ड ड्रिंक, स्मोकिंग, जंक फूड, ड्रिंकिंग ये सब ऐसी आदतें हैं जो आपके दांतों पर पायी जाने वाली सफेद परत को नुकसान पहुंचाकर उसे खराब करती हैं और हमेशा के लिये आपके दांतों की खूबसूरती छीन लेती है। अक्सर हम इस डर से अपने दांतों के पीलेपन का इलाज नहीं कराते क्योंकि हमें लगता है कि इससे हमारे दांतों को नुकसान होगा। लेकिन इस बारे मे मौलाना आजाद इंस्टिटयूट ऑफ डेंटल साइंस के डॉक्टर हिमांशु कहते हैं, 'दांतों की सफाई कराने में कोई नुकसान नहीं है। कम से कम 6 महीने में एक बार तो डेंटिस्ट से चेकअप कराकर सफाई करवानी चाहिए, क्योंकि यह पद्धति पूरी तरह से सुरक्षित होती है। बाजार में मिलने वाले वाइटनिंग टूथपेस्ट से बचना चाहिए क्योंकि उनमें कई हानिकारक केमिकल होते हैं जो आपके दांतों को नुकसान भी पहुंचा सकते हैं। उन्हें प्रयोग में लाने से पहले एक बार डॉक्टर से सलाह जरूर लें।'

फिर से आया दांतों पर गहने जड़ने का फैशन

हजारों साल पहले माया सभ्यता के लोग अपने दांतों पर रत्न इत्यादि जड़वाते थे ताकि आपने दांतों को सुंदर दिखा सकें। आजकल युवाओं में ये फैशन फिर से छाया हुआ है, वजह इसकी प्रक्रिया बहुत आसान है और इसकी देखभाल भी। बस डॉक्टर्स द्वारा दांतों में भरे जाने वाले कम्पोजिट सेरेमिक से किसी भी तरह की ज्वेलरी आपके दांतों पर लगा दी जाती है और आपको बस रोजाना की तरह अपने दांतों की सफाई ही करनी होती है। तो अब आपके दांत भी आपके स्टाइल का स्पेशल हिस्सा हो सकते हैं।

इम्प्लांटेशन और सेरेमिक भी दें खूबसरती

पहले के जमाने में सोना और चांदी को लोग अपने दांतों में भरवाया करते थे, लेकिन तब वह दांतों के बीच अलग-सा दिखाई देता था। आजकल डेंटिस्ट सफेद सेरेमिक बेस के कम्पोजिट्स को दांतों के बीच की दूरी को पाटने के लिये प्रयोग करते हैं, इससे वह हिस्सा आपके दांतों में अलग से नहीं दिखाई देता और आपकी मुस्कराहट पूरी एक साथ और एक जैसी चमक बिखेरती है। इसके अलावा आजकल एक-एक दांत भी अलग से लगवाया जा सकता है और दांतों का पूरा सेट भी इंप्लांट कराया जा सकता है यानी कारण कोई भी हो आपके दांतों की खूबसूरती कभी कम नहीं होगी।

## 12 वर्ष की दिव्यांग के साथ गैंगरेप की घटना पर माननीय कार्यपालक अध्यक्ष, झालसा, श्री सुजित नारायण प्रसाद ने लिया संज्ञान

**रांची** : *22.06.2024 की अखबार में छपी खबर 12 वर्ष की दिव्यांग के साथ गैंगरेप की घटना के मामले पर माननीय झारखण्ड उच्च न्यायालय के न्यायाधीश-सह-कार्यपालक अध्यक्ष, झालसा श्री सुजित नारायण प्रसाद ने संज्ञान लिया था तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रांची को यह आदेश दिया हैं कि वह तत्काल पीड़ित तथा पीड़ित के परिवार से मिलकर आवश्यक सहायता प्रदान करें। इस निर्देश के आलोक में माननीय न्यायायुक्त-सह-अध्यक्ष डालसा, रांची, श्री दिवाकर पांडे ने डालसा सचिव को अविलम्ब एक टीम गठित कर पीड़ित तथा पीड़िता के परिवार को विधिक सहायता प्रदान करने का आदेश दिया। इस आदेश के आलोक में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रांची श्री कमलेश बेहरा ने एक टीम गठित किया, जिसमें पीएलवी अनिता देवी और सम्पा दास को नियुक्त किया गया है। श्री कमलेश बेहरा, सचिव डालसा, पीएलवी अनिता देवी व सम्पा दास ने पीड़ित के परिवार से रिम्स में मुलाकात किया और डालसा द्वारा दी जानेवाली निःशुल्क विधिक सहायता के बारे में जानकारी दी। जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के द्वारा पीड़िता के परिवार को मुकदमा हेतु सहायता दी जायेगी एवं पीड़िता को विधिक सहायता के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रांची की ओर से प्रो-बोनो अधिवक्ता सुश्री ममता श्रीवास्तव को नियुक्त किया गया है। साथ ही पीड़िता का समुचित ईलाज, रांची रिम्स अस्पताल से कराया जा रहा है। डालसा, रांची की ओर से झारखंड पीड़ित प्रतिकर स्कीम के तहत पीड़िता के लिए मुआवजा की प्रक्रिया आगे बढ़ा दी गयी है। माननीय कार्यपालक अध्यक्ष, झालसा के निर्देशानुसार डालसा सचिव स्वयं पीड़िता एवं उसकी मां से मिलकर अंतरिम मुआवजा के रूप में 20 हजार रूपये का चेक पीड़िता के मां को प्रदान किया। इसके अलावा सरकार की कल्याणकारी योजना के तहत पीड़िता की मां को विधवा पेंशन की प्रक्रिया को भी आगे बढ़ा दिया गया तथा उन्हें आगे और भी सरकारी योजनाओं से डालसा के सहयोग से जोड़ा जायेगा। ज्ञात हो कि कुछ असमाजिक तत्वों के द्वारा कुछ दिन पहले 12 वर्ष नाबालिग के साथ दुश्कर्म की घटना को अंजाम दिया गया था। यह ओरमांझी थाना क्षेत्र केंदुआ टोली की है।*

## 56,569 लाभुकों के बीच परिसंपत्ति वितरित

**रांची** : *माननीय झारखण्ड उच्च न्यायालय के न्यायामूर्ति-सह-कार्यपालक अध्यक्ष, झालसा, श्री सुजित नारायण प्रसाद के दिशा-निर्देश तथा माननीय न्यायायुक्त-सह-अध्यक्ष डालसा, रांची के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रांची द्वारा आज दिनांक 30.06.2024 को कानूनी सेवा-सह-सशक्तिकरण शिविर का आयोजन रांची जिला के सभी 18 ब्लॉकों में सम्पन्न हुआ जिसमें विभिन्न विभागों जैसे - श्रम विभाग, ग्रामीण विकास विभाग, शिक्षा विभाग, समाज कल्याण विभाग, कल्याण विभाग, स्वास्थ्य विभाग, कौशल विकास विभाग, सामाजिक सुरक्षा विभाग, मनरेगा एवं अन्य सरकारी विभागों की लाभकारी योजनाओं की सहायता परिसंपत्ति के रूप में लाभुकों में वितरित की गयी तथा सरकार के विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी दी गयी। ज्ञात हो कि अनगड़ा, बेड़ो, बुण्डू, बुड़मू, ईटकी, कांके, खेलारी, मांडर, नगड़ी, नामकूम, ओरमांझी, राहे, रातू, सोनाहातू एवं तमाड़ ब्लॉक में कानूनी सेवा-सह-सशक्तिकरण शिविर का आयोजन किया गया और लाभूकों के बीच परिसंपत्ति का वितरण किया गया। अनगड़ा ब्लॉक में जिला स्तरीय विधिक सेवा-सह-सशक्तिकरण शिविर का आयोजन किया गया। जिसक मुख्य अतिथि मो. आशिफ ईकबाल, अपर न्यायायुक्त-4-सह-विशेष न्यायाधीश पोक्सो थे। उन्होंने कहा कि झारखंड पीड़ित प्रतिकर स्कीम के संबंध में विस्तृत जानकारी दिये एवं पीड़ित पुनर्वास हेतु विधिक सेवा प्राधिकार, रांची का कार्य के विषय में बताया। डालसा सचिव श्री कमलेश बेहरा ने जागरूकता कैंप का मुआयना किया एवं उपस्थित लोगों को जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रांची से मिलनेवाली सुविधाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि समय-समय पर शिविर लगाकर जरूरतमंद लाभूकों को योजनाओं का लाभ दिलाया जाता है। माण्डर ब्लॉक में न्यायिक दंडाधिकारी, रूपम स्मृति टोप्पो ने जागरूकता कैंप का मुआयना किया तथा लाभुकों के बीच परिसंपत्ति का वितरण किया। डालसा सचिव ने यह भी कहा कि डालसा, रांची के द्वारा लाभुकों का चयन करके परिसंपत्तियों का वितरण जिला प्रशासन के सहयोग से किया जा रहा है तथा अनच्छेद -39-ए के तहत दिये गये अधिकारों को लागू करने का प्रयास डालसा, रांची कर रही है।*

*उक्त सशक्तिकरण शिविर में झालसा की योजना जैसे मानवता, कत्तर्व्य, श्रमेव वन्दते, तृप्ति, चेतना, निरोगी भवः, आत्मनिर्भरता एवं शक्ति आदि योजनाओं पर लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से सशक्तिकरण शिविर का आयोजन किया गया जिसमें जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के द्वारा तैयारी जोर-शोर से की गयी थी। कार्यक्रम की विशेषता यह रही कि एक ही दिन रांची जिला के सभी ब्लॉक में कार्यक्रम आयोजित किया गया। डालसा के पीएलवी के द्वारा लाभुकों को चिन्हित किया गया था तथा कैंप में 56,569 लाभुकों के बीच 51,78,45,946.00 रूपये का परिसंपत्ति का वितरण किया गया। ये वैसे लाभुक है जो किसी कारणवश सरकारी योजना के लाभ से वंचित थे। शिविर के माध्यम से न सिर्फ उन्हें कानून की जानकारी दी गयी*

## रांची प्रेस क्लब में लगा हेल्थ कैंप

**रांची**। डॉक्टर्स डे के एक दिन पहले आज रविवार को रांची प्रेस क्लब में पत्रकार सदस्यों के लिए एक दिवसीय हेल्थ कैंप का आयोजन किया गया। हेल्थ कैंप में अपोलो क्लिनिक के अलग-अलग विभागों के कुल छह डॉक्टरों ने 58 पत्रकारों के स्वास्थ्य की जांच कर उनको दवा की सलाह दी। हेल्थ कैंप में शामिल होने वाले डॉक्टरों में डॉ. रेशमा सिंह, डॉ. निभा एन. कुमार, डॉ. सोनू कुमार, डॉ. रवि रौशन, डॉ. जावेद, स्किन ब्लीस क्लिनिक की डर्मेटोलॉजिस्ट डॉ. नेहा रानी और डॉयटिशियन विजेता कुमारी शामिल थी। कैंप में शामिल होने वाले पत्रकारों का रजिस्ट्रेशन करने के साथ ही उनका बीपी, शुगर आदि पूरी तरह से निःशुल्क जांच करने के बाद बिमारी के अनुसार अलग-अलग विभाग के डॉक्टरों द्वारा जांच किया जा रहा था और उनकी समस्याओं के अनुरुप दवाओं आदि की सलाह दी जा रही थी। हेल्थ कैंप में पत्रकार सदस्यों के अलावा उनके परिवार के सदस्य भी आकर अपनी बिमारी के अनुरुप संबंधित डॉक्टरों से सलाह ले रहे थे। क्लब के अध्यक्ष सुरेंद्र सोरेन ने सभी डॉक्टरों व अपोलो क्लिनिक की टीम का स्वागत करते हुए कहा कि आने वाले समय में रांची प्रेस क्लब के सदस्यों के लिए लगातार ऐसे आयोजन किये जाएंगे, जिससे सदस्यों को स्वास्थ्य संबंधी समस्या से निजात मिल सके। हेल्थ कैंप में सचिव अमरकांत, सह सचिव रतन लाल, कार्यकारिणी सदस्य सह हेल्थ कमेटी हेड सौरभ शुक्ला, आलोक कुमार, संजय सुमन, विजय मिश्रा, चंदन भट्टाचार्य, मोनू कुमार के अलावा वरिष्ठ पत्रकार शफीक अंसारी, प्रमोद झा, ब्रजेश राय, दीपक ओझा, आनंद मोहन, भारत भूषण प्रसाद, रुपम आदि मौजूद थे।

## हुल दिवस के शुभ अवसर पर एक्यूप्रेशर पखवाड़ा का आयोजन

**नामकुम** । एक्यूप्रेशर परिषद झारखंड शाखा टाटीसिलवे रांची के द्वारा हुल दिवस के शुभ अवसर पर एक्यूप्रेशर पखवाड़ा का आयोजन रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ के आवास परिसर में किया गया । उद्घाटन केंद्रीय राज्य रक्षा मंत्री संजय सेठ के द्वारा किया गया । केंद्रीय राज्य रक्षा मंत्री संजय सेठ ने आम जनमानस को एक्यूप्रेशर अपनाने एवं इसके विकास के लिए हर संभव सहयोग करने का आश्वासन दिया । एक्यूप्रेशर परिषद प्रदेश सचिव डॉ मधुसूदन पांडे ने कहा कि एक्यूप्रेशर भारतीय चिकित्सा पद्धति है इससे जटिल से जटिल बीमारियों का इलाज किया जा सकता है यह स्वयं स्वस्थ रहने की कला है हमारे यहां इसका परीक्षण और चिकित्सा की सुविधा उपलब्ध है इसका प्रशिक्षण प्राप्त कर स्वरोजगार उत्पन्न किया जा सकता है इस अवसर पर पांच सूत्री मांग पत्र केंद्रीय राज्य रक्षा मंत्री को दिया गया । इस अवसर पर 50 रोगियों का इलाज किया गया । कमर दर्द घुटने दर्द सर्वाइकल पेट दर्द आंख नाक शुगर बीपी एवं अन्य बीमारियों के रोगी का मुफ्त इलाज किया गया । मौके पर डॉक्टर बलराम महतो डॉक्टर ललिता कुमारी डॉक्टर महेश प्रजापति डॉक्टर जगन्नाथ माली राजेश मिश्रा सोनू ठाकुर अजय महतो राजेश यादव उमेश बड़ाइक व गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहें ।

## योगा शरीर, मन और आत्म को एकीकृत करता है : कृष्णा पहान

**नामकुम** । 10वां अंतराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर प्रखंड टाटी पुर्वी पंचायत सचिवालय ई ई एफ मैदान टाटीसिलवे में टाटी मुखिया कृष्णा पहान के नेतृत्व में योगा कार्यक्रम का आयोजन किया गया । श्री पहान ने बताया इस वर्ष 10वां अंतर्राष्ट्रीय योग "स्वयं और समाज के लिए योग।" योग, एक परिवर्तनकारी अभ्यास है, जो मन और शरीर के सामंजस्य, विचार और क्रिया के बीच संतुलन संयम और पूर्ति की एकता का प्रतिनिधित्व करता है। यह शरीर, मन और आत्म को एकीकृत करता है, स्वास्थ्य और कल्याण के लिए एक समग्र दृष्टिकोण प्रदान करता है जो हमारे व्यस्त जीवन में शांति लाता है। परिवर्तन करने की इसकी शक्ति ही है जिसका हम इस विशेष दिन पर जश्न मनाते हैं। कार्यक्रम में चंदन मिश्रा आरती कुजुर गोविंद महतो जन्मय महतो मनोज महतो विजय महतो गोपाल सिंह सकून नायक सुदामा सिंह राजनाथ महतो मौजूद रहें । वहीं दूसरी ओर एक्यूप्रेसर परिषद झारखंड शाखा टाटीसिलवे में परिषद के सचिव डॉ मधुसूदन पांडेय के नेतृत्व में योग दिवस मनाया गया जिसमें डॉ नरेस महतो डॉ ललिता कुमारी डॉक्टर संदीप कुमार पांडे डॉक्टर दीपक कुमार आश्रिता कुमार महतो फूलमती देवी नकुल विश्वकर्मा सुभाष उरांव प्रोफेसर लखन मिश्रा बंधु मुंडा अमित उरांव भोला माली शशि कुमार संतोष महतो रंजीत महतो एवं कई एक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे योग प्रशिक्षक डॉक्टर नरेश महतो मौजूद रहें । कार्यक्रम का संचालन डॉ ललिता कुमारी व संचालन अखिल पाठक के द्वारा किया गया एवं धन्यवाद ज्ञापन सूरज महतो ने किया ।

## सिद्धु- कांहू के संघर्ष व शहादत के मूल्य 169 वर्षों के बाद भी अधूरे हैं- पुष्कर महतो

**पतरातु**-झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा के तत्वावधान में आज 169 वां हूल दिवस पर कंपनी रूल, पूँजीवाद व उपनिवेशवाद का प्रतिकार करने का संकल्प पतरातु में आयोजित श्रद्धाजंलि सभा में लिया गया.

इस मौके पर संघर्ष मोर्चा के संस्थापक व प्रधान सचिव पुष्कर महतो ने कहा कि ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ सिद्धु- कान्हु द्वारा किये गये संघर्ष व शहादत के मूल्य 169 वर्षों के बाद भी अधूरे हैं. जल, जंगल व जमीन पर कंपनीवाद, पूँजीवाद व उपनिवेशवाद के हमले जोरों पर हैं। अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़ी जातियों के लोगों को कोरे विकास के सपने दिखाकर पलायन व विस्थापित होने के लिए मजबूर किया जा रहा हैं। इसलिए आज हमें एक और हूल करने की जरूरत है। कार्य क्रम में आंदोलनकारी रोजलीन तिर्की, नेमन यादव, मो. सलाउद्दीन अंसारी, महेंद्र उरांव, अनिल असुर , सोनिया देवी सहित अन्य उपस्थित थे।

## हूल दिवस संताल विद्रोह का प्रतीक है: सीपी चौधरी

रामगढ़

आजसू पार्टी के द्वारा जिला कार्यालय रामगढ़ में हूल दिवस मनाया गया। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि गिरिडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी एव विशिष्ट अतिथि जिला परिषद सदस्य धनेश्वर महतो उर्फ़ डीएम उपस्थित हुए। इस अवसर पर आयोजित सभा की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष दिलीप दांगी एव संचालन महेश करमाली ने किया। हूल दिवस के अवसर पर हूल दिवस के नायक वीर शहीद सिद्दो -कान्हो, फूलो झानो, चांद भैरव के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर गिरिडीह सांसद ने कहा कि हूल दिवस संताल विद्रोह का प्रतीक है। झारखंड के वीर शहीद सिद्दो -कान्हो फूलो झानो चांद भैरव ने अपनी अस्मिता, संस्कृति और संप्रभुता को बचाए रखने के लिए अंग्रेजी सरकार से लड़ते-लड़ते प्राण न्यौछावर कर दिए। उनकी बलिदानी का प्रतिफल है कि आज का स्वतंत्र भारत और अलग झारखंड में हम सभी निवास कर रहे हैं। हूल दिवस के अवसर पर हम सभी को उनके सपनों को साकार करने का संकल्प लेना है। इस अवसर पर बीते लोकसभा चुनाव की समीक्षा और आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर रणनीति तय करते हुए पदाधिकारियों को दायित्व दिया गया इस अवसर पर मुख्य रूप से उपस्थित केंद्रीय सचिव अमृत लाल मुंडा, मनोज महतो ,लालबिहारी महतो, युवा नेता पियूष चौधरी, प्रधान सचिव अनुज तिवारी, जिला कोषाध्यक्ष किशुन राम मुंडा, नगर परिषद अध्यक्ष राजेश कुमार महतो, सचिव राजेंद्र महतो, प्रदीप कुशवाहा, ललन सिंह, कलावती देवी,रेखा देवी,लाजवंती देवी,आशा महतो,पिंकी देवी,बिभन सिंह,भुनेश्वर महतो,देवधारी महतो,रोशन महतो,अरविंद महतो,मुहराय महतो,बबलू करमाली,नीतीश निराला,मनोज कुमार,हीरा गोप,संतोष महतो,मोहरलाल महतो,जोगेंद्र मुंडा,तेजपाल महतो,नुनूलाल महतो इत्यादि लोग उपस्थित थे।

## इंजीनियरों ने कागज पर बना दी थी सड़क, 25 साल पुराने अलकतरा घोटाले में रिटायरमेंट के बाद सजा

25 साल पुराने अलकतरा घोटाला मामले में सीबीआई कोर्ट का फैसला आ गया। तत्कालीन जूनियर इंजीनियर विवेकानंद चौधरी, कुमार विजय शंकर, विनोद कुमार मंडल को दोषी पाया गया। इनको 3-3 साल कैद और 50-50 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई गई। जुर्माना नहीं देने पर सभी को 3-3 माह की अतिरिक्त सजा भुगतना होगा **रांचीः** अलकतरा (बिटुमिन) घोटाले के 25 साल पुराने केस में रांची की सीबीआई कोर्ट ने तीन इंजीनियरों को तीन-तीन साल के कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने पाया कि इन इंजीनियरों ने फाइलों पर सड़कों का निर्माण और मरम्मत दिखाकर सरकारी राशि का गबन किया। जिन इंजीनियरों को सजा सुनाई गई है, उनमें जूनियर इंजीनियर विवेकानंद चौधरी, कुमार विजय शंकर (दोनों सेवानिवृत्त) और बिनोद कुमार मंडल शामिल हैं। कोर्ट ने इन पर 50-50 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। ये केस झारखंड राज्य बनने के पहले का है। अलकतरा घोटाले में इंजीनियरों को सजा तत्कालीन बिहार सरकार के अंतर्गत आरईओ (रूरल इंजीनियरिंग ऑर्गनाइजेशन) के रांची वर्क्स डिविजन में वर्ष 1992-93 से लेकर 1997 तक सड़कों की मरम्मत के नाम पर घोटाला सामने आने पर सीबीआई ने छह दिसंबर 1999 को एफआईआर दर्ज कर तफ्तीश शुरू की। जांच पूरी करते हुए सीबीआई ने पांच आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की। **कागजों पर 12 सड़कों की हुई थी रिपेयरिंग** चार्जशीट के मुताबिक, आरोपियों ने 12 सड़कों की मरम्मत का कार्य फाइलों पर दिखाया और उसी के अनुसार बिटुमिन (अलकतरा) की मांग की। बताया गया कि मरम्मत में लगभग 1500 मीट्रिक टन बिटुमिन का इस्तेमाल किया गया, लेकिन स्टॉक रजिस्टर की जांच के बाद इस घोटाले का खुलासा हुआ।

## न्यायालय द्वारा ग्रामीणों को मिला जमानत

**रजरप्पा** रामगढ़ जिला न्यायालय द्वारा भारतमाला परियोजना सड़क निर्माण कार्य में कार्यरत कंपनी ठिकेदार के लोगो द्वारा ग्रामीणों को झुठा मुकदमा कर फसाया गया था पर न्यायालय ने उन्हें जमानत पर रिहा किया गया। गोला और ओरमांझी पथ पर भारतमाला परियोजना द्वारा निर्माण कार्य कर रही पीआरए कंस्ट्रक्शन के संपर्क अधिकारी द्वारा क्षेत्र के ग्रामीणों एवं भूमिदाताओं के साथ अभद्र व्यवहार ग्रामीणों को ठगी पैसे की उगाही कर लोगों को डरा धमकाने का काम किया जा रहा था जिसका विरोध करने पर उसने ग्रामीणों को ही झूठा मुकदमा में फसना का काम किया था वह प्रशासन को गुमराह कर झूठा मुकदमा ग्रामीण पर दर्ज कराया जिसमें उनके द्वारा रामलोचन महतो एवं सुनील राज चक्रवर्ती पर डराने धमकाने मारपीट जैसी झूठी बातों का झुठा मुकदमा किया गया था वास्तविक में संपर्क पदाधिकारी द्वारा क्षेत्र में ग्रामीणों द्वारा अंडर पास सड़क, तालाब, मकान अधिकृत जमीन पर जबरन कम कर लोगों से पैसे दिलाने के नाम पर ग्रामीणों से पैसा ठगी का काम कर रहा था जिसका विरोध सभी ग्रामीणों ने किया था। न्यायालय द्वारा निर्दोष

लोगों को न्याय मिलने एवं जमानत पर रिहा किए जाने से आभार व्यक्त किया. जिसमें अधिवक्ता हेमंत कुमार, लक्ष्मण कुमार महतो, ज्ञानी मुंडा, लखिंदर साव, लालू महतो, सिकंदर महतो, देवा महतो, मनोज महतो, विष्णु कुमार, हेमंत कुमार, नितिश कुमार, राजु महतो, सुनील महतो सहित अन्य कई लोग मौजूद थे।

# उत्तर प्रदेश में आज बड़े पैमाने पर चलेगी 'तबादला एक्सप्रेस', 1 दिन पहले हुए थे छिटपुट आदेश

**शिक्षा, चिकित्सा, लोक निर्माण, पंचायतीराज विभाग, ग्राम्य विकास जैसे कई विभागों में बड़े पैमाने पर अफसरों और कर्मचारियों के तबादले किए जाने हैं। रविवार शाम तब ट्रांसफर आर्डर जारी किए जा सके हैं। एक दिन पहले शनिवार को भी कुछ विभाग में तबादले किए गए थे।**

**लखनऊः** उत्तर प्रदेश के सरकारी विभागों में स्थानांतरण सत्र का रविवार को अंतिम दिन है। शनिवार को छुटपुट तबादले तो हुए, लेकिन ज्यादातर विभागों में रविवार को ही आदेश जारी होंगे। जानकारी के मुताबिक विभागों में इसके लिए बड़े पैमाने पर तैयारी की गई है। निदेशालय से लेकर शासन स्तर तक रविवार को अवकाश के दिन भी तबादलों से जुड़े काम करेंगे। सचिवालय में कार्यरत उन कर्मचारियों को रविवार को आने के आदेश दिए गए हैं, जो कर्मचारी अधिष्ठान से जुड़े काम देखते हैं। वहीं, निदेशालयों में भी कर्मचारियों को बुलाया गया है। जिन विभागों के तबादलों पर निगाहें होंगी, उनमें शिक्षा विभाग, चिकित्सा विभाग, लोक निर्माण विभाग, पंचायतीराज विभाग, ग्राम्य विकास विभाग आदि हैं। इससे पहले शनिवार को पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग और दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग में उप निदेशक स्तर के अफसरों का तबादला किया गया। 10 जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारियों को भी इधर से उधर किया गया है। दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के उप निदेशकों में ऋतुराज सिंह को आगरा मंडल, संतोष कुमार सिंह को मुरादाबाद मंडल, राकेश कुमार को कानपुर मंडल और संगीता सिंह को बरेली मंडल भेजा गया है। पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के उप निदेशक एमपी सिंह को सहारनपुर मंडल, प्रेम प्रकाश को मुरादाबाद मंडल, अजित कुमार को लखनऊ मंडल, ललित किशोर मिश्र को मुख्यालय भेजा गया है। **बड़े स्तर पर जेल अधीक्षक हो चुके हैं इधर से उधर** इसी तरह, कारागार विभाग में बड़े स्तर पर जेल अधीक्षकों को इधर से उधर कर दिया गया है। शनिवार को लखनऊ, मेरठ, गाजीपुर, सहारनपुर और गजीपुर समेत 15 जिलों के जेल अधीक्षकों का तबादला कर दिया गया है। लखनऊ जेल के सीनियर जेल सुप्रिटेंडेंट आशीष तिवारी को हटा दिया गया है। वहीं वरिष्ठ जेल अधीक्षक अमिता दुबे प्रयागराज जेल सुप्रिटेंडेंट बनाई गई है। लखनऊ जेल अधीक्षक आशीष तिवारी को सेंट्रल जेल फतेहगढ़ का वरिष्ठ जेल अधीक्षक बनाया गया है, उनकी जगह आदर्श कारागार लखनऊ के अधीक्षक रहे बृजेन्द्र सिंह को लखनऊ जिला जेल की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं सहारनपुर की वरिष्ठ जेल अधीक्षक रही अमिता दुबे को प्रयागराज जिला जेल अधीक्षक बनाया गया है। फतेहपुर जेल अधीक्षक मो. अकरम को ज्ञानपुर जेल अधीक्षक बनाया गया है। डॉ. विनय कुमार को जौनपुर जेल का अधीक्षक बनाया गया है। डॉ. विनय कुमार मौजूदा समय में बदायूं जेल अधीक्षक के पद पर तैनात थे।

# बिहारः ज्वार और मडुआ ने बनाया महिलाओं को आत्मनिर्भर, कुकीज और खाद्य सामग्री

**बिहार के जमुई में महिलाएं आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन गई हैं। महिलाओं ने बिना किसी सरकारी सहयोग के आपस में मिलकर कुछ ऐसा किया कि आज उनकी जबरदस्त कमाई हो रही है। इन महिलाओं ने अनाज से विभिन्न प्रकार के खाद्य सामग्री को बनाकर बाजारों में बेचने का काम शुरू किया है। जिससे उन्हें अच्छी खासी आमदनी हो रही है।**

**जमुईः** अगर दिल में कुछ कर गुजरने और आगे बढ़ाने की तमन्ना हो तो कोई भी परेशानी या मुसीबत बाधा नहीं बनती है। इसी कहावत को चरितार्थ कर दिखाया है जिले के अलग-अलग प्रखंड के दस महिलाओं ने। बिना किसी संस्था या बिना किसी समूह के सहयोग के। इन लोगों ने आपस में एकजुट होकर श्री अन्न से अलग-अलग प्रकार की खाद्य सामग्री तैयार करके न केवल अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बनाया बल्कि जिले के लिए एक रोल मॉडल भी बन चुकी है।

**रोल मॉडल बनी महिलाएं** यह महिलाएं जिले के सिमुलतला और जमुई नगर क्षेत्र के बोधवन तालाब के समीप अपने संसाधनों से विभिन्न प्रकार की खाद्य सामग्री तैयार करके उसे अलग-अलग प्रदेशों में भेजने का भी काम कर रही हैं। इस व्यवसाय से जुड़ी शिवानी कुमारी, संगम कुमारी, निकिता कुमारी, मंजू कुमारी, कविता देवी, मीनू कुमारी, मोनिका कुमारी, शोभा देवी, अनीता देवी और मीना देवी बताती है कि इस कार्य को शुरू करने के लिए हम लोगों को शुरुआत में बहुत परेशानियां और कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।

**धीरे-धीरे पकड़ी रफ्तार** लेकिन धीरे-धीरे सारी चीजें आसान होती चली गई। शुरुआत में हम लोगों ने रागी,ज्वार और मडुआ से कई प्रकार की खाद्य सामग्री तैयार करके उसे स्थानीय बाजारों में बेचा। इसके बाद इंटरनेट मीडिया के विभिन्न माध्यमों से स्थानीय स्तर के अलावे अलग-अलग क्षेत्र में भी इसका प्रचार प्रसार किया।

# IPC और CRPC! असंभव को संभव करने में माहिर बिहार पुलिस, शिवदीप लांडे ने आखिर क्यों कही ये बात?

**भारतीय दंड संहिता (IPC), दंड प्रक्रिया संहिता (CRPC) और 1872 के भारतीय साक्ष्य अधिनियम एक जुलाई से बदल जाएगा। भारतीय न्याय संहिता (BNS), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (BSA) एक जुलाई से लागू होगा। इसे लेकर बिहार की पुलिस की तैयारियों के बारे में तिरहुत रेंज के आईजी शिवदीप लांडे ने जनकारी दी।**

**सीतामढ़ीः** एक जुलाई से बिहार समेत देश के विभिन्न राज्यों में आईपीएस, सीआरपीसी और एविडेंस एक्ट के नए कानून लागू होंगे। तीनों नए कानूनों को लेकर अधिवक्ता तैयारी शुरू कर दिए हैं। बहुत सारे वकील तीनों एक्ट की सम्मिलित किताब भी खरीद कर उसका अध्ययन शुरू कर दिए हैं। इस बीच, तीनों कानूनों से पुलिस पदाधिकारियों को अवगत कराने के लिए तिरहुत रेंज के आईजी शिवदीप लांडे शनिवार को सीतामढ़ी पहुंचे थे। उन्होंने जिले के सभी थानाध्यक्षों के साथ बैठक कर तीनों कानूनों के बारे में जानकारी दी और उसी के अनुरूप एक जुलाई से प्राथमिकी समेत अन्य कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इस दौरान एसपी मनोज कुमार तिवारी और सदर डीएसपी राम कृष्णा समेत अन्य पुलिस अफसर मौजूद थे। **1 जुलाई को सभी थानों में कार्यक्रम**

पुलिस अफसरों के साथ बैठक के बाद आईजी शिवदीप लांडे ने मीडिया से भी बातचीत की और यहां आने के उद्देश्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नया कानून एक जुलाई की रात्रि 12 बजे से लागू हो जाएगी। कानूनों के बारे में थानाध्यक्षों को जानकारी दी गई है। ताकि इसी के अनुरूप एक जुलाई से प्राथमिकी समेत अन्य कार्रवाई की जा सके। बताया कि उस दिन हर थाने में कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इसमें क्षेत्र के लोगों को बुलाया जाएगा और उन्हें तीनों कानूनों के नए रूप से अवगत करा उन्हें जागरूक किया जाएगा।

**कुछ नए कानून भी जुड़े हैं** पत्रकारों के एक सवाल पर आईजी शिवदीप लांडे ने कहा कि सीआरपीसी, आईपीएस और एविडेंस एक्ट का नया रूप एक जुलाई से दिखाई देगा। कानूनों को लेकर पुलिस अफसरों को तीन बार ट्रेनिंग भी दी गई है। एक जुलाई से नए धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। कुछ पुराने कानून विलोपित किए गए हैं, तो कुछ नए कानून जोड़े भी गए हैं। जिला पुलिस तीनों कानूनों को जानने के लिए कितना तत्पर और तैयार है, के जवाब में आईजी ने कहा कि पुलिस तैयार है। असंभव को संभव करने में हमेशा माहिर है बिहार पुलिस। तीनों नए कानूनों को लेकर पुलिस पूरे दमखम के साथ तैयार है। **हट जाएगा IPC और CRPC** दरअसल, ब्रिटिश काल से देश में लागू तीन आपराधिक कानून एक जुलाई से बदल जाएंगे। नए मुकदमे और प्रक्रिया भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) तहत लागू होंगे। 30 जून की रात 12 बजे के बात नए कानून के तहत मामले दर्ज किए जाएंगे। पहले भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (आईई) के तहत आते थे।

# वॉरेन बफे ने अपनी वसीयत में बदलाव किया:उनकी मौत के बाद बिल गेट्स फाउंडेशन को डोनेशन नहीं मिलेगा, बच्चे ट्रस्ट बनाएंगे

**नई दिल्ली** अमेरिका के दिग्गज निवेशक वॉरेन बफे ने अपनी वसीयत में बदलाव किया है। अब उनकी मौत के बाद बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन को डोनेशन जाना बंद हो जाएगा। इसके बजाय उनकी संपत्ति उनके तीन बच्चों की देखरेख में एक चैरिटेबल ट्रस्ट को दी जाएगी। वॉरेन बफे ने अपनी वसीयत में कई बार बदलाव किया है। इस बार उन्होंने अपने बच्चों के वैल्यु और उनकी विरासत को संभालने की क्षमता पर भरोसा जताया है। बफे ने कहा- मुझे अपने बच्चों और उनके वैल्यु पर पूरा भरोसा है। इससे पहले बफे ने अपनी संपत्ति का 99% से अधिक हिस्सा गेट्स फाउंडेशन और 4 फैमिली चैरिटी इंस्टीट्यूशन को दान करने का इरादा जताया था। फिलहाल, वह अपने जीवनकाल में गेट्स फाउंडेशन को दान देना जारी रखेंगे।

**18 सालों से फाउंडेशन के प्रति हैं वॉरेन बफे**

बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन के CEO मार्क सुजमैन ने कहा,'वॉरेन बफे 18 सालों से फाउंडेशन के प्रति अविश्वसनीय रूप से उदार रहे हैं। उन्होंने बफे की ओर से हाल में किए गए दान और उनके लगभग 43 बिलियन डॉलर (करीब 3 लाख करोड़) के कुल कॉन्ट्रिब्यूशन लिए आभार व्यक्त किया। पिछले साल बफे ने अपनी फैमिली की चैरिटी के लिए लगभग 870 मिलियन डॉलर और 2022 में लगभग 750 मिलियन डॉलर का दान दिया था। इन दान के बाद बफे के पास बर्कशायर हैथवे के 207,963 क्लास ए शेयर और 2,586 क्लास बी शेयर हैं, जिनकी वैल्यु लगभग 128 बिलियन डॉलर है। वॉरेन बफे दुनिया के 10वें सबसे अमीर आदमी हैं। फोर्ब्स रियल टाइम बिलेनियर लिस्ट के अनुसार, उनकी नेटबर्थ 10.70 लाख करोड़ रुपए है। वहीं इस लिस्ट में टेस्ला के CEO इलॉन मस्क 18.45 लाख करोड़ रुपए की नेटवर्थ के साथ टॉप पर हैं।

**65 साल से पुराने घर में रहते हैं वॉरेन बफे**

दुनिया के 10वें सबसे अमीर व्यक्ति होने के बावजूद भी वॉरेन बफे ओमाहा में 65 साल पुराने घर में रहते हैं, जिसे उन्होंने 31,500 डॉलर में खरीदा था।

# *NTPC को बोर्ड ने 12,000 करोड़ जुटाने की दी मंजूरीःबॉन्ड्स और नॉन कन्वर्टिबल डिबेंचर जारी कर यह फंड जुटाएगी कंपनी*

***मुंबई*** *नेशनल थर्मल पावर कॉरपोरेशन यानी NTPC लिमिटेड को कंपनी के बोर्ड ने 12,000 करोड़ रुपए जुटाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। कंपनी यह फंड बॉन्ड्स और नॉन कन्वर्टिबल डिबेंचर (NCDs) जारी कर जुटाएगी। NTPC ने स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में इस बात की जानकारी दी। NTPC ने कहा, 'हम सूचित करना चाहते हैं कि कंपनी के बोर्ड ने शनिवार 29 जून 2024 को अपनी मीटिंग में शेयरधारकों की मंजूरी के अधीन फंड जुटाने के लिए अप्रूवल दे दिया है।*

*कंपनी यह फंड सिक्योर्ड/अनसिक्योर्ड, रिडिमेबल, टैक्सेबल/टैक्स-फ्री, क्युमुलेटिव/नॉन-क्युमुलेटिव और नॉन कन्वर्टिबल डिबेंचर (बॉन्ड्स/NCDs) को जारी कर जुटाएगी।'*

***NTPC के शेयर ने एक साल में दिया 100% रिटर्न*** *शुक्रवार को NTPC का शेयर 0.62% बढ़कर 379.50 पर बंद हुआ। पिछले एक साल में इसने 100.63% रिटर्न दिया है। बीते 6 महीने में शेयर 21.97% चढ़ा है। कंपनी का मार्केट कैप 3.56 लाख करोड़ रुपए है। NTPC भारत की लीडिंग पावर-जनरेटिंग कंपनियों में से एक है। NTPC का चौथी-तिमाही में मुनाफा 6,490 करोड़ रहा NTPC का वित्त वर्ष 2024 की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) में मुनाफा सालाना आधार (YoY) पर 33.22% बढ़कर 6,490.05 करोड़ रहा। एक साल पहले की समान तिमाही में कंपनी का कंसॉलिडेटेड नेट प्रॉफिट 4,871.55 करोड़ रहा था।*

***आय में सालाना आधार पर 7.61% की तेजी आई*** *NTPC के ऑपरेशन से कंसॉलिडेटेड रेवेन्यू यानी आय में सालाना आधार पर 7.61% की तेजी आई। FY24 की चौथी तिमाही में ऑपरेशन से रेवेन्यू 47,622.06 करोड़ रहा। एक साल पहले की समान तिमाही यानी FY23 की चौथी तिमाही में रेवेन्यू 44,253.17 करोड़ रहा था। वित्त वर्ष 2024 में कंपनी का मुनाफा 21,332 करोड़ रहा NTPC का पूरे वित्त वर्ष 2024 में कंसॉलिडेटेड मुनाफा 24.59% बढ़कर 21,332.45 करोड़ हो गया। वित्त वर्ष 2023 में मुनाफा 17,121.35 करोड़ रहा था।* ***वित्त वर्ष 2024 में रेवेन्यू में 1.30% की तेजी*** *NTPC का वित्त वर्ष 2024 में कंसॉलिडेटेड रेवेन्यू बढ़कर 1,78,500.88 करोड़ हो गया। वित्त वर्ष 2023 में रेवेन्यू 1,76,207.18 करोड़ रहा था।*

# चल्ला श्रीनिवासुलु सेट्टी SBI के नए चेयरमैन बनेंगे:FSIB ने सिफारिश की, 28 अगस्त को रिटायर हो रहे वर्तमान चेयरमैन दिनेश खारा

**नई दिल्ली** फाइनेंशियल्स सर्विसेज इंस्टीट्यूशन ब्यूरो (FSIB) ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया यानी SBI के अगले चेयरमैन के रूप में चल्ला श्रीनिवासुलु शेट्टी की सिफारिश की है। केंद्र सरकार के अधीन आने वाले FSIB ने शनिवार को कहा कि मौजूदा मापदंडों और उनके टोटल एक्सपीरियंस को ध्यान में रखते हुए ब्यूरो SBI के चेयरमैन के लिए चल्ला श्रीनिवासुलु शेट्टी की सिफारिश करता है। शेट्टी के पास SBI में 36 साल से ज्यादा का अनुभव है। वह वर्तमान में इंटरनेशनल बैंकिग, ग्लोबल मार्केट और टेक्नोलॉजी विभाग का कार्यभाल संभालते हैं। बैंक के वर्तमान चेयरमैन दिनेश खारा 63 साल के होने के बाद 28 अगस्त को रिटायर हो रहे हैं। 63 साल SBI के चेरयमैन पद के लिए ऊपरी आयु सीमा है। कैबिनेट की नियुक्ति समिति लेती है अंतिम निर्णय FSIB के पास पब्लिस सेक्टर की फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशन में वरिष्ठ अधिकारियों की नियुक्ति की जिम्मेदारी होती है। FSIB की सिफारिश के बाद प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली कैबिनेट की नियुक्ति समिति अंतिम निर्णय लेती है। FSIB के चेयरमैन कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग के पूर्व सचिव भानु प्रताप शर्मा हैं।

**देश का सबसे बड़ा बैंक है SBI**

भारतीय स्टेट बैंक देश का सबसे बड़ा सरकारी बैंक है। SBI में सरकार की 56.92% हिस्सेदारी है। 1 जुलाई 1955 को इसकी स्थापना हुई थी। बैंक का मुख्यालय मुंबई में है। एक चौथाई बाजार हिस्सेदारी के साथ इसकी 22,405 से ज्यादा ब्रांच और 48 करोड़ से ज्यादा कस्टमर हैं। बैंक दुनिया के 29 देशों में काम करता है। भारत के बाहर इसके 235 ब्रांच हैं। बSBI का चौथी तिमाही में मुनाफा 24% बढ़कर 20,698 करोड़:13.70 प्रति शेयर लाभांश देगा बैंक, रिजल्ट के बाद शेयर लाइफटाइम हाई पर पहुंचा स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (SBI) का वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) में मुनाफा सालाना आधार पर 23.98% बढ़कर 20,698 करोड़ रहा। एक साल पहले की समान तिमाही में सरकारी बैंक ने 16,695 करोड़ का नेट मुनाफा दर्ज किया था। चौथी तिमाही में बैंक की इंटरेस्ट इनकम (ब्याज आय) सालाना आधार पर 19.46% बढ़कर 1,11,043 करोड़ रही। पिछले साल की समान तिमाही में यह 92,951 करोड़ रुपए रही थी। वहीं पिछली तिमाही (Q3FY24) में बैंक ने ब्याज से 1,06,734 करोड़ की आमदनी की थी। यानी तिमाही आधार (QoQ) पर कंपनी की नेट इंटरेस्ट इनकम 4.03% बढ़ी है।

# पेट्रोल-डीजल के दामों में आज बदलाव नहींःटाटा कंज्यूमर को 171 करोड़ का टैक्स नोटिस, 3 जुलाई से पहले रिचार्ज कर बचा सकते हैं 600

**नई दिल्ली** कल की बड़ी खबर NTPC से जुड़ी रही। नेशनल थर्मल पावर कॉरपोरेशन यानी NTPC लिमिटेड को कंपनी के बोर्ड ने 12,000 करोड़ रुपए जुटाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। वहीं FMCG फर्म टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (TCPL) को असेसमेंट ईयर 2019-20 के लिए इनकम टैक्स डिपार्टमेंट से 171.83 करोड़ रुपए (ब्याज सहित) का टैक्स डिमांड नोटिस मिला है। 1. NTPC को बोर्ड ने 12,000 करोड़ जुटाने की दी मंजूरीः बॉन्ड्स और नॉन कन्वर्टिबल डिबेंचर जारी कर यह फंड जुटाएगी कंपनी

नेशनल थर्मल पावर कॉरपोरेशन यानी NTPC लिमिटेड को कंपनी के बोर्ड ने 12,000 करोड़ रुपए जुटाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। कंपनी यह फंड बॉन्ड्स और नॉन कन्वर्टिबल डिबेंचर (NCDs) जारी कर जुटाएगी। NTPC ने स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में इस बात की जानकारी दी।

NTPC ने कहा, 'हम सूचित करना चाहते हैं कि कंपनी के बोर्ड ने शनिवार 29 जून 2024 को अपनी मीटिंग में शेयरधारकों की मंजूरी के अधीन फंड जुटाने के लिए अप्रूवल दे दिया है। 2. टाटा कंज्यूमर को 171 करोड़ का टैक्स नोटिस मिलाः इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने की डिमांड, कंपनी का मार्केट कैप 1.05 लाख करोड़ FMCG फर्म टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (TCPL) को असेसमेंट ईयर 2019-20 के लिए इनकम टैक्स डिपार्टमेंट से 171.83 करोड़ रुपए (ब्याज सहित) का टैक्स डिमांड नोटिस मिला है। कंपनी ने स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में इस बात की जानकारी दी है। टाटा कंज्यूमर ने फाइलिंग में कहा, 'इनकम टैक्स डिपार्टमेंट कि टैक्स डिमांड स्वीकार्य नहीं है। कंपनी उक्त आदेश के खिलाफ अपील और सुधार की प्रोसेस में है।'

3. देश में EV से 4 गुना ज्यादा बिक रहीं हाइब्रिड-कारेंः बीते साल हाइब्रिड की सेल्स ग्रोथ 30% रही, ये इलेक्ट्रिक व्हीकल से दोगुना महंगी भारत के ऑटोमोबाइल सेक्टर के ट्रेंड्स में कुछ बड़े बदलाव देखने को मिल रहे हैं। देश में लोग इलेक्ट्रिक व्हीकल (EV) से दोगुनी कीमत होने के बावजूद हाइब्रिड कारों पर भरोसा कर रहे हैं। अप्रैल-जून के बीच हाइब्रिड व्हीकल ने EV की बिक्री को पीछे छोड़ दिया है। वाहन डैशबोर्ड के डेटा के मुताबिक, देश में अप्रैल से 11 जून के बीच 7500 हर महीने के हिसाब से 15,000 ईवी बिकीं, जबकि हाइब्रिड की बिक्री 59,814 रही।

# NTPC को बोर्ड ने 12,000 करोड़ जुटाने की दी मंजूरीःबॉन्ड्स और नॉन कन्वर्टिबल डिबेंचर जारी कर यह फंड जुटाएगी कंपनी

**रिलायंस का मार्केट-कैप एक हफ्ते में 1.52 लाख करोड़ बढ़ा:LIC की वैल्यू 22,043 करोड़ कम हुई, पिछले हफ्ते 1,823 अंक चढ़ा शेयर बाजार**

**मुंबई** मार्केट कैपिटलाइजेशन के लिहाज से देश की टॉप-10 कंपनियों में से 9 का मार्केट कैप बीते हफ्ते कंबाइंड रूप से 2.89 लाख करोड़ रुपए बढ़ा है। इस दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड टॉप गेनर रहा है।

हफ्ते भर में कारोबार के दौरान इसके वैल्यूएशन में 1,52,264.63 करोड़ रुपए (1.52 लाख करोड़) की बढ़ोतरी हुई है। अब कंपनी का मार्केट कैप 21.19 लाख करोड़ रुपए हो गया है। इससे पहले कंपनी का मार्केट कैप 19.67 लाख करोड़ रुपए था। LIC की वैल्यू 22,043 करोड़ गिरकर 6.26 लाख करोड़ हुई

इसके अलावा, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (TCS), ICICI बैंक, भारती एयरटेल, इंफोसिस, HDFC बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (SBI), हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (HUL) और ITC ने भी इस दौरान बाजार में कमाई की है।

वहीं बीमा कंपनी लाइफ इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (LIC) एकमात्र कंपनी रही, जिसका मार्केट वैल्यू कम हुआ है। हफ्ते भर के कारोबार में कंपनी की वैल्यू 22,042.61 करोड़ गिरकर 6.26 करोड़ रह गई है।

**पिछले एक हफ्ते में 1,823 अंक चढ़ा बाजार** 24 जून से शुरू कारोबारी हफ्ते में बाजार ने लगातार 4 दिनों तक ऑल टाइम हाई बनाया। इस दौरान बाजार में 1,823 अंक की बढ़त रही। हालांकि इसके चलते बाजार में थोड़ी मुनाफा वसूली देखी गई। इससे सेंसेक्स और निफ्टी में आखिरी दिन गिरावट आई थी।

**शुक्रवार को सेंसेक्स ने 79,671 का ऑल टाइम हाई बनाया** शेयर बाजार ने 28 जून को लगातार चौथे दिन ऑल टाइम हाई बनाया। शुरुआती कारोबार के दौरान सेंसेक्स ने 79,671 और निफ्टी ने 24,174 का हाई बनाया। हालांकि, बाद में मार्केट में गिरावट देखने को मिली। दिनभर कारोबार करने के बाद सेंसेक्स 210 अंक की गिरावट के साथ 79,032 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी में भी 33 अंक की गिरावट रही, ये 24,010 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 19 में गिरावट और 11 में तेजी रही। मार्केट कैपिटलाइजेशन क्या होता है?

मार्केट कैप किसी भी कंपनी के टोटल आउटस्टैंडिंग शेयरों यानी वे सभी शेयर, जो फिलहाल उसके शेयरहोल्डर्स के पास हैं, की वैल्यू है। इसका कैलकुलेशन कंपनी के जारी शेयरों की टोटल नंबर को स्टॉक की

प्राइस से गुणा करके किया जाता है।

मार्केट कैप का इस्तेमाल कंपनियों के शेयरों को कैटेगराइज करने के लिए किया जाता है, ताकि निवेशकों को उनके रिस्क प्रोफाइल के अनुसार उन्हें चुनने में मदद मिले। जैसे लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप कंपनियां। **मार्केट कैप कैसे काम आता है**? किसी कंपनी के शेयर में मुनाफा मिलेगा या नहीं इसका अनुमान कई फैक्टर्स को देख कर लगाया जाता है। इनमें से एक फैक्टर मार्केट कैप भी होता है। निवेशक मार्केट कैप को देखकर पता लगा सकते हैं कि कंपनी कितनी बड़ी है।

कंपनी का मार्केट कैप जितना ज्यादा होता है, उसे उतनी ही अच्छी कंपनी माना जाता है। डिमांड और सप्लाई के अनुसार स्टॉक की कीमतें बढ़ती और घटती है। इसलिए मार्केट कैप उस कंपनी की पब्लिक पर्सीवड वैल्यू होती है।

**मार्केट कैप कैसे घटता-बढ़ता है**?

मार्केट कैप के फॉर्मूले से साफ है कि कंपनी की जारी शेयरों की कुल संख्या को स्टॉक की कीमत से गुणा करके इसे निकाला जाता है। यानी अगर शेयर का भाव बढ़ेगा तो मार्केट कैप भी बढ़ेगा और शेयर का भाव घटेगा तो मार्केट कैप भी घटेगा।

# आईटीआर भरते हुए भी आप बचा सकते हैं काफी टैक्स, यहां जानिए पूरी डिटेल

इनकम टैक्स रिटर्न यानी आईटीआर (ITR) भरने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। एसेसमेंट ईयर 2024-25 के लिए आईटीआर भरने की डेडलाइन 31 जुलाई है। यानी आपके पास आईटीआर भरने के लिए अभी एक महीने का समय बाकी है। आईटीआर भरते समय भी आपके पास टैक्स बचाने का विकल्प रहता है। यहां हम आपको बता रहा है कि आप कैसे आईटीआर भरते हुए टैक्स बचा सकते हैं।

इनकम टैक्स रिटर्न भरने की डेडलाइन 31 जुलाई है। यहां हम आपको बता रहे हैं कि आईटीआर (ITR) भरते हुए आप कैसे टैक्स बचा सकते हैं। कई बार आप अपने खर्च और टैक्स सेविंग इन्वेस्टमेंट्स के बारे में अपने एम्प्लॉयर को बताना भूल जाते हैं। पीपीएफ या ईएलएसएस म्यूचुअल फंड स्कीम में निवेश हो सकता है। संभव है कि आप किराए के मकान पर रह रहे हैं लेकिन आपने एचआरए के क्लेम के लिए एम्प्लॉयर को जरूरी दस्तावेज न दिए हों। इस तरह के मामलों में एम्प्लॉयर ने आपकी सैलरी से टैक्स काट दिया होगा। यहां हम बता रहे हैं कि आईटीआर भरते समय आप कैसे टैक्स बचा सकते हैं। **धारा 80सी में छूट** आयकर कानून की धारा 80C में निवेश से जुड़े कई विकल्पों पर टैक्स छूट मिलती है। इन निवेश विकल्पों में ईपीएफ, पीपीएफ, सुकन्या समृद्धि योजना, एनएससी, टैक्स सेविंग म्यूचुअल फंड (ELSS) और टैक्स सेविंग एफडी आदि शामिल हैं। इन निवेश विकल्पों के जरिए की गई बचत पर आप सेक्शन 80सी के तहत इनकम टैक्स छूट का फायदा उठा सकते हैं। इसी तरह जीवन बीमा आदि के प्रीमियम समेत कई अन्य विकल्पों को मिलाकर कुल 1.5 लाख रुपये तक के निवेश पर आप इनकम टैक्स छूट पा सकते हैं। इसके अलावा, दो बच्चों की पढ़ाई में सिर्फ ट्यूशन फीस, होम लोन की किस्त में शामिल मूलधन का हिस्सा, घर की खरीद में स्टांप ड्यूटी और रजिस्ट्रेशन चार्ज आदि पर भी आप धारा 80सी के तहत आयकर छूट का क्लेम कर सकते हैं। **एचआरए**

**एचआरए** अगर आपकी सैलरी में हाउस रेंट अलाउंस (एचआरए) कंपोनेंट शामिल है और आपने इस पर टैक्स डिडक्शन क्लेम करने के लिए जरूरी दस्तावेज अपने एंप्लॉयर के पास नहीं जमा करवाए थे तो अब भी वक्त है यह छूट पाने की। अब जब इनकम टैक्स रिटर्न भर रहे हैं तो एचआरए पर टैक्स डिडक्शन क्लेम कर सकते हैं। इनकम टैक्स के सेक्शन 10(13ए) के तहत एचआरए पर टैक्स छूट मिलती है। एचआरए निर्धारित करने वाले वेतन में बेसिक सैलरी, महंगाई भत्ता और कमीशन आते हैं। इसकी एक अहम शर्त यह भी है कि आप जिस घर में रहते हों, उसका किराया चुका रहे हों। सिर्फ इसी तरह के किराए पर कर छूट मिलेगी। होम लोन पर टैक्स बचत की राशि लोन राशि, ब्याज दर और व्यक्तिगत टैक्स स्लैब जैसे कारकों पर निर्भर करती है। धारा 24 के तहत भुगतान किए गए ब्याज पर 2 लाख रुपये तक और धारा 80 सी के तहत मूलधन के पुनर्भुगतान पर 1.5 लाख रुपये तक की कटौती का लाभ उठा सकते हैं। **एनपीएस में इनवेस्टमेंट** एनपीएस खाताधारक को धारा 80सी के तहत 1.5 लाख रुपये तक और धारा 80 सीसीडी के तहत अतिरिक्त 50,000 रुपये तक की आयकर (Income Tax छूट मिलती है। हालांकि एन्यूटी से होने वाली कमाई पर टैक्स की देनदारी बनती है। इस कमाई को आपकी अन्य सभी कमाइयों में जोड़कर आपका स्लैब निर्धारित होगा और उसी हिसाब से इनकम टैक्स भरना होगा। वहीं एनपीएस के टियर-1 अकाउंट में कंट्रीब्यूशन पर और विदड्रॉल दोनों पर टैक्स से छूट के लाभ मिलते हैं।

# बैंकों पर साइबर अटैक का खतरा, RBI ने भेजा अलर्ट, सिस्टम की 24 घंटे निगरानी करने का निर्देश

**बैंकिंग रेगुलेटर आरबीआई ने देशभर के बैंकों को संभावित साइबर हमलों के प्रति सतर्क रहने की चेतावनी दी है। बैंकों को अपने सिस्टम को दुरुस्त करने और उसकी 24 घंटे निगरानी करने को कहना गया है।**

**नई दिल्लीः** भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने देशभर के बैंकों को संभावित साइबर हमलों के प्रति सतर्क रहने की चेतावनी दी है। केंद्रीय बैंक ने विश्वसनीय खुफिया रिपोर्टों के बाद यह निर्देश दिया है। इसमें बैंकों को निर्देश दिया गया है कि वे किसी भी खतरे का पता लगाने के लिए चौबीसों घंटे अपने सिस्टम की सक्रिय निगरानी करें। 24 जून को जारी एक एडवाइजरी में आरबीआई ने कहा कि संभावित साइबर हमलों के संबंध में प्राप्त विश्वसनीय खुफिया जानकारी के मद्देनजर रेगुलेटेड एंटिटीज को इन खतरों से बचाव के लिए निगरानी क्षमताओं को बढ़ाने की सलाह दी जाती है।

ET की रिपोर्ट के अनुसार, RBI का यह संदेश सोशल मीडिया पर एक पोस्ट से पहले आया था जिसमें बताया गया था कि कई हाई-प्रोफाइल हमलों के लिए कुख्यात ग्रुप LulzSec भारतीय बैंकों को निशाना बना रहा है। माना जा रहा था कि यह समूह निष्क्रिय हो गया है, लेकिन अब यह फिर से सामने आ गया है। बैंकों को किसी भी तरह की घुसपैठ की पहचान करने के लिए नेटवर्क गतिविधियों और सर्वर लॉग की निरंतर निगरानी करनी होती है। आरबीआई का कहना है कि बैंकों को SWIFT, कार्ड नेटवर्क, RTGS, NEFT और UPI जैसे घरेलू रीयल-टाइम फंड ट्रांसफर ढांचे सहित महत्वपूर्ण भुगतान प्रणालियों पर कड़ी नजर रखनी चाहिए।

**कैसे होता है हमला** RBI ने बैंकों को एक रिमाइंडर जारी किया है, जिसमें उनसे DDoS (डिस्ट्रिब्यूटेड डिनायल ऑफ सर्विस) हमलों जैसे खतरों से बचाव के लिए मानक नियंत्रण लागू करने का आग्रह किया गया है। इन हमलों में हैकर्स बैंक के सिस्टम पर समन्वित हमला करते हैं, उन्हें ढेर सारे प्रश्नों से भर देते हैं जो वेबसाइट और ऑनलाइन सेवाओं पर ग्राहक अनुरोधों और लेनदेन की प्रोसेसिंग में बाधा डालते हैं। डीडीओएस सुरक्षा के अलावा, बैंकों को रिमोट लॉगिन और महत्वपूर्ण प्रणालियों तक एक्सेस पर पाबंदी लगाने की आवश्यकता होती है। उन्हें वायरस और मैलवेयर का पता लगाने के लिए सभी सूचना प्रणालियों का गहन स्कैन भी करना चाहिए, और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि आवश्यक परीक्षण के बाद नवीनतम पैच स्थापित किए गए हैं। हाल ही में जारी आरबीआई की वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट में वित्तीय क्षेत्र को निशाना बनाकर साइबर घुसपैठ और डिजिटल हमलों में खतरनाक वृद्धि पर प्रकाश डाला गया है। पिछले दो दशकों में, इन घटनाओं के परिणामस्वरूप $20 अरब का चौंका देने वाला नुकसान हुआ है। केंद्रीय बैंक का कहना है कि राजनीतिक और आर्थिक अस्थिरता, जैसे कि भू-राजनीतिक तनाव के समय साइबर हमले बढ़ जाते हैं। इससे विघटनकारी परिणाम सामने आते हैं।

**बैंकों की तैयारी** इंडस्ट्री के एक अधिकारी ने कहा कि करीब एक साल पहले रेगुलेटलर और CERT-In ने भी इसी तरह का निर्देश जारी किया था। आम तौर पर, जब किसी साइबर हमले का कोई संकेत मिलता है, तो बैंक अपनी तैयारियों का परीक्षण करते हैं। इस बार भी ऐसा ही है। आरबीआई का कहना है कि बैंकों को मजबूत ऑफलाइन

# आज से दुनियाभर में बंद हो जाएगी कोका-कोला की यह 'दुकान', भारत पर भी होगा असर

**कोका-कोला दुनिया की प्रमुख बेवरेजेज कंपनियों में शामिल है। कंपनी अपने बॉटलिंग इन्वेस्टमेंट ग्रुप (BIG) को बंद करने जा रही है। इसके तहत अमेरिका की यह कंपनी भारत सहित दुनियाभर में अपने बॉटलिंग परिचालन का संचालन करती है।**

**नई दिल्लीः** दुनिया के सबसे बड़ी बेवरेज कंपनियों में से एक कोका-कोला अपने बॉटलिंग इन्वेस्टमेंट ग्रुप (BIG) को बंद करने जा रही है। इसके तहत अमेरिका की यह कंपनी भारत सहित दुनियाभर में अपने बॉटलिंग परिचालन का संचालन करती है। कोका-कोला के इंटरनेशनल डेवलपमेंट प्रेजिडेंट हेनरिक ब्राउन ने एक आंतरिक नोट में कहा कि बीआईजी का कॉर्पोरेट कार्यालय 30 जून को बंद हो जाएगा। उन्होंने कहा कि BIG का हेडक्वार्टर बंद करने और हमारे शेष बॉटलिंग निवेशों की अधिक सुव्यवस्थित तरीके से निगरानी करने के लिए यह सही समय है। नोट में कहा गया है कि भारत, नेपाल और श्रीलंका कोका-कोला के आंतरिक बोर्ड की निगरानी में रहेंगे। यह कदम सीधे तौर पर भारत को प्रभावित करेगा, क्योंकि कोका-कोला इंडिया की पूर्ण स्वामित्व वाली बॉटलिंग कंपनी हिंदुस्तान कोका-कोला बेवरेजेज (HCCB) सीधे तौर पर बीआईजी के कंट्रोल में थी।

ईटी ने 18 जून को खबर दी थी कि कोका-कोला ने एचसीसीबी में माइनोरिटी स्टेक बेचने के लिए कम से कम चार बड़े भारतीय व्यापारिक घरानों और उनके पारिवारिक कार्यालयों से संपर्क किया है। यह कदम कंपनी के आईपीओ से पहले वैल्यू अनलॉक करने के लिए है। रविवार से कोका-कोला के बॉटलिंग निवेश और ऑपरेशन का मैनेजमेंट एक आंतरिक बोर्ड के माध्यम से किया जाएगा। यह बोर्ड बॉटलिंग बिजनस के प्रदर्शन और रणनीति पर नजर रखेगा। बोर्ड की अध्यक्षता ब्राउन करेंगे। इसमें वैश्विक कार्यों का प्रबंधन करने वाले वरिष्ठ अधिकारी शामिल होंगे। इनमें मोनिका हॉवर्ड डगलस, मूरत ओजगेल, एनरिक रापेटी, तपस्वी चंदेले और जॉन मर्फी शामिल हैं। ब्राउन ने नोट में कहा कि इस फैसले का मकसद निर्णय लेने की प्रक्रिया और अधिक सरल बनाना तथा सभी बाजारों में क्षमताओं को मजबूत करना है।

**भारत में बिजनस** हाल के महीनों में, कोका-कोला ने कई तरह के ट्रांजैक्शंस की घोषणा की है, जिससे BIG का प्रभाव काफी कम हो गया है। कंपनी की योजना ब्रांड बिल्डिंग, बाजार में प्रवेश, इनोवेशन और प्रतिस्पर्धी रणनीति पर अधिक फोकस करने की है। यही वजह है कि कंपनी बॉटलिंग ऑपरेशन को बेचने की तैयारी में है। जनवरी में, HCCB ने देश के उत्तरी, पूर्वी और उत्तर-पूर्वी हिस्सों में कंपनी के स्वामित्व वाले कुछ बॉटलिंग ऑपरेशन अपने तीन मौजूदा फ्रैंचाइजी बॉटलर मून बेवरेजेज, SLMG बेवरेजेज और कंधारी ग्लोबल बेवरेजेज को बेच दिए थे। कंपनी ने कहा था कि इन बॉटलिंग ऑपरेशन को रिफ्रैंचाइज करने से उसे 293 मिलियन डॉलर का फायदा हुआ। HCCB

अब 16 प्लांट्स का संचालन कर रही है, जो मुख्य रूप से पश्चिम और दक्षिण भारत में फैले हुए हैं। 2006 में, कोका-कोला ने अपनी कंपनी के स्वामित्व वाले बॉटलिंग ऑपरेशन को एकीकृत कर बॉटलिंग इन्वेस्टमेंट्स ग्रुप का गठन किया था। उस समय उसने कहा था कि इसका मकसद यह सुनिश्चित करना है कि बॉटलिंग ऑपरेशन को उचित निवेश और विशेषज्ञता प्राप्त हो। 2022-23 में HCCB का रेवेन्यू 40% की वृद्धि के साथ 12,840 करोड़ रुपये रहा। इस दौरान कंपनी का नेट प्रॉफिट 809.32 करोड़ रुपये रहा जो पिछले वर्ष की तुलना में दोगुना है। दुनियाभर में कोका-कोला के बॉटलिंग ऑपरेशन में लिस्टेड और निजी स्वामित्व वाली कंपनियों का मिश्रण है। दुनियाभर में इसके टॉप पांच बॉटलिंग पार्टनर्स ने 2022 में इसके कुल यूनिट केस वॉल्यूम में 42% का योगदान दिया।

# स्मारिका चंद्राकर ने खेती-किसानी का रुख किया, आज वह 125 लोगों को रोजगार दे रही हैं

**छत्तीसगढ़ की स्मारिका चंद्राकर ने पांच साल नौकरी करने के बाद खेती-किसानी का रुख किया। आज वह 125 लोगों को रोजगार दे रही हैं और उनका सालाना टर्नओवर 1.5 करोड़ रुपये है। जानिए कैसे एक कॉरपोरेट एग्जीक्यूटिव ने खेती में करियर बनाकर एक उदाहरण पेश किया है।**

**नई दिल्लीः** कॉरपोरेट की नौकरी (Corporate Job) छोड़कर खेती-किसानी का रुख करना आसान नहीं था लेकिन छत्तीसगढ़ की स्मारिका चंद्राकर ने साबित कर दिया कि खेती से भी प्रॉफिट कमाया जा सकता है। स्मारिका ने पांच साल पुणे में कॉरपोरेट जगत में काम करने के बाद खेती का रुख किया और आज उनका सालाना टर्नओवर 1.5 करोड़ रुपये है। उनके खेतों में 125 लोगों को रोजगार मिला है और वह उपज बढ़ाने के लिए एडवांस टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करना चाहती हैं। उनका कहना है कि लोगों में यह धारणा है कि खेती से प्रॉफिट नहीं कमाया जा सकता है। लेकिन यह सच्चाई नहीं है। उन्होंने खुद दुनिया को दिखाया है कि खेती से भी पैसा कमाया जा सकता है। एमबीए ग्रेजुएट स्मारिका का संबंध छत्तीसगढ़ के चारमुडिया गांव के एक किसान परिवार से है। उनका बचपन गांव में धान के खेतों के बीच गुजरा जहां उन्होंने अपने पिता और दादा से जीवन और खेती बाड़ी का ककहरा सीखा। रायपुर से कंप्यूटर साइंस में इंजीनियरिंग करने के बाद उन्होंने पुणे से एमबीए किया। पुणे में पांच साल तक बिजनस डेवलपमेंट एग्जीक्यूटिव के तौर पर काम करने के बाद उन्होंने रायपुर में अपने परिवार के करीब जाने का फैसला किया। वीकेंड पर वह अक्सर खेतों में जाया करती थीं। उन्होंने धान की खेती की बारीकियां सीखने लगीं। इस दौरान अक्सर उपज और प्रॉफिट बढ़ाने पर चर्चा होती।

**1.5 करोड़ रुपये का टर्नओवर** स्मारिका ने महसूस किया कि धान के बजाय सब्जियों की खेती ज्यादा मुनाफे वाली हो सकती है। उन्होंने धीरे-धीरे इस पर काम करना शुरू किया। इसका परिणाम शानदार रहा। 2021 में उन्होंने नौकरी छोड़कर खेती का रुख किया और 20 एकड़ से अधिक जमीन पर सब्जी उगानी शुरू कर दी। पिछले तीन साल में उन्हें हर एकड़ में करीब 50 टन टमाटर की पैदावार हासिल की। पिछले फाइनेंशियल ईयर में उनका टर्नओवर 1.5 करोड़ रुपये रहा। उनके खेतों में उगने वाले टमाटर विशाखापटनम, पटना, कोलकाता, दिल्ली, बेंगलुरु और कई दूसरे शहरों को भेजे जाते हैं।

स्मारिका ने एक इंटरव्यू में कहा कि पहले उन्होंने गोबर और वर्मिकोपोस्ट से मिट्टी में सुधार किया। उसके बाद सिंचाई की व्यवस्था को दुरुस्त किया। इसका नतीजा यह हुआ कि पहले साल में ही उन्हें प्रति एकड़ करीब 50 टन टमाटर की फसल मिली। टमाटर के अलावा वह लौंकी, खीरे और बैंगन की भी खेती करती हैं। उन्होंने कहा कि धान की खेती तो साल में केवल दो बार हो सकती है लेकिन सब्जियां कई बार उगाई जा सकती हैं। इससे ज्यादा मुनाफा कमाया जा सकता है। स्मारिका अभी 20 एकड़ में खेती कर रही हैं लेकिन आने वाले दिनों में उनकी योजना और 15 एकड़ जमीन में खेती करने की है। स्मारिका के पिता और भाई भी खेती में उनकी मदद करते हैं।

# केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनर्स को मिलेगा 18 महीने का एरियर! पीएम मोदी को मिला प्रपोजल

**कोरोना काल में केंद्र सरकार ने जनवरी 2020 से जून 2021 तक 18 महीने के लिए डीए और डीआर का भुगतान रोक दिया था। अगर केंद्र सरकार कर्मचारियों के बकाये भत्ते के भुगतान पर फैसला करती है तो केंद्रीय कर्मचारियों को दो लाख रुपये तक का फायदा होने की उम्मीद है।**

**नई दिल्लीः** केंद्र सरकार के कर्मचारियों और पेंशनर्स को कोरोना महामारी के दौरान 18 महीने का महंगाई भत्ता (DA) और महंगाई राहत (DR) नहीं मिला था। सरकार ने जनवरी 2020 से जून 2021 तक 18 महीने के लिए डीए और डीआर का भुगतान रोक दिया था। कर्मचारियों और पेंशनर्स द्वारा लगातार इसके भुगतान की मांग की जा रही है। इससे एक करोड़ से अधिक कर्मचारियों और पेंशनर्स को फायदा होगा। जॉइंट कंसल्टेटिव मशीनरी फॉर सेंट्रल गवर्नमेंट एम्प्लॉयीज (Joint Consultative Machinery for Central Government Employees) की नेशनल काउंसिल के सेक्रेटरी शिव गोपाल मिश्रा ने इस बारे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक पत्र लिखकर कर्मचारियों और पेंशनर्स को 18 महीने का डीए और डीआर देने का आग्रह किया है। इससे पहले भारतीय प्रतीक्षा मजदूर संघ के महासचिव मुकेश सिंह ने भी केंद्र सरकार से 18 महीने का रुका हुआ डीए बकाया जारी करने का आग्रह किया था। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को लिखे पत्र में सिंह ने कहा कि जैसे-जैसे हमारा देश महामारी के प्रभाव से धीरे-धीरे उबर रहा है, उसकी वित्तीय स्थिति में सुधार देखना उत्साहजनक है। ऐसी स्थिति में कर्मचारियों और पेंशनर्स को 18 महीने के रुके हुए डीए और डीआर का भुगतान किया जाना चाहिए। इससे पहले, लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में, वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने कहा था कि कोरोना महामारी से वित्तीय स्थिति पर नकारात्मक असर हुआ था। ऐसी स्थिति में डीए/डीआर का बकाया देना व्यावहारिक नहीं है। 8वां वेतन आयोग कब? केंद्रीय कर्मचारियों के मूल वेतन और DA में तुरंत बढ़ोतरी का नया प्रपोजल

**महंगाई भत्ता क्या है?**

केंद्र सरकार के कर्मचारियों का DA साल में दो बार जनवरी से जुलाई के बीच अपडेट किया जाता है। महंगाई भत्ते की वर्तमान दर को मूल वेतन से गुणा करके DA का कैलकुलेशन किया जाता है। सरकारी कर्मचारियों और सार्वजनिक क्षेत्र के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को DA और DR दिया जाता है। यह कर्मचारियों को उनके रहने के खर्च में मदद करने के लिए दिया जाता है। अगर केंद्र सरकार कर्मचारियों के बकाये भत्ते के भुगतान पर फैसला करती है तो केंद्रीय कर्मचारियों को दो लाख रुपये तक का फायदा होने की उम्मीद है। लेवल-1 के कर्मचारियों का डीए एरियर 11,880 रुपये से लेकर 37,554 रुपये तक है। इसी तरह लेवल-13 के कर्मचारियों को 1,23,100 रुपये से 2,15,900 रुपये तक एरियर मिल सकता है। लेवल-14 के कर्मचारियों को डीए एरियर के रूप में 1,44,200 रुपये से 2,18,200 रुपये तक मिल सकते हैं।

# रिलायंस के 37 लाख निवेशकों की लगी लॉटरी, 1,52,264.63 करोड़ बढ़ गया कंपनी का मार्केट कैप

जून में घरेलू शेयर मार्केट में काफी तेजी आई। इससे सेंसेक्स की टॉप 10 कंपनियों में से नौ फायदे में रहीं। केवल एलआईसी के मार्केट कैप में इस दौरान गिरावट देखने को मिली। सबसे ज्यादा फायदे में मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज रही।

**नई दिल्लीः** घरेलू शेयर मार्केट में पिछले हफ्ते तेजी रही। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 1,822.83 अंक या 2.36 प्रतिशत चढ़ गया। इससे सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे वैल्यूएबल कंपनियों में से नौ के मार्केट कैप में पिछले सप्ताह 2,89,699.42 करोड़ रुपये का उछाल दर्ज हुआ। शेयर बाजार में जोरदार तेजी के बीच रिलायंस इंडस्ट्रीज (Reliance Industries) सबसे अधिक लाभ में रही। बीएसई सेंसेक्स जून में 7.14% चढ़ा है। यह इसका जून में सबसे अच्छा प्रदर्शन है। गुरुवार को सेंसेक्स ने पहली बार 79,000 अंक के स्तर को पार किया। इस दौरान रिलायंस के अलावा टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (TCS), एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल, भारतीय स्टेट बैंक (SBI), इन्फोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी की मार्केट वैल्यू बढ़ गई। वहीं भारतीय जीवन बीमा निगम (LIC) की वैल्यूएशन में गिरावट आई। सप्ताह के दौरान मुकेश अंबानी की अगुवाई वाली कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 1,52,264.63 करोड़ रुपये बढ़कर 21,18,951.20 करोड़ रुपये हो गया। देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टीसीएस के बाजार मूल्यांकन में 34,733.64 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई और यह 14,12,845.09 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। आईसीआईसीआई बैंक की बाजार हैसियत 30,286.99 करोड़ रुपये बढ़कर 8,44,201.88 करोड़ रुपये रही। वहीं भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 18,267.7 करोड़ रुपये बढ़कर 8,22,530.35 करोड़ रुपये हो गया। इन्फोसिस का बाजार मूल्यांकन 14,656.3 करोड़ रुपये बढ़कर 6,50,602.10 करोड़ रुपये पर और एचडीएफसी बैंक का 13,808.74 करोड़ रुपये के उछाल के साथ 12,80,865.43 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इसी तरह देश के सबसे बड़े बैंक एसबीआई की बाजार हैसियत 11,111.14 करोड़ रुपये बढ़कर 7,57,565.68 करोड़ रुपये रही। हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार मूल्यांकन में 7,953.37 करोड़ रुपये का इजाफा हुआ और यह 5,81,570.83 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। आईटीसी की बाजार हैसियत 6,616.91 करोड़ रुपये बढ़कर 5,30,475.82 करोड़ रुपये हो गई। इस रुख के उलट एलआईसी का बाजार पूंजीकरण 22,042.61 करोड़ रुपये घटकर 6,25,573.90 करोड़ रुपये पर आ गया। इसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल, भारतीय स्टेट बैंक, इन्फोसिस, एलआईसी, हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी का स्थान रहा।

# अगले सप्ताह खुल रहा है ICICI Prudential के इस फंड का NFO

भारत में एनर्जी सेक्टर परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। पिछले कुछ साल से इस सेक्टर में भारी निवेश किया जा रहा है। इसे साथ ही ग्रीन एनर्जी भी इस समय काफी महत्वपूर्ण हो गया है। तभी पावर वैल्यू चेन में निवेश करना इन दिनों फायदे का सौदा हो गया है। इसी सेक्टर में हो रहे बदलाव का लाभी उठाने के लिए आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एनर्जी ऑपर्च्युनिटीज फंड का न्यू फंड ऑफर या एनएफओ आ रहा है। हम इस बारे में बता रहे हैं सबकुछ।

**मुंबईः** कहते हैं, जिसने उचित अवसर को पहचान लिया, उसे सफलता प्राप्त करते देर नहीं लगती है। यह बात घर-गृहस्थी ही नहीं, शेयर बाजार पर भी लागू होता है। जी हां, ऐसे ही उचित अवसर की पहचान करने वाले निवेशकों के लिए आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड ने आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एनर्जी ऑपर्च्युनिटीज फंड (ICICI Prudential Mutual Fund energy opportunities fund) के लॉन्च की घोषणा की है। यह एनएफओ सब्सक्रिप्शन के लिए आगामी दो जुलाई को खुल रहा है। इसमें आगामी 16 जुलाई तक निवेश किया जा सकता है। यह एक ओपन-एंडेड इक्विटी स्कीम है और जो मुख्य रूप से एनर्जी थीम में निवेश करेगी। इस स्कीम का उद्देश्य पारंपरिक और नए एनर्जी उद्योगों/सेक्टरों के साथ-साथ संबद्ध व्यवसायों (Allied Businesses) में वृद्धि से जुड़ी या उससे लाभान्वित होने वाली कंपनियों की इक्विटी और इक्विटी-संबंधित इंस्ट्रूमेंट में मुख्य रूप से निवेश करके दीर्घकालिक पूंजी वृद्धि उत्पन्न करना है।

**औद्योगिक विकास की आधारशिला एनर्जी** आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एएमसी (ICICI Pridential AMC) के ईडी और सीआईओ तथा इस स्कीम के फंड मैनेजर संकरन नरेन (Sankaran Naren) का कहना है कि एनर्जी औद्योगिक विकास और आर्थिक विकास की आधारशिला है। रिन्यूवेबल एनर्जी की ओर चल रहे बदलाव और सरकार के नेट जीरो एमिशन को प्राप्त करने पर ध्यान केंद्रित करने के साथ साथ यह एनर्जी थीम महत्वपूर्ण विकास की क्षमता भी प्रदान करता है। इस स्कीम के माध्यम से, निवेशक एनर्जी वैल्यू चेन में कंपनियों के विविध (Diversified) पोर्टफोलियो तक एक्सेस प्राप्त कर सकते हैं, क्योंकि इसमें 80 से 100 फीसदी तक इक्विटी और इक्विटी रिलेटेड और शून्य से 20 फीसदी तक डेट प्रोडक्ट, और मनी मार्केट इंस्ट्रुमेंट में इनवेस्टमेंट किया जाएगा और शून्य से 10 फीसदी तक REITs/InvITs के यूनिट में निवेश किया जाएगा।

एक नजर.....

## अमेरिकी चुनाव में बाइडन से नाखुश होकर भी पार्टी ने साधी चुप्पी, क्या बदला जा सकता है डेमोक्रेट उम्मीदवार, अगस्त में होगा फैसला

**अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव से जुड़ी डिबेट में बाइडन का प्रदर्शन बेहद खराब रहा। इस डिबेट के बाद उनकी पार्टी डेमोक्रेट में निराशा है। कोई खुलकर बोल नहीं रहा है, लेकिन लगातार ऐसी खबर आ रही है कि बाइडन को बदला जा सकता है। आइए जानें कि क्या ऐसा सच में हो सकता है?**

**वॉशिंगटनः** अमेरिका में गुरुवार की 90 मिनट की प्रेजिडेंशल डिबेट के बाद बाइडेन के बोलने के तरीके और स्वास्थ्य के मद्देनजर उनकी उम्मीदवारी को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं। ऐसे में यह सवाल उठ रहा है कि क्या बाइडेन की जगह कोई और डेमोक्रेट उम्मीदवार सामने आ सकता है? हालांकि गौर करने वाली बात यह भी है कि उनकी पार्टी की ओर से अब तक किसी भी नेता ने उनकी उम्मीदवारी के खिलाफ कोई बयान नहीं दिया है। जानकार कहते हैं कि ऐसा लगता नहीं है कि बाइडेन की उम्मीदवारी बरकरार रहेगी। बाइडन की पार्टी का कन्वेंशन अगस्त में होगा और डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार के आधिकारिक सेलेक्शन का ऐलान 19-22 अगस्त को शिकागो में डेमोक्रेटिक नैशनल कन्वेंशन में होगा। अगर उससे पहले बाइडन हटते हैं तो फिर उम्मीदवारी के लिए कन्वेंशन का रास्ता सबके लिए खुला होना तय है। हालांकि जानकार मानते हैं कि डेमोक्रेटिक पार्टी ऐसा करने से बचना चाहेगी। अंतर्राष्ट्रीय मामलों के जानकार अमिताभ सिंह कहते हैं, 'डेमोक्रेटिक पार्टी के पास बाइडन का समर्थन करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। बाइडन बहुत अनुभवी हैं और वह कई प्रशासनिक और सरकारी पोजिशन्स पर रहे हैं। इसके बावजूद डेमोक्रेटिक के नेताओं के अंदर ऐसी सोच तभी आ सकती है, जब बाइडेन हार रहे हों। ऐसे में बेहतर विकल्पों में बाइडेन की रनिंग मेट कमला हैरिस का नाम सामने आता है, लेकिन इसका अधिकार भी राष्ट्रपति के पास ही होता है कि वह किसे अपना रनिंग मेट चुनें।

**कमला हैरिस कब बन सकती हैं राष्ट्रपति**

लेकिन, उम्मीदवार बदलने का मसला सिर्फ एक व्यक्ति को बदलने का नहीं, बल्कि फंडर्स से लेकर कार्यकर्ताओं और इलेक्शन कैंपेनर्स का भी है। उम्मीदवारी का मामला कई सारे स्टेकहोल्डर से जुड़ा हुआ है। उन्होंने आगे कहा दरअसल, कमला हैरिस प्राकृतिक तौर पर तब बाइडन की जगह ले सकती हैं, जब वह राष्ट्रपति पद पर बने रहने के दौरान कुर्सी छोड़ते हैं। लेकिन ऐसे हालात में नहीं, जब बाइडन चुनाव लड़ रहे हैं। ऐसे में हैरिस को दूसरे उम्मीदवारों की ही तरह प्रतिनिधियों का विश्वास हासिल करना होगा। हालांकि, कमर आगा कहते हैं, दो महीने बाद पार्टी के नैशनल कन्वेंशन से पहले बाइडन की ओर से अपनी उम्मीदवारी की संभावना तो बनी हुई है। लेकिन इस चुनाव और डिबेट ने बात तो साफ कर दी कि कि अमेरिका बड़ी मुसीबत में है। दोनों ही उम्मीदवारों के पास ना कोई योजना और ना ही कोई निजी करिश्मा। वहीं समाज के एक बड़े तबके का विश्वास भी इन दोनों ही उम्मीदवारों के साथ नहीं है। दुनिया भर की जिम्मेदारियों को कथित तौर पर अपने ऊपर ओढ़ने वाले अमेरिका का राष्ट्रपति का पद बेहद अहम है और फिलहाल लीडरशिप का संकट नजर आ रहा है।' जानकार यह भी कहते हैं कि यह सोचना जल्दबाजी होगी कि बाइडन हार रहे हैं।

**कोई आए, ज्यादा नहीं बदलेगी अमेरिका की नीति**

जानकार मानते हैं कि कोई भी उम्मीदवार जीते, अमेरिका की मूल विदेश नीति में खास बदलाव नहीं आने वाला। हालांकि फर्क सिर्फ इतना है कि अगर ट्रंप जीतते हैं तो वह अलगाववादी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की कथित साजिश या फिर दूसरे ऐसे मुद्दों को ज्यादा तवज्जो नहीं देंगे, लेकिन ट्रंप इस्राइल के मामले में ज्यादा आक्रामक रहेंगे और वह भारत पर चीन विरोधी गुट में शामिल होने का दबाव भी बना सकते हैं।

# कनाडा में कर्मचारी यूनियन की हड़ताल से वेस्टजेट एयरलाइन की 400 उड़ानें रद्द, 49,000 यात्री परेशान

**कनाडा की एयरलाइन वेस्टजेट ने एसोसिएशन की हड़ताल के कारण 407 उड़ानें रद्द कर दी हैं, जिससे यात्रियों को बड़े पैमाने पर परेशानी का सामना करना पड़ा है। यात्रियों को कनाडा दिवस के लंबे सप्ताहांत के दौरान इससे काफी व्यवधानो और भ्रम का सामना करना पड़ा और वह परेशान दिखे।**

**ओटावाः** कनाडा की दूसरी सबसे बड़ी एयरलाइन वेस्टजेट ने कॉन्ट्रैक्ट विवाद पर बातचीत फेल होने के बाद रखरखाव कर्मचारी संघ ने हड़ताल शुरू कर दी। इस हड़ताल से एयरलाइन को 407 उड़ानें रद्द करनी पड़ी हैं, जिससे 49,000 यात्री प्रभावित हुए हैं। एयरक्राफ्ट मैकेनिक्स फ्रेटरनल एसोसिएशन ने बताया है कि एयरलाइन की बातचीत करने की अनिच्छा के कारण यूनियन के सदस्यों ने शुक्रवार शाम को हड़ताल शुरू कर दी। कनाडा दिवस अवकाश सप्ताहांत के दौरान हवाई यात्रा प्रभावित होने से यात्रियों का काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की सरकार ने हड़ताल को रोकने के लिए कोशिशें की थीं लेकिन सफल नहीं हो सकीं।

वेस्टजेट ने कनाडा दिवस लंबे सप्ताहांत के लिए रविवार तक विमानों की पार्किंग जारी रखने की योजना बनाई है, रविवार शाम तक अपने 200 विमानों में से 30 का संचालन करेगा। सीईओ एलेक्सिस वॉन होन्सब्रोच ने इस स्थिति के लिए कनाडा में प्रभाव बढ़ाने का प्रयास करने वाले 'अमेरिका के दुष्ट संघ' को जिम्मेदार ठहराया है। वॉन होन्सब्रोच ने इस बात पर जोर दिया कि एयरलाइन के दृष्टिकोण से सरकार द्वारा बाध्यकारी मध्यस्थता के आदेश के बाद बातचीत बंद हो गई। उन्होंने हड़ताल की आलोचना करते हुए इसे पूरी तरह से बेतुका बताया।

**असुविधा पर जताया खेद**

एलेक्सिस वॉन होन्सब्रोच ने कहा कि यूनियन ने एक अनुबंध प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया, जिसने वेस्टजेट के मैकेनिकों को देश में सबसे अधिक वेतन पाने वाला बना दिया होता। अपने सदस्यों के लिए यूनियन की वार्ता समिति ने कनाडा औद्योगिक संबंध बोर्ड के आदेश का हवाला दिया, जो स्पष्ट रूप से हड़तालों पर रोक नहीं लगाता था। मैकविघ ने यात्रियों को होने वाली किसी भी असुविधा के लिए खेद व्यक्त किया, उड़ान में व्यवधान के लिए वेस्टजेट के कथित आरोप को जिम्मेदार ठहराया।

टोरंटो पीयरसन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल तीन पर शनिवार को धरना दे रहे वेस्टजेट विमान के रखरखाव इंजीनियर सीन मैकवे ने कहा कि हड़ताल विमानन कंपनी को सम्मानजनक तरीके से बातचीत के लिए मजबूर करने का एक प्रयास है। यूनियन के लोग टोरंटो पीयरसन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल 3 पर धरना दे रहे हैं।

कनाडा में कर्मचारी यूनियन की हड़ताल से वेस्टजेट एयरलाइन की 400 उड़ानें रद्द, 49,000 यात्री परेशान

**मोदी सरकार 3.0 बनने के बाद पहले संसद सत्र में राष्ट्रपति के अभिभाषण में भी भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे को शामिल किया गया था। सरकार के एजेंडे को रखते हुए राष्ट्रपति मुर्मू ने आईएमईसी को 21 सदी का सबसे बड़ा गेमचेंजर बताया था।**

**दुबईः** भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीसरी कार्यकाल के लिए शपथ लेने के बाद भारत सरकार ने महत्वाकांक्षी भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे (IMEC) पर काम शुरू कर दिया है। नई दिल्ली के वर्तमान एजेंडे में गलियारे को लेकर योजनाएं सबसे ऊपर हैं। शुरुआती चरण में इसे भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच शुरू किए जाने पर काम चल रहा है। इसी सप्ताह गुरुवार को सरकार बनने के बाद पहले संसद सत्र में मोदी सरकार 3.0 के एजेंडे को सामने रखते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि 'भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारा' (IMEC) 21वीं सदी के 'सबसे बड़े परिवर्तनकारी कारकों' (गेमचेंजर) में से एक साबित होगा। 100 दिनों की समय सीमा की घोषणा नई दिल्ली जल्द से जल्द परियोजना के पहले चरण को लागू करने के लिए इच्छुक है। उसने सितंबर 2023 में परियोजना की पहली घोषणा के लगभग नौ महीने बाद कार्य पूरा करने के लिए "100-दिवसीय समय सीमा" की घोषणा की है। बीते साल सितम्बर में G20 शिखर सम्मेलन के दौरान नई दिल्ली में भारत, संयुक्त राज्य अमेरिका, सऊदी अरब, इटली, फ्रांस, जर्मनी और यूरोपीय संघ ने गलियारे को अंतिम रूप दिया था। दो भागों से मिलकर बना IMEC भारत, संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब के बीच जहाज द्वारा पारगमन से शुरू होता है, जो आगे चलकर रेल लिंक के माध्यम से जॉर्डन से जुड़ता है, फिर तुर्की और यूरोप तक जाता है। इटली में बीते 13-15 जून को आयोजित जी7 शिखर सम्मेलन में पीएम मोदी और भारत के विदेश मंत्री सुब्रह्मण्यम जयशंकर ने आईईएमसी पर भारत के विजन को आगे रखा, जिसका नतीजा रहा कि शिखर सम्मेलन के अंत में सभी भाग लेने वाले देशों की तरफ से जारी संयुक्त विज्ञप्ति में में 'IMEC जैसी ठोस बुनियादी ढांचे' के प्रस्तावों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्धता जताई गई।

# फ्रांस के चुनाव में जीत सकती है 'मुस्लिम विरोधी' पार्टी, भारत के दोस्त मैक्रों को उल्टा पड़ गया मध्यावधि चुनाव का दांव

**यूरोपीय संघ के चुनाव में करारी हार का सामना करने के बाद फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने फ्रांस में मध्यावधि चुनाव कराने का फैसला किया था। नैतिकता के आधार पर लिया गया यह फैसला अब उनके ऊपर भारी पड़ता दिख रहा है। धुर दक्षिणपंथी दल के सत्ता में आने की उम्मीद जताई जा रही है।**

**पेरिसः** फ्रांस में संसदीय चुनाव के पहले दौर के लिए रविवार को मतदान जारी है और यह अनुमान जताया जा रहा है कि नाजी युग के बाद, सत्ता की बागडोर पहली बार राष्ट्रवादी एवं धुर-दक्षिणपंथी ताकतों के हाथों में जा सकती है। दो चरणों में हो रहे संसदीय चुनाव सात जुलाई को संपन्न होंगे। चुनाव परिणाम से यूरोपीय वित्तीय बाजारों, यूक्रेन के लिए पश्चिमी देशों के समर्थन और वैश्विक सैन्य बल एवं परमाणु शस्त्रागार के प्रबंधन के फ्रांस के तौर-तरीके पर काफी प्रभाव पड़ने की संभावना है। कई फ्रांसीसी मतदाता महंगाई और आर्थिक चिंताओं से परेशान हैं और वे राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के नेतृत्व से भी निराश हैं। मरीन ले पेन की आव्रजन विरोधी 'नेशनल रैली' पार्टी ने इस असंतोष को चुनाव में भुनाया है और उसे विशेष रूप से 'टिकटॉक' जैसे ऑनलाइन मंचों के जरिए हवा दी है। चुनाव-पूर्व सभी जनमत सर्वेक्षणों में 'नेशनल रैली' की जीत का अनुमान जताया गया है। नया वामपंथी गठबंधन 'न्यू पॉपुलर फ्रंट' भी व्यापार समर्थक मैक्रों और उनके मध्यमार्गी गठबंधन 'टुगेदर फॉर द रिपब्लिक' के लिए चुनौती पेश कर रहा है।

**मुस्लिम विरोधी पार्टी की होगी जीत?**

फ्रांस में संसदीय चुनाव के लिए रविवार सुबह आठ बजे मतदान शुरू हुआ और चुनाव परिणाम के शुरुआती रुझान रात आठ बजे आने की उम्मीद है। इस साल जून की शुरुआत में यूरोपीय संसद के चुनाव में 'नेशनल रैली' से मिली करारी शिकस्त के बाद मैक्रों ने फ्रांस में मध्यावधि चुनाव की घोषणा की थी। 'नेशनल रैली' का नस्लवाद और यहूदी-विरोधी भावना से पुराना संबंध है और यह फ्रांस के मुस्लिम समुदाय की विरोधी मानी जाती है। चुनाव परिणाम संबंधी पूर्वानुमान के अनुसार, संसदीय चुनाव में 'नेशनल रैली' की जीत की संभावना है।

# हमारे हथियार कयामत ला देंगे... इजरायली अधिकारी ने किया परमाणु हमले का इशारा, ईरान समेत पूरे मिडिल ईस्ट को चेतावनी

**इजरायल और ईरान समर्थित चरमपंथी संगठन हिजबुल्लाह के बीच जारी तनाव के बीच हाल ही में तेहरान ने खुली धमकी दी थी। संयुक्त में ईरान के मिशन ने एक्स पर लिखा कि अगर इजरायल ने हिजबुल्लाह पर आक्रमण किया तो एक विनाशकारी युद्ध शुरू हो जाएगा। इस जंग में सभी प्रतिरोध के मोर्चे हिस्सा लेंगे।**

**तेल अवीवः** इजरायल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने दावा किया है कि इजरायली सेना के पास ऐसे हथियार हैं जो कयामत ढा सकते हैं। इजरायली अधिकारी ने यह भी कहा कि ईरान ही नहीं, बल्कि मध्य पूर्व के दूसरे देश भी उनके खिलाफ आ जाएं तो इजरायली सेना उन्हें बर्बाद कर देगी। इजरायल एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज वर्कर काउंसिल के चेयरमैन यायर काट्ज ने शनिवार को कहा कि इजरायल के पास एक हथियार है जो ईरान का मुकाबला कर सकता है। एक कार्यक्रम में काट्ज ने दावा किया कि अगर हमें लगता है कि अस्तित्व का खतरा है और ईरान, यमन, सीरिया और मध्य पूर्व के सभी देश हमारे खिलाफ जंग का फैसला कर लेते हैं, तो हमारे पास कयामत ढाने वाले हथियार मौजूद हैं।

अमेरिका समेत पश्चिमी देश दे रहे जानकारी

काट्ज ने खुलासा किया कि अमेरिका, ब्रिटेन और जर्मनी खुफिया जानकारी के साथ इजरायल को मदद करते हैं और बताते हैं कि कहां पर ऐसी चाल चली जा रही है जो यहूदी देश को खतरे में डाल सकती है। अप्रैल में हुई ईरान के हमले के बारे में उन्होंने कहा, 'हमारे इंजीनियरों और कर्मचारियों ने कई हफ्तों तक इस परिस्थिति से निपटने के लिए तैयारी की थी। इसी का नतीजा है कि जब शनिवार को हमें बताया गया कि ईरान ने हमला किया है तो हमारे कर्मचारियों का एक बड़ा हिस्सा बिना किसी डर के सोने गया था। ये हमारी उपलब्धि है कि अगली सुबह एकदम सामान्य थी।'

# *मोदी ने टीम इंडिया से बात कीःधोनी बोले- इससे अच्छा बर्थ-डे गिफ्ट नहीं हो सकता; सचिन ने कहा- जीत युवाओं को प्रेरणा देगी*

पीएम मोदी ने टीम इंडिया के कैप्टन रोहित, विराट और कोच राहुल द्रविड से बात की। इससे पहले 19 नवंबर 2023 को अहमदाबाद में वनडे वर्ल्डकप के फाइनल में हार के बाद भी पीएम मोदी ने टीम इंडिया के ड्रेसिंग रूम में जाकर उनका हौसला बढ़ाया था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार (30 जून) को भारतीय क्रिकेट टीम के प्लेयर्स से फोन पर बात की और पूरी टीम को टी-20 वर्ल्ड कप जीतने की बधाई दी। वहीं पहले टी-20 वर्ल्ड चैंपियन कप्तान एमएस धोनी समेत मौजूदा और पूर्व क्रिकेटरों ने भारतीय टीम की जमकर तारीफ की है। धोनी की कप्तानी में भारत ने 2007 में साउथ अफ्रीका में पहला टी-20 वर्ल्ड कप जीता था। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक साल बाद पोस्ट किया और टीम इंडिया को बधाई दी और इस जीत को उनके जन्मदिन का गिफ्ट बताया। धोनी अगले महीने 7 जुलाई को 43 साल के हो जाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फोन पर शानदार कप्तानी के लिए रोहित को बधाई दी। फाइनल में विराट कोहली की पारी और भारतीय क्रिकेट में उनके योगदान की भी तारीफ की। फाइनल में विराट कोहली की पारी और भारतीय क्रिकेट में उनके योगदान की भी तारीफ की।

मोदी ने भारतीय क्रिकेट में राहुल द्रविड़ के योगदान के लिए भी धन्यवाद दिया।

# शादी कर ले गया और देह व्यापार में धकेल दिया...

**बांग्लागेश के खगराछारी जिले की 21 वर्षीय मार्मा महिला ने पुलिस में मामला दर्ज कराया, जिसमें पांच नामजद व्यक्तियों और तीन अज्ञात लोगों पर उसे चीन में तस्करी करने का प्रयास करने का आरोप लगाया। उसे ढाका में एक घर में ले जाया गया और एक चीनी व्यक्ति से शादी करने के लिए मजबूर किया गया।**

**ढाकाः** चीन की पड़ोसी देशों की गरीब महिलाओं पर भी गलत नजर है। पाकिस्तान के बाद अब बांग्लादेशी लड़कियों को चीनी लुभा रहे हैं। 2019 में यह सामने आया था कि दो वर्षों की अवधि में 600 गरीब पाकिस्तानी लड़कियों को चीनी पुरुषों को दुल्हन के रूप में बेचा गया। इसी तरह के धोखा बांग्लादेश की लड़कियों को दिया जा रहा है। चीनी नागरिक गरीब महिलाओं को प्रेम जाल में फंसा रहे हैं। इन बेखबर महिलाओं को प्यार और बेहतर जीवन का वादा किया जाता है। इसके बाद उन्हें चीन ले जाया जाता है और वहां देह व्यापार और मानव अंग तस्करी के लिए इस्तेमाल कर लिया जाता है। यूरेशियन टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, 1 जुलाई, 2023 को बांग्लादेश के उत्तरी जिले चुआडांगा की एक गरीब विधवा ने अपनी 19 वर्षीय बेटी की शादी कुई पो वेई नामक एक चीनी नागरिक से की। उसे लगा कि वेई ने इस्लाम धर्म अपना लिया है और बांग्लादेश में बस जाएगा। छह महीने के भीतर ही कुई पो वेई का असली चेहरा तब सामने आ गया जब वह अपनी बांग्लादेशी पत्नी को चीन ले गया और उसे वेश्यावृत्ति के लिए मजबूर किया। मामला तब खुला जब पीड़िता की मां ने 31 मार्च, 2024 को ढाका ट्रिब्यूनल में मामला दर्ज कराया।

**चीन से फोन पर बताई सच्चाई**

बांग्लादेशी लड़की ने 11 मार्च, 2024 को पीड़िता ने इमो का इस्तेमाल करके बांग्लादेश में अपनी मां को फोन किया। उसने बताया कि वी और उसके साथियों ने उसे बहुत शारीरिक यातनाएं दी और उसे हर दिन 10-15 ग्राहकों के सामने पेश किया। कुई पो वी ने धमकी दी कि अगर उसने ऐसा करने से मना कर दिया तो वह उसे मानव अंग तस्करों को बेच देगा। पीड़िता की मां इलाके की चार अन्य गरीब महिलाओं को व्यक्तिगत रूप से जानती है, जिन्हें चीनी नागरिकों ने इसी तरह शादी के लिए धोखा दिया। भावी दूल्हे के रूप में प्रस्तुत होने वाले इन तस्करों के बांग्लादेश में एजेंट हैं जो उन्हें लक्षित स्थानीय महिलाओं की जानकारी देते हैं। नाम ना बताने की शर्त पर एक सूत्र ने बताया कि ढाका में दो समूह सक्रिय रूप से संवेदनशील बांग्लादेशी महिलाओं की तलाश करते हैं, जिनमें पहाड़ी इलाकों में रहने वाले स्वदेशी समुदाय की महिलाएं भी शामिल हैं। ये समूह महिलाओं को चीनी नागरिकों से जोड़ते हैं जो उन्हें प्रेम जाल में फंसाते हैं, उनसे शादी करते हैं और उन्हें चीन ले जाते हैं। ये तस्कर कभी-कभी ढाका के विभिन्न रेस्तराओं में अपने लक्ष्य से मिलते हैं, जो अक्सर कपड़ा फैक्ट्री की कर्मचारी होती हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, विवाह की औपचारिकताएं आम तौर पर विवाह रजिस्ट्रार की मौजूदगी में पंजीकरण प्रक्रिया के माध्यम से पूरी की जाती हैं। स्थानीय गिरोह के सदस्य पीड़ितों के रिश्तेदार के रूप में विवाह के दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करते हैं। चीनी तस्करों की सहायता के लिए स्थानीय एजेंटों को पांच से सात लाख बांग्लादेशी टका मिलते हैं और इतनी ही राशि पीड़ित के परिवार को 'उपहार' के रूप में दी जाती है। जी यिशियन नामक एक चीनी महिला रेडीमेड परिधान खरीदने वाली कंपनी का प्रतिनिधित्व करने के नाम पर ढाका में रह रही है। ये ढाका और आसपास के क्षेत्रों में परिधान कारखानों सहित देश के विभिन्न हिस्सों में महिलाओं को निशाना बनाकर एक रैकेट चला रही है। आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) के अनुसार, चीन के संगठित मानव तस्कर स्थानीय लोगों की गरीबी और लाचारी का फायदा उठाते हैं, उन्हें शादी के जाल में फंसाते हैं और फिर उन्हें चीन में वेश्यावृत्ति के लिए मजबूर करते हैं।

# *मेरा हिंदू धर्म मुझे प्रेरणा देता है... चुनाव से पहले मंदिर पहुंचे ऋषि सुनक, भारत के टी-20 वर्ल्ड कप जीतने पर कही ये बात*

***ब्रिटेन में चार जुलाई को होने वाले आम चुनाव से पहले प्रधानमंत्री ऋषि सुनक एक मंदिर पहुंचे। उन्होंने हिंदू आस्था को सार्वजनिक रूप से अपना मार्गदर्शक बताया। इस दौरान उन्होंने कहा कि भगवद गीता पर संसद सदस्य के रूप में शपथ लेने पर उन्हें गर्व है। सुनक पहले भी खुद को गर्व से हिंदू कहते रहे हैं।***

*लंदनः ब्रिटेन में चार जुलाई को आम चुनाव होने वाले हैं। इसमें विपक्षी लेबर पार्टी के जीत की संभावना मानी जा रही है। उससे पहले प्रधानमंत्री ऋषि सुनक शनिवार को अपनी पत्नी अक्षता मूर्ति के साथ लंदन के एक मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने अपनी हिंदू आस्था के बारे में खुलकर बात की और इसे प्रेरणा और आराम का स्रोत बताया। बीएपीएस श्री स्वामीनारायण मंदिर पहुंचे सुनक ने यहां मौजूद श्रद्धालुओं से बात की। उन्होंने सार्वजनिक रूप से अपने धर्म को एक मार्गदर्शक के रूप में बताया।*

*सुनक ने कहा, 'मैं एक हिंदू हूं और आप सभी की तरह मैं भी अपने विश्वास से प्रेरणा और राहत लेता हूं। मुझे भगवद गीता पर संसद सदस्य के रूप में शपथ लेने पर गर्व है।' उन्होंने आगे कहा, 'हमारा विश्वास हमें अपना कर्तव्य करना सिखाता है और जब तक कोई इसे ईमानदारी से करता है तब तक परिणाम के बारे में चिंता नहीं करता है। यही है जो मुझे मेरे माता पिता से मिला है और मैं इसी तरह अपना जीवन जीने की कोशिश कर रहा हूं और यही वह चीज है जो मैं अपनी बेटियों को बड़े होने पर देना चाहता हूं। यह धर्म ही है जो सार्वजनिक सेवा के प्रति मेरे दृष्टिकोण में मेरा मार्गदर्शन करता है।'*

***क्रिकेट को लेकर बोले सुनक*** *सुनक इस दौरान लोगों से भी मिले। एक पुजारी ने सुनक को लेकर कहा कि उन्होंने हिंदू समुदाय में बच्चों के लिए स्तर बढ़ाया है। क्योंकि वह अब सिर्फ डॉक्टर, वकील या अकाउंटेंट नहीं बन रहे। इसपर सुनक ने चुटकी लेते हुए कहा, 'अगर मेरे माता-पिता यहां होते और आप उनसे पूछते तो शायद वह आपको बताते कि अगर में डॉक्टर या वकील या अकाउंटेंट बन जाता तो वे इसे ज्यादा पसंद करते।' भारत के टी-20 विश्वकप जीतने पर उन्होंने भीड़ से पूछा, 'हर कोई क्रिकेट से खुश है?' इसपर भीड़ ने तालियों से जवाब दिया।*

***भारत के साथ काम करेंगेः लेबर पार्टी*** *ब्रिटेन में चार जुलाई को होने वाले आम चुनाव में जीत दर्ज करके विपक्षी लेबर पार्टी सरकार बनाने की उम्मीद कर रही है। उसने कहा कि कि वह अपने नेताओं-कार्यकर्ताओं में भारत विरोधी भावनाओं का अंत करने और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली भारत सरकार के साथ एक मजबूत रणनीतिक साझेदारी करने के प्रति प्रतिबद्ध है। पूर्व लेबर नेता जेरेमी कॉर्बिन के नेतृत्व में एक वार्षिक सम्मेलन के दौरान कश्मीर में अंतरराष्ट्रीय हस्तक्षेप के पक्ष में लाए गए पार्टी के प्रस्ताव को वर्ष 2019 के आम चुनाव में ब्रिटिश भारतीय मतदाताओं का वोट पार्टी को नहीं मिलने के कारण के रूप में देखा गया था।*

# 105 kg की महिला डॉक्टर ने खाने में किये 5 बदलाव, सिर्फ 8 महीने में घटा लिया 39 kg

**प्रेगनेंसी के बाद और कई स्वास्थ्य समस्याओं के चलते फिटनेस कोच माहिरा का वजन 105 किलो हो गया था। जानिये उन्होंने सिर्फ 8 महीनों में 39 किलो वजन कैसे कम किया। कामकाजी महिलाओं को उनके वेट लॉस जर्नी से सबक लेना चाहिए।**

वजन बढ़ना जितना आसान है, कम करना उतना ही मुश्किल है लेकिन अगर आप ठान लें तो नामुमकिन नहीं है। इस मामले में लोग जल्दबाजी दिखाते हैं और बीच में हार मान जाते हैं। अगर आप भी उन लोगों में से हैं, जो वजन कम करना चाहते हैं, लेकिन खुद को तैयार नहीं कर पा रहे हैं, तो आपको डॉ. माहिरा मेंघानी से सबक लेना चाहिए। मुंबई की रहने वाली माहिरा पेशे से एक हेल्थ एंड फिटनेस कोच हैं। कभी इनका वजन 105 किलो हुआ करता था। प्रॉब्लम बस वजन ही नहीं था। साथ में पीसीओएस और कोलेस्ट्रॉल जैसे हेल्थ इशू भी थे। इन सभी चुनौतियों का सामना करते हुए माहिर ने केवल 8 महीनों में 39 किलोग्राम वजन कम किया और उन महिलाओं के लिए एक मिसाल बनी, जो वजन तो कम करना चाहती हैं लेकिन कोई पहल नहीं करती हैं।

**105 किलो हो गया था वजन** कॉलेज के दिनों माहिर एक एथलेटिक के रूप में बड़ी हुई लेकिन समय बढ़ने के साथ उनके खाने-पीन और जीवनशैली में बदलाव के कारण उनका वजन बढ़ने लगा। डिलीवरी के बाद इनक वजन 105 किलोग्राम तक पहुंच गया। इसके साथ उन्हें अम्बिलिकल हर्निया और हाई कोलेस्ट्रॉल जैसी हेल्थ प्रॉब्लम रही और गनेंसी के दौरान पीसीओएस और जेस्टेशनल डायबिटीज का भी सामना करना पड़ा।

**कैसे मिली प्रेरणा** तेजी से बढ़ता वजन और साथ में स्वास्थ्य समस्याओं की वजह से इन्हें वजन कम करने में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा था। वजन कम भी हो जाता था लेकिन फिर बढ़ जाता था। अपनी पहले जैसी फिटनेस पाने और अपने बेटे के लिए एक पॉजिटिव एग्जांपल सेट करने के लिए इन्होने हर चुनौतियों का सामना करने की जिद पकड़ ली और इस तरह इनकी वेट लॉस जर्नी शुरू हुई।

**ऐसा रहा डाइट प्लान**

**ऐसा था वर्कआउट प्लान** माहिर को इस दौरान कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। एक मां की जिम्मेदारी, काम का बोझ और घर-परिवार के बीच वजन कम करना एक कठिन काम बनता जा रहा था। समय नहीं मिलने की वजह से कई बार सब कुछ छोड़ने का मन करता था। हालांकि इन उन्होंने इन सबका सामना किया और मंजिल की तरफ बढ़ती रही। बेशक वजन कम करना एक मुश्किल काम है लेकिन अगर आप ठान लें तो हर मुश्किल को आसानी से पार किया जा सकता है। माहिर प्रेरणा हैं उन लाखों महिलाओं के लिए जो परिवार और काम के बोझ तले दबी हैं और अपनी फिटनेस पर ध्यान नहीं दे पा रही हैं। ध्यान रहे कि मोटापा कई गंभीर बीमारियों की जड़ है और अगर आपको इस जड़ को काटना है, तो आपको अपनी बीजी टाइम से टाइम निकालना होगा।

# मोबाइल चलाने वाले जरूर करें ये आयुर्वेदिक उपाय, डॉ. की गारंटी 15 दिन में तेज होगी आंखों की रोशनी

हमारे आसपास खतरनाक नीली रोशनी फेंकने वाले मोबाइल और लैपटॉप का जाल बिछ चुका है। जिससे निकला नहीं जा सकता है इसलिए आंखों को मजबूत बनाने की जरूरत है। इस आयुर्वेदिक उपाय से नजर तेज होती है और चश्मा उतर जाता है। मोबाइल और लैपटॉप आंखों के सबसे बड़े दुश्मन हैं। इनसे निकलने वाली नीली रोशनी आपकी नजर कमजोर कर देती है। इससे रेटिना पर जोर पड़ता है और कम उम्र में चश्मा लगवाना पड़ जाता है। कुछ लोग इस बोझ से छुटकारा पाने के लिए लेजर सर्जरी करवाते हैं मगर देसी इलाज से भी यह काम हो सकता है। नेचुरोपैथी स्पेशियलिस्ट डॉ. निताशा गुप्ता ने जानकारी दी कि आंखों की रोशनी तेज करने और आंखों का चश्मा उतारने के लिए आयुर्वेद में ऐसे-ऐसे उपाय हैं जिन्हें लेने से केवल 15 दिन में असर नजर आने लगता है। उन्होंने एक देसी नुस्खा की विधि बताई है जिससे बहुत सारे लोगों का चश्मा उतर गया है।

**नजर बढ़ाने का आयुर्वेदिक उपाय**

इन सामग्रियों की पड़ेगी जरूरत
इन सामग्रियों की पड़ेगी जरूरत
इन सामग्रियों की पड़ेगी जरूरत
200 ग्राम मखाना
100 ग्राम बादाम
50 ग्राम कद्दूकस नारियल
20 ग्राम सौंफ
20 ग्राम सफेद तिल
20 ग्राम फ्लैक्स सीड्स
10 ग्राम काली मिर्च
400 ग्राम गुड़
100 ग्राम देसी घी

**आंखों के रोशनी बढ़ाने के लिए क्या खाएं?** एक पैन में एक बड़ा चम्मच देसी घी डालें। उसमें बादाम डालकर हल्का भून लें। उसके बाद इसमें मखाने डालकर चलाएं। मखानों के बाद एक-एक करके सौंफ, सफेद तिल, अलसी के बीज, कद्दूकस किया नारियल और काली मिर्च डालकर हिलाएं। इन सभी चीजों को 15 से 20 मिनट हल्की आंच पर पकाएं। इसे आंच से उतारकर ठंडा करें और फिर पीसकर पाउडर बना लें।

अभी बची है दवा बनना सारी सामग्रियों को पाउडर बनाने के बाद फिर से एक पैन में थोड़ा देसी घी डालें।

फिर इसमें गुड़ डालें। जब गुड़ पिघल जाए तो इसमें तैयार किया पाउडर अच्छी तरह मिलाएं।

जब दोनों चीजें अच्छी तरह मिक्स हो जाएं इसके छोटे-छोटे लड्डू बना लें। एक लड्डू रोज दूध के साथ लेने से रोशनी तेज होगी। 3 साल से लेकर बड़े लोग रोज एक लड्डू खा सकते हैं। 15 दिन में रिजल्ट दिखने लगेगा। बादाम में ओमेगा फैटी एसिड होता है जो आंखों के रेटिना की रक्षा करता है। इन सभी सामग्री में विटामिन ए भरपूर मात्रा में होता है जो आंखों की रोशनी को तेज करता है।

# ब्रेन स्ट्रोक एक खतरनाक स्थिति है जो किसी की जान भी ले सकती है

: ब्रेन स्ट्रोक एक खतरनाक स्थिति है जो किसी की जान भी ले सकती है। आजकल जवान और फिट लोगों को भी इसका सामना करना पड़ रहा है जिसमें जीरोधा के सीईओ नितिन कामत भी आ गए हैं। उन्होंने इसकी 5 वजहें भी बताई हैं। शेयर मार्केट में जीरोधा के सीईओ और फाउंडर नितिन कामत को कौन नहीं जानता। अपनी मेहनत और सक्सेस के अलावा वो अपनी फिटनेस के लिए भी जाने जाते हैं। मगर इसके बावजूद जब उन्हें स्ट्रोक अटैक पड़ा था, वो विश्वास नहीं कर पाए। इसके बारे में खुद उन्होंने सोशल मीडिया पर जानकारी दी। नितिन कामत ने लिखा कि करीब 6 हफ्ते पहले अचानक उन्हें माइल्ड स्ट्रोक हुआ। वो सोचते हैं कि जो इंसान एकदम फिट है और अपना ध्यान रखता है वो किस स्थिति से कैसे प्रभावित हो सकता है। इसका जवाब उन्हें डॉक्टर से मिला। जो कि हेल्दी रहने और जान बचाने की एक बेहतरीन टिप है। **खुद बताया स्ट्रोक का कारण** जब जीरोधा के सीईओ ने डॉक्टर से पूछा कि आखिर फिटनेस का ध्यान रखने के बाद भी उनको इसका सामना क्यों करना पड़ा तो डॉक्टर ने उन्हें शरीर के संकेत सुनने की बात कही। डॉक्टर ने कहा कि जब शरीर थोड़ा ब्रेक लेने के लिए कहता है तो उसकी सुन लेनी चाहिए। जरूरत से ज्यादा मेहनत या काम से शरीर पर अत्यधिक प्रेशर पड़ जाता है जिसे वो झेल नहीं पाता। अपने पोस्ट में उन्होंने लिखा कि स्ट्रोक की वजह से उनके चेहरे के एक तरफ की मांसपेशी झूल गई थी। वो ना कुछ पढ़ पा रहे थे और ना कुछ लिख पा रहे थे। उनका दिमाग भी अच्छी तरह काम नहीं कर रहा था। मगर अब पहले से बेहतर हैं और पढ़ व लिख पा रहे हैं। पूरी रिकवरी के लिए 3 से 6 महीने का समय चाहिए। उन्होंने स्ट्रोक के पीछे के संभावित कारणों के बारे में भी बताया जो कि इस प्रकार हैं।

नींद की कमी, अत्यधिक थकान, डिहाइड्रेशन, ओवर वर्कआउट डिस्क्लेमरः यह लेख केवल सामान्य जानकारी के लिए है। यह किसी भी तरह से किसी दवा या इलाज का विकल्प नहीं हो सकता। ज्यादा जानकारी के लिए हमेशा अपने डॉक्टर से संपर्क करें।

# शहनाज उर्फ पंजाब की कैटरीना ने रेड ड्रेस में दी रेट्रो वाइब, ग्लैमर से जीता फैंस का दिल

पहले बिग बॉस, फिर फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' और अब कई पंजाबी गानों के साथ-साथ कई ब्रैंड्स का फेस बन चुकी शहनाज गिल, ग्लैमर की दुनिया में अपनी पहचान बना रही हैं। इसी के साथ उनका फैशन गेम भी हर बीतते दिन के साथ और ज्यादा रिफाइन होता जा रहा है। हाल ही में शहनाज ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर रेड ड्रेस में कुछ फोटोज पोस्ट की, जिसने फैंस के दिलों में खलबली मचा दी है। बतौर पंजाबी सिंगर और फिर बिग बॉस सीजन 13 से सबके दिलों में अपनी पहचान बनाने वाली शहनाज गिल, आज फिल्मों में भी अपनी पकड़ बना रही हैं। इस जर्नी के साथ ही शहनाज के फैशन में आए चेंज को भी सभी नोटिस कर रहे हैं। कभी सूट और नॉर्मल स्टाइलिश क्लोद्स में नजर आने वाली ये बाला अब लगभग हर दिन अपने किसी ने किसी सुपर फैशनेबल लुक से फैन्स का दिल जीतती दिखाई देती है। शहनाज उर्फ सना ने एक बार फिर से अपने हुस्न और स्टाइल का जादू चलाया है। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ फोटोज पोस्ट किए हैं, जिनमें उन्हें रेड ड्रेस में अपनी दिलकश अदाओं का ऐसा जलवा बिखेरते देखा जा सकता है कि उसके आगे तो मॉडल्स भी फेल हो जाएं। अपनी हर अदाओं और बोल्डनेस से सबका दिल जीतने वाली शेहनाज रेड ड्रेस में एकदम हॉट बाला लगीं। सना ने जो रेड गाउन पहना वो मिआकी (miakee) से लिया गया है। इस स्ट्रैपलेस गाउन के साथ गॉर्जियस बाला ने सेम कलर का स्टॉल स्टाइल किया था। ये कॉम्बिनेशन हसीना के लुक में रेट्रो वाइब्स ऐड कर रहा था। शेहनाज ने अपने रेड गाउन लुक को क्लासी रखते हुए मिनिमल ज्वेलरी का ऑप्शन चुना था। इस ब्यूटीफुल अदाकारा को सिर्फ गोल्डन हूप्स और रिंग पहने देखा जा सकता था। इसने उनकी ड्रेस को और ज्यादा हाइलाइट होने में भी मदद की। ब्लैक, वाइट और गोल्डन जैसे कुछ ऐसे कलर हैं जो रेड के साथ खूब जंचते हैं और लुक को बेहतर बनाते हैं। शहनाज ने भी अपने रेड गाउन के साथ वाइट पंप हील को स्टाइल की जिसने उनके मोनोक्रोम लुक में अलग कलर ऐड कर स्टाइल कोशन्ट बढ़ाने का काम किया। वहीं अगर हम शहनाज के मेकअप की बात करें तो उनका ये नाइट मेकअप राजन पासी ने किया था और हसीना की खूबसूरती को उभारा। साथ ही हेयर स्टाइलिस्ट बलजीत चीमा ने शहनाज के बालों को स्लीक स्ट्रैट लुक दिया, जो उनके क्लासी लुक के साथ एकदम परफेक्ट फिट रहा।

# बिना चले पैरों में सूजन Liver के बढ़ने का मेजर संकेत, आफत आने से पहले तुरंत कराएं ये टेस्ट

हमारे शरीर को हेल्दी रखने में लिवर का बहुत ही अहम रोल होता है। लेकिन अगर लिवर में सूजन आ जाए यानि ये अपने आकार से बढ़ जाए, तो इसे इग्नोर न करें। क्योंकि ये गंभीर बीमारी का संकेत हो सकता है।

लिवर में सूजन आने की वजह से व्यक्ति का लिवर अपने सामान्य आकार से बड़ा हो जाता है, जिसे मेडिकल टर्म में हेपाटोमेगली भी कहते हैं। तब ये परेशानी का कारण बन सकता है। क्योंकि शरीर में लिवर एक ऐसा अंग है, जो आपके शरीर में बनने वाले हानिकारक केमिकल्स से छुटकारा दिलवाकर शरीर में ब्लड को साफ करने का काम करता है।

ब्लड क्लॉटिंग होने से रोकने के साथ शरीर को इंफेक्शन से बचाता है। साथ ही भोजन से फैट को तोड़ने में आपकी मदद करता है। यही नहीं ग्लूकोज की फॉर्म में शर्करा को स्टोर करने की वजह से जरूरत पड़ने पर शरीर को तुरंत ऊर्जा प्रदान भी करता है। जान लें लिवर एकमात्र ऐसा आर्तरिक अंग है, जो सर्जरी के बाद वापिस बढ़ सकता है। जिसके कारण ही लाइव लिवर दान संभव है। लेकिन जरा सोचिए अगर आपका लिवर ही बीमार हो जाए तो क्या होगा।

**क्या है हेपाटोमेगली और इसके कारण**

हेपाटोमेगली, जिसमें लिवर जब अपने आकार से बढ़ जाता है। यह स्थिति विभिन्न कारणों से उत्पन्न हो सकती है, जैसे मोटापा, फैटी लिवर, लिवर में संक्रमण होना। यही नहीं बल्कि कुछ कैंसर, जैसे लिवर कैंसर या ल्यूकेमिया कैंसर, जो शरीर के अन्य भागों से लिवर में फैल जाते हैं, हेपाटोमेगली का कारण बन सकते हैं। कोई आनुवांशिक बीमारी या फिर हृदय और रक्त वाहिकाओं में असमानताएं, जो लिवर में जमाव का कारण बन सकती हैं। यही नहीं बल्कि शराब का जरूरत से ज्यादा सेवन, कुछ दवाएं, औद्योगिक रसायन या फिर पर्यावरण में विषैले तत्वों के संपर्क में आने की वजह से भी लिवर को नुकसान पहुंच सकता है।

**जब दिखे ये लक्षण तो हो जाएं अलर्ट**

आमतौर पर जब लिवर सूज कर बड़ा होता है, तो इसके लक्षण नजर नहीं आते हैं। लेकिन जब स्थिति गंभीर होती है, तब इसके लक्षण नजर आने लगते हैं। जिसमें चक्कर व उल्टी आना, त्वचा व आंखों का पीलापन, पेट में दर्द, पैरों में सूजन, वजन का तेजी से कम होना, पेट का फूलना इत्यादि लक्षण शामिल हैं। ये लक्षण दिखने पर नजरअंदाज न करें बल्कि तुरंत डॉक्टर की सलाह लें। ताकि समय रहते स्थिति को संभाला जा सके।

**कौन से टेस्ट हैं जरूरी**

आपको हेपाटोमेगली क्यों है, इसका पता लगाने के लिए डॉक्टर विभिन्न टेस्ट करवाने की सलाह देते हैं। जिसमें कम्पलीट ब्लड टेस्ट, जिसके माध्यम से ब्लड सेल्स की असामान्य संख्याओं के बारे में पता लगाया जा सकता है। पेट के अंगों को अच्छे से देखने के लिए सीटी स्कैन, एमआरआई करवाने की भी सलाह दी जाती है।

**क्या है उपचार** लिवर के खराब होने की स्थिति में कुछ खास तरह की दवाओं के साथ लिवर ट्रांसप्लांट किया जाता है। लिवर कैंसर होने की स्थिति में कीमोथेरेपी, सर्जरी की मदद से रोगी को ठीक करने की कोशिश होती है, जिससे वह पहले की तरह सामान्य जिंदगी जी सके।

साथ ही लिवर में सूजन को कम करने के लिए लाइफस्टाइल में बदलाव जैसे शराब का सेवन नहीं करना, हेल्दी डाइट के साथ रेगुलर एक्सरसाइज , जो वजन कम करने के साथ लिवर में सूजन की समस्या को कम करने में मददगार साबित होती है की सलाह दी जाती है।

# टीवी इंटरव्यू में ही पत्नी को लगा लिया गले, जीत की खुशी में बुमराह का रिएक्शन चौंका देगा




**टीम इंडिया ने जोरदार मुकाबले में साउथ अफ्रीका को हराकर टी-20 विश्वकप खिताब जीत लिया है। इस जीत में अहम भूमिका निभाने वाले जसप्रीत बुमराह का एक वीडियो सामने आया है। इसमें वो टीवी पर इंटरव्यू ले रही अपनी पत्नी को गले लगा लेते हैं। क्या आपने देखा वो वीडियो।**

**नई दिल्ली:** जीत की खुशी होती ही कुछ ऐसी है कि हर कोई इसमें डूब जाना चाहता है। चाहे फिर वो क्रिकेट फैंस हों या फिर खुद क्रिकेटर्स। ऐसा ही कुछ टी-20 विश्व कप में टीम इंडिया की जीत के बाद देखने को मिला। हुआ ये कि भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, जिन्होंने पूरे टूर्नामेंट में शानदार बॉलिंग की। एक तरह से कहें तो वो टीम इंडिया की हर जीत में तुरुप के इक्का रहे, फिर चाहे वो फाइनल मुकाबला रहा हो या फिर ग्रुप स्टेज और सुपर-8 के मैच। बुमराह ने पूरे अनुशासन के साथ हर मैच में शानदार बॉलिंग की। भले ही जसप्रीत बुमराह मैच के दौरान पूरी तरह अनुशासित रहे लेकिन टीम इंडिया के कप जीतने के बाद इंटरव्यू में वो अपने इमोशन्स को काबू रखने में असफल रहे। यही वजह है कि जब उनकी पत्नी उनका इंटरव्यू कर रही थीं तो जीत की खुशी में वो अपनी प्रोफेशनल लाइफ मानो भूल गए। यही वजह है कि इंटरव्यू के तुरंत बाद उन्होंने अपनी पत्नी को गले लगा लिया।

**बुमराह ने पत्नी संजना से गले लगकर किया जीत की खुशी का इजहार** पूरा घटनाक्रम टीम इंडिया के टी-20 विश्वकप जीत के बाद सामने आया। दरअसल, भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की पत्नी संजना गणेशन टीवी एंकर और प्रेजेंटर हैं। वो टी-20 विश्वकप के दौरान लगातार टीवी स्क्रीन पर नजर आती रही हैं। जब शनिवार देर रात बारबाडोस में टीम इंडिया ने साउथ अफ्रीका को टी-20 वर्ल्ड कप में हराया तो संजना गणेशन भी पोस्ट मैच सेलिब्रेशन को कवर कर रही थीं। इसी दौरान संजना ने टीम इंडिया की जीत में अहम रोल निभाने वाले जसप्रीत बुमराह का इंटरव्यू करने लगीं। शुरू में सब ठीक रहा। बुमराह ने जीत को लेकर अपनी फीलिंग्स का इजहार किया। **इंटरव्यू के बाद इमोशंस को काबू नहीं कर सके बुमराह** जैसे ही इंटरव्यू खत्म हुआ तो जसप्रीत बुमराह ने फाइनल कमेंट के बाद तुरंत ही अपनी पत्नी टीवी एंकर संजना को गले लगा लिया। ऑनस्क्रीन जिस तरह से उन्होंने अपनी जीत की खुशी की इजहार किया वो बेहद चौंकाने वाला था।

# 2011 विश्व विजेता खिलाड़ियों का इनाम हो गया था डबल, अब कितना, धन कुबेर BCCI का खुलेगा खजाना?

कोई भी टीम जब भी इस तरह का खिताब जीतती है तो क्रिकेट बोर्ड अपने खिलाड़ियों पर दिल खोलकर खर्च करता है। उनके लिए कैश प्राइस का ऐलान होता है। हालांकि, टीम इंडिया को अभी इंतजार है। संभव है कि कुछ ही घंटों में कोई बड़ा ऐलान हो। 2011 विश्व कप विजेता के हर खिलाड़ी को 2-2 करोड़ मिले थे।

**नई दिल्ली:** भारत के पहले टी20 विश्व और वनडे विश्व कप चैंपियन कप्तान महेंद्र सिंह धोनी, सचिन तेंदुलकर और सुनील गावस्कर समेत मौजूदा और पूर्व क्रिकेटरों ने टी20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम की तारीफ की हर किसी का मानना है कि इससे बच्चों को अपने सपने पूरे करने की दिशा में अगला कदम बढाने की प्रेरणा मिलेगी। धोनी की कप्तानी में भारत ने 2007 में दक्षिण अफ्रीका में पहला टी20 विश्व कप जीता था। उन्हीं की कप्तानी में भारत वनडे विश्व कप कप विजेता बना था। उस समय भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने टीम इंडिया के हर खिलाड़ी को 2-2 करोड़ रुपये कैश प्राइस दिए थे। तत्कालीन बीसीसीआई सचिव और अध्यक्ष एन श्रीनिवासन (चयनित हुए थे) ने एलान किया था, 'विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्यों को दी जाने वाली नकद प्रोत्साहन राशि को प्रति खिलाड़ी 1 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 2 करोड़ रुपये कर दिया गया है।' उस वक्त खबरें थीं कि यह निर्णय उन अटकलों के बाद लिया गया है, जिनमें कहा गया था कि कई शीर्ष भारतीय क्रिकेटरों ने क्रिकेट बोर्ड से अनौपचारिक रूप से मांग की थी कि 28 साल बाद सबसे बड़ा क्रिकेट आयोजन जीतने के लिए इनाम राशि को 1 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 5 करोड़ रुपये किया जाए। हालांकि, बीसीसीआई ने ऐसी रिपोर्टों को खारिज कर दिया था और श्रीनिवासन ने उन्हें गलत बताया।

**पहले हुआ था एक-एक करोड़ का ऐलान** भारत ने 2 अप्रैल को वानखेड़े स्टेडियम में फाइनल में श्रीलंका को हराकर आईसीसी विश्व कप जीता था। जीत के तुरंत बाद बीसीसीआई अध्यक्ष शशांक मनोहर ने 15 सदस्यीय विश्व कप टीम के प्रत्येक सदस्य के लिए एक करोड़ रुपये के इनाम की घोषणा की थी। उन्होंने यह भी घोषणा की कि सहयोगी स्टाफ को 50-50 लाख रुपये दिए जाएंगे। बाद में इसे बदल दिया गया था। दूसरी ओर, इस जीत से खुश धोनी ने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'विश्व कप चैम्पियन 2024। मेरी दिल की धड़कनें तेज हो गई थी। शांतिचित्त होकर, आत्मविश्वास बनाये रखकर शानदार प्रदर्शन किया।

# जो जानते नहीं, उन्होंने भी बहुत कुछ कहा... IPL को लेकर भावुक हार्दिक पंड्या का छलका दर्द



**इंडियन प्रीमियर लीग के 2024 सत्र में खराब प्रदर्शन और मुंबई इंडियंस की कप्तानी को लेकर आलोचकों के निशाने पर रहने वाले हार्दिक पंड्या का अब दर्द छलका है। उन्होंने कहा कि जो लोग उन्हें ढंग से जानते भी नहीं उन्होंने बहुत कुछ कहा।**

**ब्रिजटाउन:** हार्दिक पंड्या गरिमा से जीने में भरोसा करते हैं और आईपीएल में मुंबई इंडियंस के कप्तान के तौर पर उनकी नाकामी के बाद काफी कुछ कहने वाले ऐसे लोगों से भी उन्हें कोई गिला नहीं है जो उन्हें एक प्रतिशत भी नहीं जानते। आईपीएल में रोहित शर्मा की जगह मुंबई इंडियंस के कप्तान बने हार्दिक को उनकी अपनी टीम के प्रशंसकों की हूटिंग झेलनी पड़ी। मुंबई प्लेआफ में जगह नहीं बना सका और बतौर कप्तान तथा खिलाड़ी उन पर सवाल उठाये गए। विश्व कप में हरफनमौला प्रदर्शन से हालांकि उन्होंने सभी को खामोश कर दिया। उन्होंने खिताब जीतने के बाद कहा, 'मैं गरिमा में विश्वास करता हूं। जो लोग मुझे एक प्रतिशत भी नहीं जानते, उन्होंने इतना कुछ कहा। लोगों ने बोला लेकिन कोई बात नहीं। मेरा हमेशा मानना है कि शब्दों से जवाब नहीं देना चाहिए, हालात जवाब दे देते हैं।' उन्होंने कहा, 'खराब समय हमेशा नहीं रहता। गरिमा बनाये रखना जरूरी है , चाहे आप जीतें या हारें।' हार्दिक ने कहा, 'प्रशंसकों और सभी को यह सीखना होगा (शालीनता से रहना)। हमें बेहतर आचरण रखना चाहिए। मुझे यकीन है कि अब वे ही लोग खुश होंगे।' हार्दिक ने आखिरी ओवर में दक्षिण अफ्रीका को 16 रन नहीं बनाने दिये। उन्होंने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो मुझे मजा आ रहा था। बहुत कम लोगों को ऐसे जिंदगी बदलने वाले मौके मिलते हैं। यह दांव उलटा भी पड़ सकता था लेकिन मैं आधा भरा गिलास देखता हूं, आधा खाली नहीं।'

# गुरु के आशीर्वाद से ही जीता जाता है जमाना... टीम इंडिया की जीत पर आनंद महिंद्रा का ये कमेंट दिल छू लेगा




**टीम इंडिया ने टी-20 विश्वकप खिताब अपने नाम करके देशवासियों को गदगद कर दिया है। हर कोई भारतीय टीम को अपने-अपने अंदाज में बधाई दे रहा है। इसी कड़ी में महिंद्रा ग्रुप के चेयरमैन आनंद महिंद्रा ने राहुल द्रविड़ को लेकर रिएक्ट किया। जानिए उन्होंने अपनी पोस्ट में क्या कुछ कहा।**

**नई दिल्ली:** भारतीय क्रिकेट टीम ने इतिहास रच दिया है। 17 साल बाद एक बार फिर रोहित शर्मा की कप्तानी में भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप अपने नाम किया। इससे पहले साल 2007 में टीम इंडिया ने पहला टी-20 विश्वकप अपने नाम किया था। इस बार बारबाडोस में टी-20 विश्वकप का फाइनल हुआ। टीम इंडिया का मुकाबला साउथ अफ्रीका के साथ था। हालांकि, टीम ने जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए रोमांचक मुकाबले में 7 रन से जीत दर्ज कर ली। भारतीय टीम की इस जीत से पूरे देश में जश्न का माहौल है। हर कोई टीम इंडिया को जीत की बधाई दे रहा है। ऐसे में महिंद्रा ग्रुप के चेयरमैन आनंद महिंद्रा ने भी रिएक्ट किया। उन्होंने टीम इंडिया के कोच राहुल द्रविड़ को लेकर दिल छू लेने वाला ट्वीट किया। **राहुल द्रविड़ को लेकर आनंद महिंद्रा की पोस्ट** आनंद महिंद्रा ने एक्स पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें विराट कोहली विश्वकप की ट्रॉफी कोच राहुल द्रविड़ को देते हुए नजर आ रहे हैं। जैसे ही ये ट्रॉफी द्रविड़ के हाथों में पहुंची तो वो जोश से भर उठे। राहुल द्रविड़ ने वर्ल्ड ट्रॉफी को ऊपर उठाकर उछलते हुए अपनी खुशी का इजहार किया। आनंद महिंद्रा ने 22 सेकंड के इस वीडियो के साथ पोस्ट भी लिखा। उन्होंने कहा, 'क्रिकेट और जीवन का है एक ही फसाना, गुरु के आशीर्वाद से ही जीता जाता है जमाना'। गुरुपूर्णिमा से पहले ही टीम इंडिया ने कोच राहुल द्रविड़ को दी गुरु दक्षिणा।

**'गुरु पूर्णिमा से पहले द्रविड़ को गुरु दक्षिणा'** आनंद महिंद्रा ने अपनी इस पोस्ट में कोच राहुल द्रविड़ के रोल का जिक्र किया। कैसे उन्होंने टीम का हौसला बढ़ाया। एक समय दक्षिण अफ्रीका ने मैच में अपनी पकड़ बना ली थी। बावजूद इसके भारतीय टीम ने उन्हें लक्ष्य से 7 रन दूर रोकने में सफलता हासिल की। टीम इंडिया के इस प्रदर्शन से हर क्रिकेट प्रेमी गदगद है। आनंद महिंद्रा ने सुबह 11.15 बजे ये पोस्ट किया।

# बारबाडोस में रोहित ने जीत का झंडा गाड़ाः पिच की मिट्टी चखी, विराट के गले लगकर रोए; हार्दिक को जादू की झप्पी दी



टीम इंडिया के टी-20 वर्ल्ड कप जीतने का जश्न बारबाडोस से भारत तक मनाया जा रहा है। मैच जीतने के बाद कप्तान रोहित अपनी भावनाओं को रोक नहीं पाए। जमीन पर हाथ पटकने लगे। विराट के गले लगकर रोए। हार्दिक पंड्या का गाल चूमा और गले लगा लिया। मैच के दौरान भी कई पल थे, जो यादगार बन गए। 2011 के बाद अब इंडिया वर्ल्ड कप जीती है। इस जीत की कहानी मोमेंट्स में देखिए।

टी-20 वर्ल्ड कप की शुरुआत से पहले BCCI सचिव जय शाह ने एक बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि टी-20 वर्ल्ड कप में हम रोहित की कप्तानी में बारबडोस में भारत का झंडा गाड़ेंगे। भारतीय कप्तान ने मैच जीतने के बाद ऐसा ही किया और जय शाह की बात को सच साबित कर दिया। इस मोमेंट पर जय शाह भी मौजूद थे।

2. रोहित-विराट गले मिलकर रोए रोहित-विराट गले मिलकर रोए।

रोहित-विराट गले मिलकर रोए। टी-20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद विराट और रोहित ने इस फॉर्मेट से संन्यास का ऐलान कर दिया है। फाइनल जीतने के बाद विराट कोहली और रोहित शर्मा 1 मिनट तक गले मिले। दोनों की आंखों में आंसू थे। टी-20 इंटरनेशनल में लंबे समय तक खेलने के बाद दोनों ने इसे अलविदा कह दिया है।

3. हार्दिक को रोहित ने दी जादू की झप्पी

रोहित के गले लगकर हार्दिक पंड्या भी भावुक हो गए। अहम मौके पर 3 विकेट लेकर मैच इंडिया के पाले में करने वाले हार्दिक पंड्या भी कप्तान रोहित से गले मिले। रोहित ने उन्हें सीने से लगा लिया और किस भी किया। हार्दिक की आंखों में आंसू आ गए।

4. अर्शदीप और विराट कोहली का भांगड़ा विराट और अर्शदीप ने मिलकर भांगड़ा किया। मैच के बाद पूरी टीम जमकर नाची। सेंटर ऑफ अट्रैक्शन रहा विराट कोहली और अर्शदीप का भांगड़ा।

# टी-20 वर्ल्ड कप जीतने पर एमपी में दिवाली जैसा नजाराःतिरंगा लेकर सड़कों पर उतरे लोग







**भोपाल**

टीम इंडिया ने टी-20 क्रिकेट वर्ल्ड कप जीत लिया। भारत ने शनिवार रात फाइनल मैच में दक्षिण अफ्रीका को 7 रन से हरा दिया। बारबाडोस के ब्रिजटाउन में हुए इस मैच में भारतीय टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी की और विरोधी टीम को 177 रन का लक्ष्य दिया। साउथ अफ्रीका ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 169 रन बनाए। इसी के साथ भारतीय टीम ने ICC ट्रॉफी के 11 साल के सूखे को खत्म कर दिया। भारत ने आखिरी ICC टूर्नामेंट 2013 में जीता था। टीम इंडिया की जीत पर भोपाल से लेकर इंदौर, ग्वालियर से लेकर जबलपुर तक प्रदेशभर में जश्न का माहौल है। देर रात भारतीय टीम के फैन्स हाथों में तिरंगा लेकर सड़कों पर उतर आए। भारत माता की जय, वंदे मातरम्, इंडिया-इंडिया के नारे गूंजे। जमकर आतिशबाजी की गई। लोग ढोल-नगाड़ों की थाप पर थिरकते नजर आए। एक-दूसरे को जीत की बधाई दी। मध्यप्रदेश के सीएम डॉ. मोहन यादव ने भी टीम इंडिया को शुभकामनाएं दी हैं।

# रोहित ने अहमदाबाद वाली गलती नहीं की... टीम इंडिया की जीत के शोएब अख्तर भी हो गए फैन

**शोएब अख्तर ने टीम इंडिया को दिल खोलकर बधाई दी। उन्होंने कहा कि टीम इंडिया ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। रोहित शर्मा ने अहमदाबाद वाली गलती नहीं की और इस बार वह कप जीत गए।**

**ब्रिजटाउन(बारबाडोस):** मेहनत इतनी खामोशी से करो कि सफलता भी शोर मचाने लगे। शनिवार बारबाडोस में टीम इंडिया की वो मेहनत ही थी जिसके बाद सफलता ने जैसे कदम चूम लिए। एक ओर भारतीय टीम जश्न मना रही थी तो वहीं दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीकी खेमा मायूस था। टीम के खिलाड़ियों को पता था कि उन्होंने किस मोड़ पर आकर क्या खो दिया। इस जीत के बाद सरहद पार से भी बधाईयां मिल रही हैं। रावलपिंडी एक्सप्रेस के नाम से मशहूर शोएब अख्तर ने टीम इंडिया की दिल खोलकर तारीफ की। उन्होंने यह भी कहा की भारतीय टीम 2023 वनडे विश्वकप जीतना भी डिजर्व करती थी, ठीक वैसे ही इस टी20 विश्वकप की जीत के हकदार वो ही हैं।

**शोएब अख्तर ने जीत पर पढ़े रोहित सेना के कसीदे** पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक वीडियो डाला। 39 सेकेंड के इस वीडियो में उन्होंने खुलकर रोहित सेना की तारीफ की। उन्होंने कहा कि रोहित शर्मा ने कर दिखाया, क्या कहा जाए, मैंने उन्हें अहमदाबाद में देखा था। शोएब ने आगे कहा कि मैंने बार-बार कहा है कि हिंदुस्तान 2023 विश्वकप भी जीतना डिजर्व करता था और ये भी और हिंदुस्तान को बहुत-बहुत मुबारकबाद।

**'टीम इस पूरे टूर्नामेंट बहुत अच्छा खेली'** शोएब ने टीम इंडिया का लोहा मानते हुए कहा कि भारतीय टीम इस पूरे टूर्नामेंट बहुत अच्छा खेली और फाइनल तक वह अजेय भी रहे। अख्तर ने कहा कि जीत के बाद रोहित मैदान में लेट गए थे, आंखों से आंसू बह रहे थे। उन्होंने कहा कि रोहित को पता था कि दुनिया उन्हें कितना मानती है और जो गलती उनसे अहमदाबाद में हुई थी, वो उन्होंने पूरी कर दी।

**पाकिस्तान पहले ही हो गया था बाहर** टीम इंडिया की तुलना में पाकिस्तान का प्रदर्शन बहुत खराब रहा था। उसे अमेरिका ने पहले सुपर ओवर में और बाद में भारतीय टीम ने 6 रनों से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया था। उसे कनाडा और आयरलैंड से बाद में जीत तो मिली लेकिन वह उसे सुपर-8 में पहुंचाने के लिए काफी नहीं थी। पाकिस्तान के खाते में 2009 टी20 विश्वकप की जीत है। वनडे विश्वकप में उसे साल 1992 में जीत मिली थी।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अन्नपूर्णा गुप्ता द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस प्लॉट नं 0535 एवं 1272 लालगुटवा रातू रोड पुलिस स्टेशन रांची में विजय जनरल स्टोर हिनू चौक रांची 834002 से प्रकाशित
प्रधान संपादक अन्नपूर्णा गुप्ता कार्यालय फोन नं ,651-2253830 ,9471717919, 9123244805 RNI NO JHAHIN / 2013/66670